देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

गोण्डा मंगलवार 17 अक्टूबर 2023 वर्ष 39 अंक 60 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स–05262-230683 डाक पंजीयन संख्या–NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ– 8 मूल्य 2.00 रुपये

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर-गोण्डा

मो0–9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

नगर पंचायतों में कराई गई फॉगिंग

गोण्डा। नगर पंचायतों के द्वारा डेंगू मलेरिया एवं अन्य मच्छरों से होने वाली बीमारियों के खतरे को देखते हुए नगर के कई इलाकों में फॉगिंग कर दवा का छिड़काव किया गया। सोमवार को जिले में बढ़ रहे डेंगू व अन्य बीमारियों के खतरे को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर पंचायत बेलसर, कटरा बाजार, खरगूपुर के द्वारा नगर के सभी वार्डों में मच्छरों के प्रकोप को कम करने के उद्देश्य से फागिंग किया गया। इस दौरान नगर पंचायत के कर्मचारी फागिंग मशीन से घूम घूम कर दवा का छिड़काव किया। इस बाबत जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में डेंगू दस्तक दे दिया है। डेंगू के प्रभाव को देखते हुए नगर के कई इलाकों में फागिंग कराया जा रहा है जिससे लोगों को मच्छर की प्रकोप से निजात मिलेगी। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं कि बीमारियों के प्रकोप को देखते हुए सभी जगहों पर फागिंग एवं दवा का छिड़काव कराया जाय:

कांग्रेस केवल लूट की गारंटी दे सकती है - जेपी नड्डा

नई दिल्ली (ईएमएस)।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को दावा किया कि विपक्षी दल केवल लूट की गारंटी दे सकता है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह भ्रष्टाचार के जरिए धन एकत्र करने की खातिर कर्नाटक को एटीएम में बदल रही है ताकि अपने चुनाव प्रचार के पैसे जुटा सके। नड्डा ने कर्नाटक में विभिन्न जांच एजेंसी की छापेमारी में कुछ ठेकेदारों के पास से 100 करोड़ रुपये से अधिक राशि कथित रूप से मिलने का हवाला देते हुए कहा कि यह शर्मनाक और मतदाताओं के साथ घिनौना मजाक है। नड्डा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि यह कांग्रेस के भ्रष्ट डी एन ए का महज एक छोटा सा नमूना है।

उन्होंने कहा, सत्ता में आने के साथ ही कांग्रेस का भ्रष्टाचार कर्नाटक में सुरसा के मुख की तरह फैल चुका है। उन्होंने तत्कालीन भाजपा सरकार में ठेकेदारों को भारी कमीशन देने पर मजबूर किए जाने संबंधी आरोपों का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस समर्थित यही ठेकेदार कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के खिलाफ झूठ परोसने में सक्रिय थे। नड्डा ने कहा, यह कर्नाटक का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस सरकार ने इसे धनशोधन, भ्रष्टाचार और आगामी चुनावों के लिए पैसे जुटाने का एटीएम बना दिया है। जाहिर है कि कांग्रेस जो गारंटी दे सकती है वह हमेशा भ्रष्टाचार की गारंटी है। उन्होंने कहा, कांग्रेस और भ्रष्टाचार एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कांग्रेस सरकारों ने छत्तीसगढ़ और राजस्थान को भी भ्रष्टाचार का एटीएम बना दिया है और वह तेलंगाना एवं मध्यप्रदेश को भी ऐसा ही एटीएम बनाकर जनता की गाढ़ी कमाई लूटना चाहती है। नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस मध्यप्रदेश और तेलंगाना में सत्ता में आने के सपने इसलिए पाल रही है ताकि वह गरीबों के कल्याण और प्रदेश के विकास का पैसा लूट सके। उन्होंने कहा, कांग्रेस केवल लूट की ही गारंटी दे सकती है। कांग्रेस चुनावों में विशिष्ट कल्याणकारी कदम उठाने की गारंटी देने का वादा कर रही है और इन्हीं चुनावी वादों की मदद से उसने कर्नाटक के चुनाव में सफलता हासिल की।

नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी को वादे करने की कला में महारत हासिल है और अब यह पार्टी एक कदम आगे बढ़कर वादों के बदले में गारंटी देने लगी है। आयकर विभाग के अधिकारियों ने कर्नाटक में एक ठेकेदार, उसके बेटे, एक जिम प्रशिक्षक और एक वास्तुकार सहित कई लोगों से जुड़े परिसरों पर छापे मारकर बड़ी नकद राशि बरामद की है। भाजपा और कांग्रेस के बीच हाल में होने वाले विधानसभा चुनावों में कड़ा मुकाबला होने की संभावना हैं। दोनों दलों के बीच छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में सीधी टक्कर होने के आसार हैं। तेलंगाना में इन दोनों दलों के अलावा भारत राष्ट्र समिति भी मजबूत दावेदार है।

उपभोक्ताओं की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने में रूचि लें-शर्मा

लखनऊ । प्रदेश सरकार उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण निर्बाध विद्युत आपूर्ति देने के लिए विद्युत व्यवस्था की कमियों को दूर कर विद्युत तंत्र को सुदृढ़ कर रही है। इसके लिए बिजली की जर्जर लाइन एवं पोल को बदला जा रहा है। बांस, बल्ली के सहारे हो रही आपूर्ति में सुधार हेतु बांस बल्ली को हटाकर विद्युत पोल लगाये जा रहे। ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि की जा रही। लो बोल्टेज की समस्या के समाधान के लिए फीडर को अलग किया जा रहा। नये फीडर और उपकेन्द्र बनाये जा रहे। पूरे प्रदेश में पहली बार व्यापक पैमाने पर अनुरक्षण कार्य किया जा रहा, जिससे आने वाले समय में विद्युत की अनवरत आपूर्ति की जा सकेगी। वर्तमान में 22 से 23 हजार करोड़ रूपये से अधिक की लागत के कार्य कराये जा रहे।

प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए0के0 शर्मा ने निर्देशित किया है कि त्योहारों के अवसर पर नवरात्रि, दशहरा, दीपावली में प्रदेश के सभी क्षेत्रों को निर्धारित शिड्यूल के अनुरूप निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की ढ़िलाई व लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। त्योहरों में बिजली न जाए इसके पूरे प्रबंध किये जाए। लोकल फाल्ट के दौरान तत्काल इसे ठीक करना सुनिश्चित करें। ट्रांसफार्मर के जलने व खराब होने पर तत्काल इसे बदला जाए। शीघ्र आपूर्ति बहाल करने के लिए अतिरिक्त ट्रांसफार्मर उपलब्ध रहें। ट्राली ट्रांसफार्मर के पर्याप्त व्यवस्था रहे। सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित मॉनीटरिंग करें। कहीं पर भी कमियॉ दिखे उसे शीघ्र दुरूस्त करने का भी प्रयास किया जाए। विद्युत की ट्रिपिंग रोकने के लिए फ्यूज, अर्थिंग और जम्फर वायर को भी चेक किया जाए। ऊर्जा मंत्री ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि प्रदेश के विकास के लिए सभी उपभोक्ता समय से अपने बिलों का भुगतान करें और प्रदेश को आगे ले जाने में सहयोग प्रदान करें। उन्होंने जिन क्षेत्रों में लाइनलॉस अधिक है वहॉ विद्युत चोरी रोकने के लिए चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्युत चोरी, कटिया बाजी हरहाल में रूकनी चाहिए। राजस्व हानि अब बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित राजस्व वसूली करने के लिए भी कहा। जिससे कि विद्युत की बेहतरी के लिए कराये जाने वाले कार्यों को और गति मिल सके। उन्होंने सभी विद्युत कार्मिकों को निर्देशित किया है कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने में रूचि लें। इसमें किसी भी प्रकार के दुविधा एवं व्यवधानों को स्वीकार नहीं किया जायेगा। उपभोक्ता हित प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में है।

ऊर्जा मंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शहरों एवं ग्रामीणों क्षेत्रों में लगाये जाने वाले दुर्गापूजा पंडालों के आसपास विद्युत व्यवस्था की निगरानी की जाए। जिससे कि किसी भी प्रकार की दुर्घटना न होने पाए। श्रद्धालुओं को भी जागरूक करें कि विद्युत लाइनों व पोल से दूर पूजा पंडालों को स्थापित करायें। मूर्ति विसर्जन के लिए निर्धारित मार्गों का भी निरीक्षण कर लें। ऐसे मार्गों में कहीं पर भी विद्युत तारों के लटकने व पोलों के झुके होने की समस्या न रहे। विद्युत दुर्घटनायें रोकने के लिए पूर्णतय: जागरूक होकर पहले से ही कार्य करना सुनिश्चित करें।

गोण्डा। कलेक्ट्रेट में जनसमस्याओं की सुनवाई करती हुए जिलाधिकारी

सुरेंद्र कोली और मनिंदर पंढेर इलाहाबाद हाईकोर्ट से बरी, निचली अदालत ने दी थी फांसी

प्रयागराज (ईएमएस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा के चर्चित निठारी कांड में दोषी सुरेंद्र कोली की 12 मामलों में और मनिंदर पंढेर की दो मामलों में फांसी की सजा रद्द कर दी है। कोर्ट ने इन केसों में सुरेंद्र कोली और मनिंदर सिंह दोनों को निर्दोष करार दिया है।

दरअसल, निठारी कांड में सीबीआई ने 16 मामले दर्ज किए गए थे। इसमें से सुरेंद्र कोली को 14 मामलों में फांसी की सजा मिल चुकी है। जबकि पंढेर के खिलाफ 6 मामले दर्ज थे, इसमें से 4 मामलों में वह पहले ही बरी हो चुका था। जबकि दो मामलों में पंढ़ेर फांसी की सजा सुनाई गई थी।

2005 से 2006 में नोएडा में हुए निठारी केस में सीबीआई ने सुरेंद्र कोली को हत्या, अपहरण, बलात्कार और सबूत मिटाने के केस में आरोपी बनाया था। जबकि मनिंदर सिंह पंधेर को मानव तस्करी का भी आरोपी बनाया गया था। दोनों आरोपियों ने अपनी फांसी की सजा को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। आरोपियों ने कोर्ट में कहा था कि इन घटनाओं का कोई चश्मदीद मौजूद नहीं है। उन्हें सिर्फ वैज्ञानिक और परिस्थितिजन्य सबूतों के आधार पर ये सजा सुनाई गई है।

जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्र और जस्टिस एस एच ए रिजवी की बेंच ने दोनों को इन केसों में बरी कर दिया।

क्या है निठारी कांड ?

7 मई 2006 को निठारी की युवती को पंढेर ने नौकरी दिलाने के बहाने बुलाया था। इसके बाद युवती वापस घर नहीं लौटी। युवती के पिता ने नोएडा के सेक्टर 20 थाने में गुमशुदगी का केस दर्ज कराया था। इसके बाद 29 दिसंबर 2006 को निठारी में मोनिंदर सिंह पंढेर की कोठी के पीछे नाले में पुलिस को 19 बच्चों और महिलाओं के कंकाल मिले थे। पुलिस ने पंढेर और उसके नौकर सुरेंद्र कोली को गिरफ्तार किया था, बाद में निठारी कांड से संबंधित सभी मामले सीबीआई को स्थानांतरित कर दिए गए थे।

सुरेंद्र कोली उत्तराखंड के अल्मोड़ा के एक गांव का रहने वाला है। सन् 2000 में वह दिल्ली आया था। दिल्ली में कोली एक ब्रिगेडियर के घर पर खाना बनाने का काम करता था। बताते हैं कि वह काफी स्वादिष्ट खाना बनाता है। साल 2003 में पंढेर के संपर्क में सुरेंद्र कोली आया। उसके कहने पर नोएडा सेक्टर-31 के डी-5 कोठी में काम करने लगा। साल 2004 में पंढेर का परिवार पंजाब चला गया। इसके बाद वह और कोली साथ में कोठी में रहने लगे थे। पंढेर की कोठी में अक्सर कॉलगर्ल आया करती थीं। इस दौरान वह कोठी के गेट पर नजर रखता था।

आरोप है कि वह कोठी से गुजरने वाले बच्चों को पकड़ कर उनके साथ कुकर्म करता और फिर उनकी हत्या कर देता। हालांकि, निठारी गांव के लोगों का कहना है कि पंढेर की कोठी से शरीर के अंगों का व्यापार होता था। उनका कहना है कि वे बच्चों को मारकर उनके अंग निकाल लेते थे। उन्हें विदेशों में बेंचा जाता था।

यमुनोत्री और केदारनाथ धाम के कपाट 15 नवंबर को होंगे बंद

देहरादून (ईएमएस)। चारधाम यात्रा की अंतिम तिथि की घोषणा के बावजूद प्रतिदिन दर्शनार्थियों का एक नया रिकॉर्ड दर्ज हो रहा है। 15 नवंबर को भैया दूज के दिन यमुनोत्री धाम और केदारनाथ धाम के कपाट आगामी 6 महीने के लिए बंद कर दिये जाएंगे। भगवान केदारनाथ की पंचमुखी उत्सव मूर्ति शीतकालीन प्रवास श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ पहुंचेगी। विजय दशमी को ही द्वितीय केदार मद्महेश्वर के कपाट बंद होने की तिथि श्री ओंकारेश्८वर मंदिर, उखीमठ में और तृतीय केदार तुंगनाथ के कपाट बंद होने की तिथि शीतकालीन गद्दी स्थल मार्कंडेय मंदिर मक्कूमठ में तय होगी। साथ ही श्री बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की तिथि विजय दशमी मंगलवार 24 अक्टूबर को बदरीनाथ धाम में तय की जाएगी।कपाट बंद होने की तिथि घोषित करने के लिए श्री बदरीनाथ मंदिर परिसर में धार्मिक समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुताबिक, श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय की मौजूदगी में रावल और धर्माधिकारी पंचांग गणना के बाद कपाट बंद होने के शुभ मुहूर्त की घोषणा की जाएगी। इस अवसर पर बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार, मुख्य कार्याधिकारी योगेंद्र सिंह सहित अन-?य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहेंगे।बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डॉक्टर हरीश गौड़ ने बताया कि बदरीनाथ धाम में कपाट बंद होने की तिथि तय करने के कार्यक्रम समारोह में यात्रा वर्ष 2024 के लिए मंदिर भंडार की जिम्मेदारी के तहत मंदिर समिति द्वारा हकहकूक धारियों को पगड़ी भेंट की जाएगी।

जन समस्याओं का त्वरित गति से किया जाए निदान-श्री केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ: उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनता दर्शन में प्राप्त प्रकरणों का निस्तारण पूरी गम्भीरता व संवेदनशीलता के साथ करने के निर्देश सभी सम्बंधित अधिकारियों को दिए हैं। श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को 7-कालीदास मार्ग स्थित अपने कैम्प कार्यालय पर विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुन रहे थे। उन्होंने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांगजनो, बुजुर्गों की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जनता दर्शन में भूमि विवाद, दुर्घटनाओं से संबंधित, अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, स्कूल निर्माण, भूमि पट्टा, कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, सड़क बनवाने, बिजली, आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उपमुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे रू-ब-रू होकर सुना।

गोण्डा। नवरात्रि, दुर्गा पूजा, दशहरा आदि पर्व के दृष्टिगत थाना कटरा बाजार के परिसर में पीस कमेटी की बैठक जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

अमेरिका का रावण करेगा श्रीराम से युद्ध

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की रामलीला का जादू कलाकारों के सिर चढ़कर बोलता है, यही वजह है कि रामलीला में मुंबई से ही नहीं बल्कि अमेरिका से भी अभिनय के लिए कलाकार आते हैं। इस दफा अशोक विहार फेज-2 में आदर्श रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला में श्रीराम से युद्ध करने अमेरिका से रावण आया हुआ है। करीब 45 वर्ष से रामलीला में किरदार निभा रहे पेशे से टेंट कारोबारी सुनील दत्त गुप्ता ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि वह वर्ष 1978 से विभिन्न रामलीलाओं में अलग-अलग पात्रों का चरित्र निभा चुके हैं। पहले वे दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में रहते थे, लेकिन पांच-छह साल पहले अमेरिका चले गए और अब वो सिएटल में रह रहे हैं। रामलीला में अभिनय करने का शौक उन्हें एक बार फिर दिल्ली ले लाया। उन्होंने गौरव महसूस करते हुए कहा कि इस रामलीला में रावण का किरदार निभाने आया हूं। वैसे उम्र तो 62 वर्ष हो चुकी है, लेकिन कद और काठी यानी छह फीट एक इंच लंबाई और 112 किलोग्राम वजन होने के कारण उन पर रावण का किरदार खूब फबता है। रामलीला में बोले जाने वाले रावण के सारे संवाद तो उन्हें मुंह जुबानी रटे हुए हैं, बस आप बोलिये और वो फिर रावण के किरदार में यूं आते हैं कि क्या कहने। बहरहाल दिल्ली की रामलीला का अपना खास स्थान है, जिसे देखने दूर-दराज से लोग आते हैं और किरदार निभाने वाले तो बॉलिवुड क्या अमेरिका से भी आ ही गये हैं। गौरतलब है कि दिल्ली के अलग-अलग स्थानों में खेली जाने वाली रामलीलाओं में पहले दिन भगवान गणेश का पूजन-अर्चन से लेकर गणेश द्वारा तुलसी माता को श्राप देने, शिव पार्वती संवाद, भगवान राम के जन्म का कारण, रावण-वेदवती संवाद सहित अनेक प्रसंग मंचित किए गए। इससे पहले केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी पूजन में पहुंचीं थीं। इस अवसर पर लालकिला मैदान स्थित माधवदास पार्क में श्री धार्मिक लीला कमेटी के महासचिव धीरजधर गुप्ता, सचिव प्रदीप शरण और प्रवक्ता रवि जैन विशेष रुप से उपस्थित थे।

संघ की शरण में दिग्गज

भोपाल (ईएमएस)। सूत्रों के हवाले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए टिकट कटने की संभावनाओं पर भाजपा के कई दिग्गज संघ की शरण में पहुंचे। जहां नेताओं ने संघ के पदाधिकारियों से मुलाकात की है। बताया गया कि ये सभी नेता इलेक्शन में टिकट पाने के लिए वीटो लगाकर मनाने में जुटे हुए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवारों की पांचवी सूची में कई बड़े बदलाव कर सकती है।

बताया जा रहा है कि 5 मंत्रियों और 30 से अधिक विधायकों के टिकट काटे जा सकते हैं। वहीं नाम कटने की संभावनाओं को लेकर भाजपा के दिग्गज नेता संघ की शरण में पहुंचे। 2 मंत्री और 8 विधायकों ने संघ के पदाधिकारियों से गुपचुप तरीके से मुलाकात की है। ये सभी नेता विस चुनाव में टिकट पाने के लिए पदाधिकारियों को मनाने में जुटे हुए हैं। प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2023 का बिगल बज चुका हैं। इसे लेकर सभी राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। भारतीय जनता पार्टी ने अब तक प्रत्याशियों की कुल 4 सूची जारी की है। जिसमें 136 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की है। बताया गया कि शेष बची 94 सीटों पर इसी हफ्ते नामों को फाइनल किया जाएगा। इसे लेकर भाजपा में मंथन लगातार जारी है।

गोण्डा। कटराबाजार में मूर्ति पंडाल का निरीक्षण करती हुई जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक

पुरस्कार वितरण से हुआ कार्यक्रम का समापन

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में शौर्य- समर्थ की जोड़ी ने लगाई हैट्रिक

डा0 कल्पराम त्रिपाठी

गोन्डा। रानी बाजार स्थित श्री राम जानकी मारवाड़ी धर्मशाला में आयोजित 44वां महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह पर रविवार की देर शाम प्रश्नोत्तरिक प्रतियोगिता के फाइनल ग्रुप में शौर्य अग्रवाल- समर्थ अग्रवाल की जोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त करके लगातार तीसरी बार हैट्रिक बनाई तो वही वैभव-आशीष की जोड़ी ने दुसरा स्थान प्राप्त किया।

शतरंज सीनियर ग्रुप में वरुण मोदी को प्रथम और संजय अग्रवाल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ वही मेहंदी प्रतियोगिता में यशी पचेरिया को प्रथम, वर्तिका सोमानी को द्वितीय, और वैशाली अग्रवाल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ आरती थाल में सौम्या गर्ग को प्रथम, चंचल गोयल को द्वितीय, कोमल पचेरिया को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। फैंसी फैंसी ड्रेस जूनियर में कार्तिक अग्रवाल को प्रथम, गौरिक अग्रवाल को द्वितीय और देवांश गर्ग को तृतीय पुरस्कार मिला। इसके अलावा और जितने भी कार्यक्रम हुए उसमें प्रतिभागियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया और शैक्षिक योग्यता में ईशान अग्रवाल, कनिका गर्ग, अमित अग्रवाल, राधिका मोर, डॉ ध्वनि अग्रवाल, डॉ गौतम महेश्वरी, आस्था गर्ग, आयुषी गर्ग, प्रिया

अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, लक्ष्मी नेवटिया, छवि नेवतिया, आकृति अग्रवाल, अनिका गर्ग, आशीष गोयल, शगुन अग्रवाल, डॉ आकांक्षा अग्रवाल, सृष्टि अग्रवाल, नियति अग्रवाल, समृद्धि अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल, सिद्धि गोयल, श्रेया अग्रवाल, ज़िया अग्रवाल, उत्तरांशी सिंघी काव्य नेवतिया अनंत जैन, खुशी अग्रवाल, रिया अग्रवाल को मारवाड़ी युवा मंच गोन्डा शाखा श्री दीनदयाल जैन और अमित संघई की तरफ से मेडल, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संदीप अग्रवाल जी.एम.मैजापुर चीनी मिल, मुकेश झुनझुनवाला जी.एम. कामर्शियल चीनी मिल मैजापुर, दीपक अग्रवाल मुख्य अभियंता मध्यांचल विद्युत, डॉ हरिदास अग्रवाल, डा ऊषा, डा पी. के. अग्रवाल और डा रंजना मोर का सम्मान अग्रवाल नव युवक संघ, मारवाड़ी युवा मंच और महिला मंडल द्वारा किया गया । सभी कार्यक्रम बहुत ही मनमोहक रहा।कार्यक्रम के दौरान अग्रवाल नवयुवक संघ के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, विकास जैन, अनिल मित्तल, चेतन अग्रवाल, अजय मित्तल महिला मंडल की सीमा अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, पूनम मित्तल, बेनू अग्रवाल, नीलम जैन, प्रीती अग्रवाल, शारदा गर्ग, ज्योति मित्तल सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रही।

राज्य मंत्री ने जिले की कानून व्यवस्था की समीक्षा, अफसरों को दिए कड़े निर्देश

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर। राज्य मंत्री ग्राम विकास विभाग एवं समग्र विकास ग्रामीण अभियंत्रण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार श्रीमती विजयलक्ष्मी गौतम जी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित किया गया।बैठक के दौरान माननीय मंत्री जी द्वारा विद्युत विभाग, विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, श्रम विभाग, जल जीवन मिशन, कानून व्यवस्था, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग सहित अन्य विभागों की विस्तार से समीक्षा किया गया। बैठक के दौरान माननीय मंत्री जी द्वारा विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जर्जर तार, टूटे हुए खंभे तथा जले हुए ट्रांसफार्मर को तत्काल बदलवाया जाए जिससे विद्युत से संबंधित किसी प्रकार की कोई घटना न हो तथा जो भी ट्रांसफार्मर जमीन पर हैं उसे जमीन से ऊपर करवाया जाए। यदि किसी भी उपभोक्ता का बिल विद्युत विभाग द्वारा ज्यादा दे दिया गया है तो उसे जांच करा करके सही बिल संबंधित उपभोक्ता को दिया जाए। उपभोक्ताओं/किसानों को अनावश्यक परेशान न किया जाए। अन्यथा की दशा में कड़ी से कड़ी कार्रवाई तय की जाएगी।

बैठक के दौरान माननीय मंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी तथा ग्रामीण) तथा मुख्यमंत्री आवास योजना से कोई भी पात्र लाभार्थी छूटे न सभी पात्र लाभार्थियों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। संबंधित अधिकारी पूर्ण मनोयोग से सभी पात्र को लाभ दिलाए। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक सप्ताह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र/ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/ जिला अस्पताल में भ्रमण अवश्य करें। सभी चिकित्सालय में दवा की उपलब्धता, साफ सफाई की व्यवस्था, मरीज के लिए पीने के लिए पानी की व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक के दौरान अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देशित किया गया कि जलापूर्ति का कार्य जल्द से जल्द कराया जाए और टूटे हुए सड़क को जल्द से जल्द मरम्मत कराया जाए। श्रम विभाग को निर्देशित किया गया कि कैंप लगाकर श्रमिकों का जॉब कार्ड बनवाया जाए और सरकार की चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में प्रचार प्रसार किया जाए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सड़कों पर जो भी गोवंश इधर-उधर घूम रहे हैं उसे नजदीकी गौ संरक्षण केंद्र पर संरक्षित किया जाए। जिससे किसान की फसल नुकसान न हो। इसके उपरांत माननीय मंत्री जी द्वारा कानून व्यवस्था की समीक्षा किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया की सुरक्षा व्यवस्था कानून व्यवस्था ठीक है। सभी दुर्गा पूजा पंडाल में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है जिससे दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो। पानी मंत्री जी द्वारा निर्देशित किया गया कि थानों पर विशेष ध्यान दिया जाए थाने पर जो भी गरीब या महिला आती हैं उनसे अच्छा व्यवहार किया जाए उनकी शिकायतों को सुना जाए। महिलाओं पर अत्याचार करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई किया जाए। बैठक के दौरान एमएलसी डॉ. हरिओम पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा, जिलाधिकारी अविनाश सिंह, अपर जिलाधिकारी डॉ. सदानंद गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजकुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष त्र्यंबक तिवारी, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

दिव्यांग छात्रा से दुष्कर्म करने का आरोपी साथी समेत गिरफ्तार

सोनीपत। खरखौदा क्षेत्र से दिव्यांग छात्रा को बहकाकर ले जाने के बाद उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी पर बहकाकर ले जाने व दूसरे पर दुष्कर्म करने का आरोप है। पुलिस ने मामले में पॉक्सो एक्ट के साथ ही एससी-एसटी एक्ट भी जोड़ दिया है। दुष्कर्म करने का आरोपी मूलरूप से रोहतक फिलहाल खरखौदा निवासी विकास व बहकाकर ले जाने का आरोपी खरखौदा निवासी सोनू है। खरखौदा क्षेत्र निवासी व्यक्ति ने पुलिस को बताया था कि कई दिन पहले उनकी 16 वर्षीय दिव्यांग बेटी स्कूल गई थी। उसके बाद वह घर नहीं लौटी। अपने स्तर पर उन्होंने बेटी की तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस ने शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया था। पुलिस ने छात्रा को बरामद कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि किशोरी को बहकाकर ले जाने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया गया था। पुलिस ने मामले में आरोपी सोनू व उसके दोस्त विकास को गिरफ्तार कर लिया। जांच अधिकारी एसीपी जीत सिंह ने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पखरौली रेलवे क्रॉसिंग पर 10 घंटे का रहा रोड ब्लॉक

सुल्तानपुर। लखनऊ-वाराणसी हाईवे की पखरौली रेलवे क्रॉसिंग की डाउन लाइन के ट्रैक मेंटिनेंस व सड़क की पटरी दुरुस्त करने का काम शनिवार सुबह 10 से शाम आठ बजे तक किया गया। इसके लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर 10 घंटे का रोड ब्लॉक लिया गया। इसके चलते दोमुहां-पखरौली गांव के वैकल्पिक रास्ते से वाहन गुजारे गए। इससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। पखरौली रेलवे क्रॉसिंग 69-बी पर शनिवार की सुबह 10 बजे से शाम आठ बजे तक रेलवे की ओर से रोड ब्लॉक लिया गया। इस दौरान डाउन लाइन की रेल पटरी को दुरुस्त किया गया। ब्लॉक के दौरान गुजरने वाली ट्रेनों को अप लाइन से कॉशन पर गुजारा गया। इससे पखरौली-दोमुहां वैकल्पिक रास्ते से वाहनों को गुजारा गया। एकल मार्ग पर बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही की वजह से जाम की समस्या भी उत्पन्न हुई। सीनियर सेक्शन इंजीनियर एसके प्रसाद ने बताया कि क्रॉसिंग पर रेलवे ट्रैक के मेंटीनेंस के लिए 10 घंटे का ब्लॉक लिया गया। कुछ काम बाकी है। इसे बाद में पूरा किया जाएगा।

चार मेधावी छात्राएं की गईं सम्मानित

सुल्तानपुर। सिविल सर्विस ज्वॉइन कर शिक्षा व्यवस्था में सुधार करना मेरा सपना है। मेरे पिता व संस्कृत टीचर ने हमेशा मार्गदर्शन दिया है। सफलता के लिए जीतोड़ मेहनत कर रही हूं। यह कहना है राज मांटेसरी इंटर स्कूल की छात्रा श्रेयशी सिंह का। शनिवार को मिशन शक्ति फेज फोर के तहत जिले की चार मेधावी छात्राओं को विकास भवन के प्रेरणा सभागार में जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में रामनाथ इंटर कॉलेज की छात्रा साक्षी वर्मा ने इंजीनियर बनकर किसानों के लिए कुछ बेहतर करने की इच्छा जताई। बताया कि वह सात-आठ घंटे पढ़ाई करती हैं। रणवीर राजकुमार इंटर कॉलेज की छात्रा अंकिता बरनवाल का सपना आईआईटी से इंजीनियरिंग करना का है। उसने बताया कि पापा ऑटो ड्राइवर हैं। पढ़ाई के लिए पैसे की समस्या है। आकांक्षा यादव का इंटरमीडिएट की लिस्ट में प्रदेश में सातवां स्थान रहा। वह कोचिंग कर रही हैं। डॉक्टर बनकर मरीजों की सेवा करना चाहती हैं। डीएम ने छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान डीआईओएस रविशंकर, एडीआईओएस जटाशंकर यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपिका चतुर्वेदी सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

फरीदीपुर उपकेंद्र की आपूर्ति बंद

सुल्तानपुर। क्षेत्र के फरीदीपुर उपकेंद्र पर शनिवार सुबह खामी आ गई। इससे उपकेंद्र सुबह करीब नौ बजे बंद हो गया। इंजीनियरों की कोशिशों के बाद भी रात नौ बजे तक आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। इससे उपकेंद्र से जुड़ी करीब 50 हजार की आबादी प्रभावित रही। एक्सईएन पवन कुमार ने बताया कि मरम्मत का काम शुरू करा दिया गया है। जल्द ही आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

सीएम से चीनी मिल के जीर्णोद्धार की मांग

सुल्तानपुर। जिले के तीन दिवसीय दौरे पर आई सांसद मेनका गांधी ने शनिवार को सीएम के सामने चीनी मिल के जीर्णोद्धार समेत अन्य मांगों को रखा। मांगों के समर्थन में तर्क रखते हुए इसे पूरा करने की मांग की। मुलाकात के दौरान सीएम ने सांसद को आश्वासन दिया है। दौरे के तीसरे व अंतिम दिन शनिवार को सांसद ने शास्त्रीनगर स्थित आवास पर लोगों से मुलाकात करते हुए जनसुनवाई की। इसके बाद एक विद्यालय के कार्यक्रम समेत अन्य में हिस्सा लिया। दोपहर बाद लखनऊ पहुंचकर लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करते हुए उन्हें धोपाप के नाम से निर्मित विभिन्न ब्रांड के उत्पादों को सौंपा। इसके साथ ही कटका-मायंग, बिरसिंहपुर-मोतिगरपुर, दियरा, लंभुआ, दुर्गापुर समेत चार सड़कों, चीनी मिल के जीर्णोद्धार समेत अन्य जरूरतों का मांग पत्र सौंपा। मुलाकात में डॉ. घनश्याम तिवारी की पत्नी निशा तिवारी को योग्यतानुसार नौकरी दिलाने समेत उनकी अन्य जरूरतों को पूरा करने की भी मांग रखी। मीडिया प्रभारी विजय सिंह रघुवंशी ने बताया कि इसके बाद प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह से मुलाकात करके पार्टी के बारे में चर्चा की। उनके साथ प्रतिनिधि रणजीत कुमार, शशीकांत पांडेय मौजूद रहे। इसके बाद दिल्ली के लिए रवाना हो गईं।

मंडलीय चयन ट्रायल में बालिकाओं ने दिखाई प्रतिभा

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के संयोजन में होने वाले अंडर-19 वर्ग के यूथ ओलंपिक खेलों के लिए विंध्याचल मंडल की बालिका टीम का चयन ट्रायल शनिवार को हुआ। चुर्क रोड स्थित डीएवी पब्लिक सीनियर सेकेंड्री स्कूल के परिसर में हुई प्रतियोगिता में सोनभद्र, भदोही और मिर्जापुर की बालिकाओं ने हिस्सा लिया। खो-खो प्रतियोगिता में सोनभद्र डिस्ट्रिक्ट एसोसिएशन, सेक्रेड हर्ट स्कूल ओबरा एवं डीएवी स्कूल रॉबर्ट्सगंज की टीम ने प्रतिभाग किया। कबड्डी में सोनभद्र डिस्ट्रिक्ट एसोसिएशन, सेक्रेड हर्ट स्कूल ओबरा एवं डीएवी स्कूल रॉबर्ट्सगंज की टीम शामिल रही। ताइक्वांडो में सोनभद्र से अलग-अलग शारीरिक भार वाले बच्चों ने प्रतिभाग किया। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सोनभद्र जनपद एवं डीएवी रॉबर्ट्सगंज के विद्यार्थियों ने प्रतिभा दिखाई। योगासन में डीएवी रॉबर्ट्सगंज एवं सोनभद्र के अलग-अलग स्थानों की टीम ने प्रदर्शन किया। चयन समिति में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंकुर भाटिया, जिला क्रीड़ा अधिकारी डीपी सिंह, प्रतिमा शर्मा और रिद्धि सिंह शामिल रहे। विंध्याचल मंडल ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव साजिद अली के निर्देशन में हुए ट्रायल में जिला ओलंपिक संघ सोनभद्र के अध्यक्ष विजय जैन, जिला बैडमिंटन संघ के सचिव राजेश द्विवेदी, सोनभद्र जिला फुटबॉल संघ के सचिव मो. अहमद खान नूर व प्राचार्य डॉ. अंकुर भाटिया आदि उपस्थित रहे।

टैंकर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत, किया चक्काजाम

सोनभद्र। वाराणसी-शक्तिनगर हाईवे पर खड़िया बाजार में शनिवार की सुबह बेकाबू टैंकर ने बाइक सवार मामा-भांजे को चपेट में ले लिया। हादसे में भांजे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मामा को चोट आई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया। आरोपी टैंकर चालक पर मुकदमा दर्ज करने और मृतक आश्रितों को मुआवजा देने की मांग की। पुलिस के आश्वासन पर करीब डेढ़ घंटे बाद लोग शांत हुए। मध्यप्रदेश के पंजरेह बस्ती (मोरवा) निवासी रोहित कुमार (18) अपने मामा रामलल्लू निवासी परसवार राजा के घर आया था। बताया जा रहा है कि रोहित मामा को बाइक से लेकर मध्यप्रदेश जा रहा था।

इसी बीच मुख्य मार्ग पर डीजल भरे टैंकर ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। तेज झटके से रामलल्लू छिटक कर दूर गिर गया, जबकि भांजा रोहित टैंकर के टायर के नीचे आ गया। रोहित की मौके पर मौत हो गई। हादसे की जानकारी के बाद रामलल्लू के परिवार के लोगों के साथ आसपास के लोग सड़क पर उतर गए और जाम लगा दिया। इसके चलते राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही थम गई। बाजार व गांव के लोग आरोपी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने व मृतक आश्रितों को मुआवजे की मांग पर अड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई के भरोसे के साथ हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचला

सीतापुर। थाना क्षेत्र में शनिवार रात हाईवे पर एक ट्रक ने बाइक सवार को रौंद दिया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। लालपुर निवासी पंकज (20) अपनी बाइक से जिला मुख्यालय की ओर से घर लौट रहा था। राष्ट्रीय मार्ग 24 पर लहपुर मोड़ के निकट वह अपनी बाइक से सड़क को पार कर रहा था। तभी पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। युवक ट्रक के पहिए के नीचे आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी कुचलकर मौत हो गई। पुलिस ने किसी तरह उसे जिला अस्पताल भेजा, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। एसओ टीपी सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। ट्रक का पता लगाया जा रहा है।

मां सोचती रही बच्चे खेल रहे, घंटों बाद तालाब में मिले शव, सदमे में परिजन

सोनभद्र। सोनभद्र के जुगैल गांव के टोला बुट्टी में दो बच्चों की मौत तालाब में डूबने से हो गई। घर के बाहर बारिश का पानी एकत्रित करने के लिए छोटा तालाब बनाया गया था। इसमें महज तीन फीट ही पानी है। किसी को जरा भी आशंका नहीं थी कि यह बच्चों के लिए जानलेवा साबित होगा। सोनभद्र के जुगैल गांव के टोला बुट्टी में दो बच्चों की मौत के बाद रविवार को सन्नाटा पसरा रहा। पुरुष सदस्य बच्चों के पोस्टमार्टम और फिर अंतिम संस्कार में गए थे तो घर पर मौजूद महिलाएं मासूमों की शरारतों को याद कर शोक में डूबी थीं। उनकी आंखों के सामने बार-बार बच्चों के चेहरे आ रहे थे। उनका नाम पुकारते हुए वह बिलख उठती थीं। शनिवार को घर के बाहर खेलने के दौरान टोला बुट्टी निवासी पतिराज का पुत्र गांधी (3) और अरविंद का पुत्र रंगीला (4) घर के पास स्थित तालाब में डूब गए थे। घंटों बाद उनका शव बरामद हुआ था। दो बच्चों की मौत ने हर किसी को झकझोर दिया। परिजनों के मुताबिक, घर के बाहर बारिश का पानी एकत्रित करने के लिए छोटा तालाब बनाया गया था।

तालाब में महज तीन फिट ही पानी

तालाब महज तीन फीट ही पानी है। किसी को जरा भी आशंका नहीं थी कि यह बच्चों के लिए जानलेवा साबित होगा। परिजनों ने बताया कि रंगीला और गांधी जब घर के बाहर खेल रहे थे तो उनकी माताएं घर के अंदर अपने काम निपटा रही थीं, जबकि पिता मजदूरी करने गए थे। काफी देर बाद जब बाहर से बच्चों की कोई हलचल नहीं समझ में आई तो मां व अन्य परिजन उन्हें ढूंढने लगे।

काफी देर तक उनका पता नहीं चला तो चिंता बढ़ने लगी थी। बाद में तीस मीटर दूर तालाब में दोनों बच्चों के शव बरामद हुए। इसके बाद से ही रंगीला की मां बालकुमारी सदमे में है तो गांधी की मां पानमति भी सुध-बुध खो चुकी हैं। दोनों बार-बार अपने बच्चों का नाम पुकारते हुए बेहोश हो जा रही हैं।

परिवार के अन्य सदस्य उन्हें संभालने में जुटे रहे। रंगीला दो भाइयों में बड़ा था। छोटा भाई दो वर्ष तो एक बड़ी बहन छह वर्ष की है। वहीं गांधी को भी एक दो साल की बहन है। रविवार को दोनों बच्चों के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद अंतिम संस्कार हुआ।

गोद में खेल रहे मासूम को उठा ले गया सूकर

मिश्रिख (सीतापुर)। कोतवाली क्षेत्र में एक जंगली सूकर मासूम को उठा ले गया। किसी तरह ग्रामीणों ने बच्चे को बचाया। बिजनापुर गांव में रविवार को एक जंगली सूकर घुस आया। इसी बीच वह गांव निवासी बॉबी (1) को एक बच्चे की गोद से खींच ले गया। बॉबी को गांव का ही अनिकेश गोद में लेकर खिला रहा था। सूकर को देखकर आसपास के अन्य बच्चे शोर मचाने लगे। इस पर ग्रामीणों ने उसका पीछा किया तो कुछ दूरी पर सूकर मासूम को छोड़कर भाग गया। परिजनों ने बच्चे को सीएचसी में भर्ती कराया है।

इंटर कॉलेजों को मिले आठ नए प्रधानाचार्य

सीतापुर। माध्यमिक शिक्षा विभाग में प्रधानाचार्यों की कमी अरसे बाद काफी हद तक पूरी हो गई है। शासन ने आठ नए प्रधानाचार्यों की तैनाती दी है। जीआईसी सीतापुर में करीब चार माह से बिना प्रधानाचार्य के ही काम चल रहा था। अब यहां पर अनिल कुमार की तैनाती कर दी गई है। इसी तरह जीआईसी मछरेहटा में सतीश कुमार पांडेय को तैनाती मिली है। जीआईसी बीहट गौड़ में राकेश कुमार गौतम की पोस्टिंग की गई है।

जीआईसी रामपुर मथुरा में अशोक यादव को प्रधानाचार्य बनाया गया है। इसके अलावा पंडित दीनदयाल उपाध्याय मॉडल कॉलेज जंजौर में सुनील कुमार सिंह, पंडित दीनदयाल उपाध्याय मॉडल कॉलेज चौबेपुर महमूदाबाद में अशोक कुमार, पंडित दीनदयाल उपाध्याय मॉडल कॉलेज पतवारा लहरपुर में रवींद्र कुमार विश्वकर्मा व पंडित दीनदयाल उपाध्याय मॉडल कॉलेज अकबरपुर पहला में विशाल पांडेय को प्रधानाचार्य बनाया गया है। डीआईओएस राजेंद्र सिंह ने बताया कि इन प्रधानाचार्यों के आने से शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी।

माइनिंग प्लान और मानक के तहत ही करें खनन

सोनभद्र। खनन निदेशक माला श्रीवास्तव और प्रमुख सचिव अनिल कुमार की संयुक्त टीम ने शनिवार को बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र का निरीक्षण किया। क्रशर प्लांटों पर जाकर भंडारण की जानकारी ली। सुरक्षा, परिवहन, रायल्टी सहित अन्य बिंदुओं पर जानकारी ली। जांच टीम के आने की सूचना पर खनन क्षेत्र में सन्नाटा पसर गया। बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र की पत्थर खदानों पर पहुंचकर खनन निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म माला श्रीवास्तव ने मानचित्र के जरिए खदान के क्षेत्रफल को देखा। वहां मौजूद पट्टाधारक के कर्मचारियों से खनन एवं खदान से निकलने वाले पत्थरों के परिवहन की जानकारी ली। इसके बाद क्रशर प्लांट को देखा। टीम ओबरा-डाला संपर्क मार्ग कोठा टोला से खनन क्षेत्र में जाने वाले मार्ग से होते हुए सबसे पहले बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र के लंगडा मोड़ स्थित पत्थर खदान पर पहुंची। स्थलीय निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक ने पट्टा धारकों को माइनिंग प्लान एवं खनन मानक के तहत खनन कार्य कराने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी तरह के अवैध खनन की शिकायत न हो। टीम की भनक लगते ही पूरे डाला व ओबरा खनन क्षेत्र में खनन कार्य पूर्ण रूप से बंद था। इस मौके सीडीओ सौरभ गंगवार, एडीएम सुभाष चंद्र यादव, खान अधिकारी राम बहादुर सिंह, ओबरा एसडीएम प्रभाकर सिंह, सीओ सिटी राहुल पांडेय आदि मौजूद रहे।

चोपन। खनन निदेशक माला श्रीवास्तव और प्रमुख सचिव श्रम व खनन अनिल कुमार ने शनिवार को अटल आवासीय विद्यालय क निरीक्षण किया। गुरमुरा में संचालित विद्यालय के बच्चों से मिलकर उन्हें मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। हॉस्टल, मेस आदि का भ्रमण किया। सभी बच्चों को चॉकलेट वितरित किया। साथ ही उनके अनुभव भी जाने। विद्यालय के मेस में बच्चों के साथ भोजन कर खाने की गणवत्ता जांची। इस दौरान मिर्जापुर मंडल डिप्टी लेबर कमिश्नर पंकज सिंह राणा, विद्यालय के प्रधानाचार्य वीके मंडल, एडमिन जाकिर हुसैन आदि मौजूद रहे।

बाइकों की टक्कर में युवक की मौत, नवंबर में तय थी शादी

सीतापुर। थाना कमलापुर क्षेत्र के कम्भपुरिया पुरवा निवासी नितेश (20) की शनिवार को कम्भरिया-कुमरगड्डी मार्ग पर सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उसकी एक माह बाद नवंबर माह में शादी थी। उसकी मौत से परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है।

कुम्भरिया निवासी मनीराम का 20 वर्षीय पुत्र नितेश कमलापुर में ही अपने रिश्तेदारों के यहां किसी को छोड़ने गया था। वहां से आते समय पिपरा गांव के पास सामने से रामपुर कलां थाना क्षेत्र में जंगल पुरवा गांव निवासी सियाराम की बाइक से टकरा गया। इसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक हेलमेट नहीं लगाए था। इस वजह से सिर पर गंभीर चोट लग गई। नितेश को परिजन लखनऊ स्थित ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसका तिलक मार्च माह में हुआ था। नवंबर में शादी होनी थी। उसकी मौत से घर में कोहराम मचा है। थानाध्यक्ष कमलापुर जितेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर स्टाफ पहुंचा था। दोनों बाइकों को कब्जे में ले लिया गया है। किसी के परिजनों ने अभी तक तहरीर नहीं दी है। दूसरे घायल व्यक्ति सियाराम का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

विश्वकप में क्रिकेट टीम की जीत पर मनाई खुशी

सोनीपत। विश्वकप में भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान पर शानदार जीत दर्ज करने के साथ ही खेलप्रेमियों में उत्साह की लहर दौड़ पड़ी। उन्होंने जमकर खुशी मनाई। नवरात्र शुरू होने से पहले ही दिन मिली जीत से खेलप्रेमियों की खुशी और बढ़ गई। जीत का जश्न मना रहे खेल प्रेमियों ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम ने विश्व कप में आठवीं बार जीत दर्ज की है। खेलप्रेमी विक्की कौशिक, अधिवक्ता मोहन कौशिक, लीलू कौशिक, शोमेंद्र त्यागी, बिनेश त्यागी, रामलाल, अधिवक्ता अमित कौशिक, मनीष त्यागी, राजू कौशिक, रमेश जांगड़ा, प्रमोद कौशिक ने बताया कि विश्व कप में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ फिर से दमदार जीत हासिल की है। पहले पाकिस्तान को 191 रन पर समेट दिया और फिर सात विकेट से हरा दिया।

गले में कसा था रस्सी का फंदा, मचान के नीचे पड़ा मिला शव

सीतापुर। कोतवाली तालगांव क्षेत्र के कला बहादुरपुर मजरा न्यामूपुर में खेत में एक युवक शव मिला। वह शुक्रवार रात खेत बचाने के लिए गया था। उसी के खेत में शव मिला है। शव के गले में रस्सी कसी मिली और शव मचान से नीचे पड़ा मिला। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हत्या या आत्महत्या के बीच उलझी हुई है। परिजनों ने खबर लिखे जाने तक कोई आरोप नहीं लगाया है। कला बहादुरपुर मजरा न्यामूपुर निवासी गिरीश के पुत्र संगम (22) का शव संदिग्ध परिस्थितियों में खेत में पड़ा मिला। संगम शुक्रवार रात खेत में कटी पड़ी धान की फसल की देखरेख के लिए गया था। वह खेत में बनी मचान पर बैठकर फसल की रखवाली करता था। शनिवार सुबह मचान के नीचे शव पड़े देख ग्रामीणों ने परिजनों को सूचना दी। खबर पाकर तालगांव पुलिस भी पहुंच गई। क्षेत्राधिकारी यादवेंद्र यादव व कोतवाली प्रभारी वीरेंद्र सिंह तोमर ने मौके पर जांच की। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि संगम के गले में रस्सी का फंदा कसा हुआ था। आधी रस्सी मचान के बांस में बंधी हुई लटक रही थी। अब पुलिस हत्या या आत्महत्या के बीच उलझी हुई है। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस आगे की कार्यवाही करेगी।

सबका दुलारा था संगम

पिता गिरीश ने बताया कि संगम बेहद सीधा और सरल स्वभाव का था। उसे सभी दुलार करते थे। कभी किसी से कोई झगड़ा नहीं करता था। किन परिस्थितियों में यह घटना हुई समझ नहीं आ रहा है। किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि संगम की कोई गलत संगत भी नहीं थी। उसका इस तरह दुनिया से जाना सभी को अखर रहा है। परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है।

पत्नी की मौत का पता चलने पर ग्राम प्रधान ने भी तोड़ा दम

सुल्तानपुर। थाना क्षेत्र बंधुआकलां के बुकुनपुर गांव के प्रधान की पत्नी की शनिवार सुबह बीमारी से मौत हो गई। पत्नी की मौत का पता चलते ही अचानक प्रधान को भी दिल का दौरा पड़ गया। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते पति ने भी दम तोड़ दिया।

आधे घंटे के भीतर घर के दो सदस्यों की मौत होने से परिवार में कोहराम मच गया। प्रधान व उनकी पत्नी की मौत का पता चलने पर मृतकों के घर पर सांत्वना देने वालों की भीड़ देर शाम लगी रही। बुकुनपुर गांव निवासी प्रधान मोहम्मद कल्लन (70) की पत्नी रफीकुल निशा (65) की तबीयत शुक्रवार रात अचानक खराब हो गई। उनको सांस की बीमारी थी। परिजन हालत गंभीर होने पर रफीकुल निशा को लेकर अलीगंज स्थित निजी अस्पताल पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह जानकारी जब मोहम्मद कल्लन को हुई तो वे दुखी हो गए। घर वाले बता रहे हैं कि उनके सीने में अचानक दर्द उठा और वे बेहोश हो गए। बेहोश होने पर घर पर ही एक चिकित्सक को बुलाया गया तो उसने मोहम्मद कल्लन की मौत होने की पुष्टि की।

आधे घंटे में पति व पत्नी की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। कुछ ही देर बाद रफीकुल निशा का शव भी घर पहुंचा। शनिवार सुबह प्रधान कल्लन व उनकी पत्नी रफीकुल निशा की मौत की खबर पता चलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उनके घर पर इकट्ठा हो गई। इसौली विधायक मोहम्मद ताहिर खान, जिला पंचायत सदस्य राम शंकर यादव, निसार अहमद, मनोज तिवारी समेत अन्य लोगों ने घर पर पहुंचकर पीड़ित परिजनों को ढांढ़स बंधाया।

एक साथ उठे दो जनाजे तो नम हुई आंखें

बुकुनपुर गांव में प्रधान कल्लन व उनकी पत्नी रफीकुल निशा के जनाजे शनिवार दोपहर बाद घर से एक साथ उठे तो लोगों की आखें नम हो गईं। जनाजे के साथ बड़ी संख्या में लोग कब्रिस्तान तक गए। वहां रस्म के मुताबिक दोनों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। बताया जा रहा है कि प्रधान दंपती का भरापूरा परिवार था। उनकी नौ संतानें हैं। इनमें चार पुत्रिया व पांच पुत्र हैं। एक बेटे की शादी अभी नहीं हुई है।

बुजुर्ग को बाइक ने मारी टक्कर, हालत गंभीर

लहरपुर (सीतापुर)। कोतवाली क्षेत्र के केसरीगंज मार्ग पर शनिवार को पंजाबी ढाबे के पास एक अनियंत्रित बाइक की टक्कर से साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल बुजुर्ग को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। किशुनपुर गांव निवासी रमाकांत (60) एक प्राइवेट हॉस्पिटल में अपनी बेटी का इलाज करा रहा था। उसके लिए दवा लेकर वह वापस अस्पताल लौट रहा था। तभी पीछे से थाना क्षेत्र के चकजोशी गांव निवासी आमिर की बाइक अनियंत्रित होकर साइकिल से टकरा गई। दुर्घटना में साइकिल सवार के सर में गंभीर चोट लग गई। जिला अस्पताल में घायल का इलाज जारी है।

बिना एसएमएस के धान की कटाई करने वाली कंबाइन होंगी जब्त

सोनीपत। हरियाणा राज्य प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की ओर से जारी निर्देशानुसार धान की कटाई करने वाली कंबाइन मशीनों में सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस) लगा होना अनिवार्य है। जिले में बिना एसएमएस के कोई कंबाइन मशीन धान की फसल कटाई करती मिली तो उसे जब्त किया जाएगा। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने इसको लेकर सभी एसडीएम को भी निर्देश दिए हैं कि वे क्षेत्रों में निरंतर नजर बनाए रखें और बिना एसएमएस लगी कंबाइन मशीनों को जब्त करें। पराली जलाने के मामले न आएं। उन्होंने कहा कि एसएमएस धान के भूसे को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट देता है, जिससे किसान को धान फसल के अवशेषों को जलाने की जरूरत नहीं पड़ती और इसे कृषि यंत्रों से आसानी से मिट्टी में मिलाया जा सकता है। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी होती है। उपायुक्त ने बताया कि जिले के सभी खाद, बीज व कीटनाशक दवाई विक्रेताओं को निर्देश दिए हैं कि वे किसानों की बिना अनुमति के जबरदस्ती खाद के साथ कीटनाशक व अन्य कोई सामग्री टैग नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई दुकानदार ऐसा करता पाया गया तो उसके खिलाफ फर्टीलाइजर कंट्रोल ऑर्डर के निर्देशानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उपायुक्त ने किसानों से आह्वान किया कि अगर कोई दुकानदार खाद के साथ आपको दवाई व अन्य सामग्री खरीदने के लिए जबरदस्ती करें तो उसके लिए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. पवन शर्मा के मोबाइल नंबर-9416071950 या गुण नियंत्रण निरीक्षक के मोबाइल नंबर-8168606123 पर शिकायत कर सकते हैं।

एक्सप्रेस-वे पर गोवंश से टकराई कार, बनी आग का गोला, परिवार जख्मी

सुल्तानपुर। एक्सप्रेस वे पर एक तेज रफ्तार कार गोवंश से टकराकर आग का गोला बन गई। परिजनों ने किसी तरह कार से कूदकर अपनी जान बचाई। हादसे में दो बच्चे घायल हो गए हैं।

सुल्तानपुर जिले के सेमरी बाजार कोतवाली जयसिंहपुर के रामनाथपुर गांव के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर शनिवार की देर रात गोवंश से टकराने के बाद एक कार आग का गोला बन गई। कार पर सवार परिवार ने कूदकर अपनी जान बचाई लेकिन दो बच्चे घायल हो गए जिनका सीएचसी कूरेभार में इलाज कराया गया। जौनपुर के शाहगंज निवासी महफूज अहमद (37) अपनी पत्नी सायरा बानो (33), पुत्र उमर (2) व पुत्री शहनाज (8) के साथ लखनऊ से एक्सप्रेस-वे के रास्ते अपनी कार से घर वापस लौट रहे थे। शनिवार रात करीब 10 बजे जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के रामनाथपुर गांव के पास गाय से कार टकरा गई। इससे कार में शॉर्ट सर्किट हुआ और आग लग गई। यह देख महफूज अपनी पत्नी सायरा व दोनों बच्चों को लेकर बाहर कूद गए। इसमें दोनों बच्चों को हल्की चोटें आई हैं।

यूपीडा की टीम ने आग का गोला बनी कार को बुझाया फिर क्रेन की मदद से कार को किनारे करवाकर यातायात चालू कराया।

एक्सप्रेस-वे पर कैसे आ रहे पशु

एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार वाहन चलते हैं। ऐसे में पशुओं को इस रूट पर नहीं आने दिया जाता है। किंतु यूपीडा कर्मचारियों की लापरवाही से पशु भी रोड तक पहुंच रहे हैं। जो बड़े हादसे का भी सबब बन सकते हैं।

खेलकूद स्पर्धा में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

सुल्तानपुर। परिषदीय विद्यालयों की न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद स्पर्धा शनिवार को जलालपुर में हुई। 100 मीटर दौड़ में उच्च प्राथमिक विद्यालय जलालपुर के प्रदीप कुमार ने पहला स्थान हासिल किया। 50 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय पूरे मिश्रान के आदित्य अव्वल रहे। बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में पूरे मिश्रान की अंजलि विश्वकर्मा ने प्रथम स्थान हासिल किया। न्याय पंचायत मगरावा में हुई कबड्डी प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक विद्यालय बनकेगांव व पीटी में उच्च प्राथमिक विद्यालय तवक्कलपर नगरा ने बाजी मारी। न्याय पंचायत मुड़ीला डीह में विभिन्न खेल स्पर्धाओं में कंपोजिट विद्यालय पहाड़पुर वैश्य, उच्च प्राथमिक विद्यालय कुमहई हमजापुर व उच्च प्राथमिक विद्यालय मलिकपुर नोनरा के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया।

गल्ला मंडी में धरने पर बैठे जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि

सीतापुर। क्रय केंद्रों पर धान खरीदने में हो रही मनमानी के विरोध में शनिवार को जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नवीन गल्ला मंडी में धरने पर बैठ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि नवीन गल्ला मंडी में खुले क्रय केंद्रों पर धान की खरीदारी न होने से किसान परेशान हैं। जब धान बेचने के लिए किसान क्रय केंद्र जाता है तो केंद्र प्रभारी धान में नमी व क्वालिटी खराब बता देते हैं। किसानों से लगातार मिल रही शिकातयों के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष श्रद्धा सागर गुप्ता के प्रतिनिधि शिव कुमार गुप्ता कई जिला पंचायत सदस्यों के साथ हकीकत को जानने के लिए शनिवार को नवीन गल्ला मंडी पहुंचे। इस दौरान किसानों ने शिव कुमार गुप्ता को बताया कि गल्ला मंडी में बने धान क्रय केंद्रों पर पानी व शौचालय की कोई व्यवस्था नहीं है। क्रय केंद्रों पर धान नहीं लिया जा रहा।

इस कारण वह आढ़तियों के हाथों मनमाने दाम पर धान बेचने को मजबूर हैं। इससे नाराज शिव कुमार गुप्ता ने मंडी सचिव को मौके पर आने को कहा। मंडी सचिव जब काफी देर तक मंडी नहीं पहुंचे तो जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि जिला पंचायत सदस्यों के साथ जमीन पर ही धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। किसानों का धान मनमाने दामों पर नहीं बिकेगा। पीएम नरेंद्र मोदी व सीएम योगी आदित्यनाथ का आदेश है कि किसानों की आय दोगुनी होगी लेकिन मंडी में किसानों का शोषण किया जा रहा है। अगर किसानों की समस्या का निस्तारण नहीं हुआ तो वह मुख्यमंत्री से शिकायत करेंगे। करीब एक घंटे बाद मंडी सचिव ऋषभ जैन पहुंचे और उन्होंने काफी देर तक शिव कुमार गुप्ता से वार्ता की। जिस पर शिव कुमार गुप्ता ने स्पष्ट जवाब देते हुए कहा कि किसानों को सरकार द्वारा मिलने वाली सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। सरकारी रेट पर किसान के धान की तौल की जाए। मनमानी बर्दाश्त नहीं होगी।

निरीक्षण में अनुपस्थित मिले केंद्र प्रभारी

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव कुमार गुप्ता ने बी पैक्स शेखपुर बिलोली बाजार, बी पैक्स मंडी प्रथम, द्वितीय, कलुवापुर सहित अन्य कई क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी केंद्र प्रभारी अनुपस्थित मिले। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सदस्य सुरेश प्रकाश मिश्रा, कल्लू, रावेंद्र भार्गव, रमेश गुप्ता, आशीष चौधरी, कन्हैया, प्रांजल मिश्रा, शहनाज आदि मौजूद रहे।

गाड़ी चालक ने हवलदार को मारी टक्कर... डेढ़ किमी तक बोनट पर ही ले गया, चिल्लाने के बाद भी न रोकी कार

सोनीपत। सोनीपत में महाराणा प्रताप चौक के पास जांच के लिए रोकने पर गाड़ी चालक ने हवलदार को टक्कर मार दी। इसके साथ ही वह हवलदार को बोनट पर लटका कर डेढ़ किमी दूर आईटीआई चौक तक ले गया। चिल्लाने पर भी उसने गाड़ी नहीं रोकी। महाराणा प्रताप चौक के पास शुक्रवार देर शाम करीब साढ़े 6 बजे जांच के लिए रोकने पर क्रेटा गाड़ी चालक ने हवलदार को टक्कर मार दी। हवलदार जान बचाने के लिए गाड़ी के बोनट पर लटके तो चालक ने क्रेटा दौड़ा ली। वह उन्हें डेढ़ किमी दूर आईटीआई चौक तक ले गया।

थाना प्रभारी ने पीछा कर आईटीआई चौक के पास गाड़ी को ओवरटेक कर रुकवाया और आरोपी गाड़ी चालक को काबू कर लिया। सेक्टर-27 थाने में तैनात हवलदार राकेश ने बताया कि शुक्रवार देर शाम कुछ ?लुचेरों के एक्सयूवी में महाराणा प्रताप चौक के पास से गुजरने की सूचना थी। गाड़ी का नंबर एचआर-26 वाईजेड 40 बताया गया था। ?इस बीच सेक्टर-14-15 रोड की तरफ से क्रेटा गाड़ी वहां पर पहुंची। पुलिस ने क्रेटा को एक्सयूवी समझकर रोक लिया। गाड़ी के अंत में 40 नंबर था, जिसके शीशों पर काली फिल्म लगी होने के कारण भीतर कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। हवलदार राकेश गाड़ी के सामने खड़े हो गए। इसी बीच चालक ने अचानक गाड़ी चला दी और हवलदार राकेश को टक्कर मार दी। जान बचाने के लिए हवलदार गाड़ी के बोनट पर लटक गए। चालक ने गाड़ी को भगा लिया और आउटर पर सेक्टर-12 रोड की तरफ ले गया। थाना प्रभारी ने पुलिस गाड़ी में सवार होकर उसका पीछा किया। हवलदार ने बताया कि वह भी चिल्लाते हुए चल रहे थे। इस पर अन्य लोग भी गाड़ी लेकर क्रेटा का पीछा करने लगे। जब वह आईटीआई चौक के पास पहुंचे तो थाना प्रभारी ने ओवरटेक कर उसे पकड़ लिया।

आरोपी इंद्रा कॉलोनी के आशु के खिलाफ हत्या की कोशिश व सरकारी काम में बाधा पहुंचाने का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गाड़ी भी कब्जे में ले ली। मुख्य सिपाही राकेश की शिकायत पर गाड़ी चालक के खिलाफ हत्या की कोशिश और सरकारी काम में बाधा पहुंचाने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। क्रेटा गाड़ी भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले ली है। - इंस्पेक्टर डॉ. सुनील कुमार, थाना प्रभारी, सेक्टर-27

ठेकेदार के स्टोर से लाखों की चोरी

सोनभद्र। एनसीएल बीना के आवासीय परिसर में चोरियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आवासों में हुई चोरियों का खुलासा नहीं हुआ। इस बीच चोरों ने ठेकेदार के स्टोर से लाखों रुपये का सामान गायब कर दिया। सूचना के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। बीना पुलिस चौकी क्षेत्र के आवासीय परिसर स्थित पुराना दुर्गा मंडप स्टोर रूम में संविदाकार ने लाखों रूपये का बिल्डिंग मटेरियल से संबंधित लाखों रुपए का सामान रखा था। चोरों ने कई लोहे की कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। शनिवार को चोरी की घटना की जानकारी होने से खलबली मच गई। भुक्तभोगी संविदाकार अरविंद प्रकाश मालवीय ने पुलिस चौकी में तहरीर दी है। पीड़ित के मुताबिक 15 पीस लोहे का एंगल, पांच चैनल, चार लोहे की प्लेट, 325 पेटी फ्लोर टाइल्स, पांच जीआई सीट, पांच पाइप, झूला आदि सामान चोरी हुआ है।

बाइक रैली के जरिये आधी-आबादी को किया जागरूक

सुल्तानपुर। मिशन शक्ति फेज-चार के विशेष अभियान में शनिवार को बाइक रैली के जरिए आधी-आबादी को उनके हक व योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। विभिन्न विभागों की महिला कर्मचारियों ने शहर में घूमकर महिलाओं को आगे आने के लिए प्रेरित किया। रैली के समापन पर मुख्यमंत्री का लाइव कार्यक्रम सुना गया। विशेष अभियान की बाइक रैली को सांसद मेनका गांधी ने कलेक्ट्रेट से डीएम कृतिका ज्योत्सना व पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली शहर के दरियापुर, पंचरास्ता, जिला अस्पताल, डीएम आवास, दीवानी चौराहा होते हुए फिर कलेक्ट्रेट में समाप्त हुई। रैली में शामिल महिलाओं ने बालिकाओं, महिलाओं की सुरक्षा व हक के प्रति जानकारी दी। सांसद ने रैली के शुभारंभ पर सरकार की ओर से संचालित योजनाओं को सराहा। कहा कि मिशन शक्ति कार्यक्रम मातृ शक्ति के प्रति एक नए विश्वास का प्रतीक है। सरकार महिलाओं के उत्पीड़न के मामलों को गंभीरता से ले रही है। रैली के समापन पर विकास भवन के सभागार में मिशन शक्ति फेज चार पर मुख्यमंत्री का लाइव कार्यक्रम देखा गया। सीएम ने कार्यक्रम में महिलाओं के बारे में किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। इसमें अपने क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाली पुलिस, स्वास्थ्य, एनआरएलएम समेत अन्य महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एमएलसी शैलेंद्र सिंह व विधायक लंभुआ सीताराम वर्मा ने सरकार की योजनाओं की सराहना करते हुए महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन करते हुए डीएम ने कहा कि मिशन शक्ति में तीन भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया है। उन्होंने बीसी सखी, एएनएम व छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस मौके पर सीडीओ अंकुर कौशिक, पीडी केके पांडेय, डीडीओ अजय कुमार पांडेय समेत अन्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बाबू के सामने बैठ विभाग की फाइलें जांचने लगा बंदर, कर्मचारी और अधिकारी देख चौंके

सहारनपुर। सोशल मीडिया पर दफ्तर के अंदर बैठे एक बंदर का वीडियो वायरल हो रहा है। बंदर तहसील बेहट के किसी कार्यालय में अधिकारी की तरह मेज पर बैठक फाइलों के पन्ने पलट रहा है। कार्यालय के अंदर मौजूद कर्मचारी और अधिकारी भी बंदर को फाइलों में उलझा देख चौंक गए। इसके बाद दफ्तर में मौजूद कर्मचारियों ने बंदर को केला दिया लेकिन वह उसे भी अनदेखा कर देता है और फाइलों के पन्ने पलटने लगता है। एक के बाद एक बंदर ने कई फाइलें पलटीं।

दरोगा ने ट्रेन के आगे कूद की आत्महत्या की कोशिश, लोगों ने बचाई जान पर हाथ की हड्डी टूटी

सहारनपुर। दरोगा ने ट्रेन के आगे कूद आत्महत्या की कोशिश की। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह दरोगा की जान बचा ली। सहारनपुर में कोतवाली सदर बाजार क्षेत्र में जिला अस्पताल पुल के नीचे रेलवे ट्रैक पर कोतवाली सदर बाजार में तैनात उप निरीक्षक योगेंद्र शर्मा ने आत्महत्या की कोशिश की। वहीं, मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह दरोगा को बचा लिया। हालांकि ट्रेन की चपेट में आने से उनके हाथ की हड्डी टूट गई। जिला अस्पताल से उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि दरोगा मानसिक तनाव में रहते हैं, लेकिन पुलिस आत्महत्या के कारण का पता नहीं लगा पा रही है। जनपद बुलंदशहर के सैदपुर निवासी 52 वर्षीय योगेश शर्मा कोतवाली सदर बाजार में काफी समय से उप निरीक्षक हैं। वह यहां पर विश्वकर्मा चौक के निकट किराए के मकान में रहते हैं। शनिवार की सुबह योगेश शर्मा घर से निकले और जिला अस्पताल पल के नीचे रेलवे ट्रैक पर चले गए। तभी सामने से एक ट्रेन के आगे कूदने की कोशिश की तो मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बचा लिया, लेकिन हाथ ट्रेन से टकरा गया, जिससे उनकी हड्डी टूट गई। कोतवाली सदर बाजार इंस्पेक्टर रमेश चंद्र ने बताया कि दरोगा ने आत्महत्या की कोशिश क्यों की है, इस बारे में अभी कुछ पता नहीं लग पा रहा है। सिर्फ इतना पता लगा है कि दरोगा मानसिक तनाव में चल रहे थे और उनका इलाज भी चल रहा था। उप निरीक्षक को मुजफ्फरनगर रेफर किया गया है।

सिसौनी में फिर गई बुखार से बुजुर्ग की जान, डेंगू के छह मरीज मिले

सहारनपुर। जिले में बुखार तेजी के साथ लोगों को चपेट में ले रहा है। बड़गांव के गांव सिसौनी में बुखार से एक और बुजुर्ग की जान चली गई। वहीं, डेंगू के छह नए मरीज मिले हैं। जिसके बाद डेंगू मरीजों का आंकड़ा 266 तक पहुंच गया। बड़गांव के गांव सिसौनी निवासी मामचंद (70) पुत्र चौहल चार दिनों से बुखार से पीड़ित चल थे। राहत न मिलने पर परिजन उन्हें गांव के ही निजी चिकित्सक से उपचार दिला रहे थे, जहां शुक्रवार की सुबह उनकी भी मौत हो गई। वृद्ध की मौत के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। एक माह के अंदर सिसौनी गांव में बुजुर्ग मामचंद की यह नौवीं मौत है। उधर, ग्रामीणों का मानना है मौसम परिवर्तन का यह प्रतिकूल असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। दिन में गर्मी रात को ठंड का प्रकोप बढ़ने से ग्रामीण इन बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। खासकर बुजुर्गों के लिए तो यह समय बेहद दिक्कत है। 70 या इससे अधिक वर्ष के बुजुर्गों का जहां दम फूल रहा है तो वहीं अन्य आयु वर्ग के लोग जुकाम, बुखार की चपेट में फंस रहे हैं। वहीं, शुक्रवार को छह लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई, जो शहर के अलावा देहात क्षेत्रों में अलग-अलग जगहों के रहने वाले हैं। इनके यहां स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एंटी लार्वा का छिड़काव कराया गया। साथ ही लोगों को साफ-सफाई को लेकर जागरूक भी किया।

आशा ने प्राइवेट अस्पताल में प्रसूता को कराया भर्ती, नवजात की मौत

संतकबीरनगर। बखिरा स्थित एक हॉस्पिटल में बिना चिकित्सक के प्रसूता का ऑपरेशन कर दिया गया। इस दौरान नवजात की मौत हो गई। प्रसूता की भी हालत गंभीर बताई जा रही है। आरोप है कि क्षेत्र की आशा ने ही प्रसव पीड़िता को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया था। पीड़ित पति ने सीएमओ को पत्र देकर अस्पताल पर कार्रवाई की मांग की है। सिद्धार्थनगर जिले के मरवटिया चैनपुर बांसी निवासी शकील अहमद का कहना है कि उसका विवाह 2011 में बखिरा क्षेत्र के लेदवा श्रीपाल में फातिमा खातून के साथ हुआ था। काफी इलाज कराने पर विवाह के लगभग 12 वर्ष बाद पत्नी को गर्भ धारण हुआ। जब बच्चा पैदा होने का समय पूर्ण हो गया तो उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र साथा लेकर गया। जहां डॉक्टर ने बताया कि ऑपरेशन करने की जरूरत भी पड़ सकती है। यहां ऑपरेशन नहीं किया जा सकता है, क्योंकि अस्पताल में ऑपरेशन की सुविधा नहीं है। इसे कहीं और ले जा सकते हैं। क्षेत्र की आशा ही अस्पताल लेकर आई थी। उसने बताया कि एक प्राइवेट अस्पताल है, जहां पर ऑपरेशन अच्छे ढंग से होता है। आशा ने फिर उसी प्राइवेट अस्पताल से एंबुलेंस मंगा लिया और बखिरा स्थित प्राइवेट अस्पताल लेकर आई। वहां पर बृहस्पतिवार की रात को बिना किसी सुविधा व सक्षम डॉक्टर के ऑपरेशन कर दिया गया। इस दौरान नवजात की मौत हो गई। इसके साथ ही पत्नी की भी हालत गंभीर है। जब कर्मचारियों से संपर्क किए तो कर्मचारी ने कहा कि बच्चे को ले जाकर कहीं दफना दो। पीड़ित शकील अहमद ने हास्पिटल की जांच कराकर सीज करके विधिक कार्रवाई की मांग की, जिससे कि दूसरी घटना न घटित हो सके। इसके साथ ही आशा पर भी कार्रवाई की मांग की है।

लोकसभा चुनाव को लेकर गांवों में दलित चौपाल लगाएगी जिला कांग्रेस कमेटी

संतकबीरनगर। शाहजहांपुर में शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक राजीव सभागार में हुई। इसमें 26 नवंबर तक दलित चौपाल का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। पदाधिकारियों ने लोकसभा चुनाव के लिए योजना तैयार की गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता ने कहा कि आगामी 26 नवंबर संविधान दिवस तक दलित चौपालों का दौर हर विधानसभा में होगा। इसमें 20 दलित गांवों का चयन कर लिया गया है। चौपाल के समापन के बाद एक दलित सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। आईसीसीसी सदस्य अशफाक उल्ला खां ने कहा कि संघर्ष का समय है। इसलिए पूरे छह माह पार्टी के लिए ही काम करना है और कांग्रेस का सांसद चुनकर भेजना है।

बिजली विभाग के एक्सईएन और जेई पर गैर इरादतन हत्या का केस

सोनभद्र। सदर कोतवाली पुलिस ने करीब तीन माह पूर्व करंट की चपेट में आने से किशोरी की मौत के मामले में बिजली विभाग के एक्सईएन और जेई पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है। न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर कुरुथा गांव निवासी विजेंदर ने बताया कि बिजली विभाग का नंगा तार घर के पास से गुजरता है। यह काफी ढीला व नीचे लटक रहा था। इसे बदलने के लिए बार-बार विद्युत विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों से गुहार लगाई गई, मगर किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। पांच जुलाई की सुबह साढ़े नौ बजे उसकी पुत्री कृति 13 आम के पेड़ के पास खेल रही थी। इसी दौरान विद्युत विभाग के नंगे तार के संपर्क में आ गई, जिससे उसकी मौत हो गई। बताया कि अधिशासी अभियंता खंड राबर्ट्सगंज और जेई क्षेत्र नई बाजार कुरुथा की देखरेख में नंगे तार से विद्युत व्यवस्था का संचालन होता है। उन लोगों ने शिकायत के बावजूद उचित निगरानी नहीं की, जिसके कारण उसकी बेटी की जान गई। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड राबर्ट्सगंज और जूनियर इंजीनियर विद्युत विभाग क्षेत्र नई बाजार पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है।

प्रो मोहम्मद शमीम बने टीबी एवं श्वसन रोग विभागाध्यक्ष, तीन साल के लिए हुई नियुक्ति

अलीगढ़। प्रो मोहम्मद शमीम को यूपी सरकार द्वारा यंग साइंटिस्ट अवार्ड के अलावा रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन, एडिनबर्ग (एफआरसीपी एडिन) की फेलोशिप सहित कई अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। यह सम्मान पाने वाले एकमात्र छाती रोग चिकित्सक और सबसे कम उम्र के शिक्षक हैं। एएमयू के जेएन मेडिकल कॉलेज के टीबी एवं श्वसन रोग विभाग के प्रो मोहम्मद शमीम को तीन साल की अवधि के लिए विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रो मोहम्मद शमीम 2016 से टीबी और श्वसन रोग विभाग में प्रोफेसर हैं। उनकी रुचि का क्षेत्र सीओपीडी, अस्थमा और इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी है। उन्होंने एशिया पैसिफिक सोसाइटी ऑफ रेस्पिरोलॉजी, जापान द्वारा प्रायोजित क्वीन एलिजाबेथ हॉस्पिटल सबा, मलेशिया से इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्हें यूपी सरकार द्वारा यंग साइंटिस्ट अवार्ड के अलावा रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन, एडिनबर्ग (एफआरसीपी एडिन) की फेलोशिप सहित कई अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। यह सम्मान पाने वाले एकमात्र छाती रोग चिकित्सक और सबसे कम उम्र के शिक्षक हैं। वह कोविड-19 के प्रकोप के बाद कोविशिल्ड परीक्षण में प्रधान अन्वेषक के रूप में 1000 स्वयंसेवकों को सफलतापूर्वक भर्ती करने वाले भारत के पहले व्यक्ति हैं। वह एएमयू की कार्यकारी परिषद के निर्वाचित सदस्य भी हैं।

डीएम ने नानपारा तहसील के राजस्व कर्मियों के साथ की बैठक

आईजीआरएस सन्दर्भों का गुणवत्तापरक निस्तारण करने के दिये निर्देश

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। देर शाम जिलाधिकारी मोनिका रानी ने तहसील नानपारा के राजस्व कर्मियों व लेखपालों के साथ आयोजित बैठक के दौरान निर्देश दिया कि एसडीएम व तहसीलदार यह सुनिश्चित करें कि कोई भी आईजीआरएस सन्दर्भ किसी भी दशा में डिफाल्टर की श्रेणी में न जाने पाये। सन्दर्भों के निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाय। डीएम ने कहा कि निस्तारण की गुणवत्ता संतोषजनक न होने पर जिले का रैंक प्रभावित होती है। डीएम ने कहा कि सम्बन्धित अधिकारियों का प्रयास होना चाहिए कि फरियादी भी की गई कार्यवाही से संतुष्ट हो जाये।

बैठक के दौरान डीएम ने लेखपालों को निर्देश दिया कि धारा 24 के निर्णित वादों में पैमाईश कराने के साथ-साथ अन्य न्यायालयों द्वारा दिये गये निर्णायों का भी अनुपालन सुनिश्चित कराएं तथा धारा 67 व 34 के प्रकरणों में भी जांच कर आख्या यथाशीघ्र उपलब्ध कराई जाय ताकि शासन की मंशानुरूप लम्बित वादों का निस्तारण किया जाय सके। डीएम द्वारा लेखपालों को यह भी निर्देश दिये गये कि प्रत्येक ग्राम के लिए माइक्रों स्तर पर कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। प्रत्येक कार्य के लिए प्राथमिकता का निर्धारण कर यह सुनिश्चित करें कि आप जिस ग्राम में हैं वहां के प्रकरणों का गुणवत्तापरक निस्तारण हो जाय। डीएम मोनिका रानी द्वारा तहसीलदार को निर्देश दिया गया कि धारा 34 व 67 से सम्बन्धित वादों की ग्रामवार पत्रावलियां अलग-अलग कर सम्बन्धित ग्राम में स्वयं जाकर जांच करें तथा वादों का मैरिट के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करें। इसी प्रकार उप जिलाधिकारी को निर्देश दिया गया कि धारा 24 व 116 से सम्बन्धित मामलों की पत्रावलियों ग्रामवार पृथकीकरण कर राजस्व टीम के साथ मौके पर जाकर वादों का निस्तारण कराएं।

जिलाधिकारी ने पुनरीक्षण कार्य में लगाये गये पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2024 के आधार पर 27 अक्टूबर से संचालित होने वाले मतदाता सूची के विशेष संक्षित पुनरीक्षण अभियान से पूर्व पोलिंग बूथवार मतदाता सूची का परीक्षण कर अभियान के दौरान ई.पी. व जेण्डर रेशियों मानक के अनुसार लाये जाने हेतु विशेष प्रयास किया जाय। डीएम ने राजस्व कर्मियों को निर्देश दिया कि पुनरीक्षण अभियान के दौरान शत-प्रतिशत अर्ह व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराएं। आईजीआरएस से सम्बन्धित मामलों के निस्तारण के सम्बन्ध में राजस्व कर्मियों को निर्देश दिया गया कि मौके पर जाकर गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाय। बैठक के पश्चात डीएम ने राजस्व वादों से सम्बन्धित पत्रावलियों के पृथकीकरण कार्य का भी जायज़ा लिया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी नानपारा अजित परेश, तहसीलदार प्रद्धुम्ब पटेल, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक व क्षेत्रीय लेखपाल मौजूद रहे।

बेगम अख्तर पुरस्कार के लिए आवेदन करने की अन्तिम तिथि 15 नवम्बर

बहराइच। मल्लिका-ए-गज़ल बेगम अख्तर की स्मृति में वर्ष 2023-24 के लिए प्रदान किये जाने वाले ''बेगम अख्तर पुरस्कार'' के लिए नामांकन भेजने की अन्तिम तिथि 15 नवम्बर 2023 है। दादरा/ठुमरी/गज़ल विधाओं में प्रतिभावान गायक जिनकी आयु 40 वर्ष से कम न हो, को ''बेगम अख्तर पुरस्कार'' से सम्मानित किया जायेगा। इसके अन्तर्गत चयनित कलाकार को रू. 5.00 लाख की धनराशि, अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जायेगा। प्रति वर्ष दादरा, ठुमरी एवं गज़ल के क्षेत्र में विशेष प्रतिभावान विशिष्ट गायक को जिसने अपने व्यक्तिगत प्रयासों से उत्कृष्ट आयाम स्थापित किये हों तथा राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया हो, को प्रदेश सरकार द्वारा बेगम अख्तर पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के ऐसे मूल निवासी कलाकार जिनकी कर्मभूमि भी उत्तर प्रदेश रही हो, जिन्होंने अपनी प्रतिभा की दीर्घ साधना एवं श्रेष्ठ उपलब्धि के भरसक निर्विवाद मानदण्डों के आधार पर राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की हो और आयु भी 40 वर्ष से कम न हों, आवेदन के लिए अर्ह होंगे। यह पुरस्कार कलाकार के गायन के क्षेत्र में सम्पूर्ण उपलब्धियों के आधार पर प्रदान किया जायेगा न कि किसी एक विशिष्ट संरचना के लिए।

डीएम ने बताया कि पुरस्कार सम्बन्धी नियमावली एवं निर्धारित प्रारूप आवेदन पत्र संस्कृति विभाग उ.प्र. की वेबसाइट यूपीकल्चर डाट यूपी डाट एनआईसी डाट इन पर देखा जा सकता है। पुरस्कार की अर्हता रखने वाले इच्छुक व्यक्ति 15 नवम्बर 2023 तक निदेशक, संस्कृति निदेशालय, नवम तल, जवाहर भवन, लखनऊ के कार्यालय में जमा किये जा सकते हैं।

पार्क के पास तालाब में दिखा मगरमच्छ, गांव में दहशत

अलीगढ़। वन विभाग द्वारा तालाब से मगरमच्छ को पकड़ कर ले जाने की डीएम से गुहार लगाई है। मगरमच्छ को न निकलाने पर ग्रामीणों में वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों के प्रति भारी रोष व्याप्त है। अलीगढ़ में थाना गंगीरी के गांव बढारी बुजुर्ग में अटल जी पार्क है। उसके पास तालाब में एक विशाल मगरमच्छ दिखाई दिया। तालाब में मगरमच्छ होने से गांव में दहशत फैली हुई है। यह मगरमछ एक कुत्ते को अपना शिकार बना चुका है।

पराली का उचित उपयोग कर धन अर्जित करें

अमेठी। किसानों को खेती किसानी की जानकारी देने के साथ अच्छी पैदावार लेने के लिए दो दिवसीय किसान पाठशाला आयोजित की हुई। इसके तहत 80 ग्राम पंचायतों में किसानों को विभिन्न जानकारियां प्रदान की गई। जिला कृषि अधिकारी रविकांत सिंह, उपसंभागीय कृषि प्रसार अधिकारी हरिओम मिश्रा, उप जिला कृषि अधिकारी सुभाष व भूमि संरक्षण अधिकारी संदीप कुमार की देखरेख में प्रत्येक ग्राम पंचायत में दो दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को किसान की पाठशाला में किसानों को बताया गया कि खेत में पराली जलाने से उर्वरा शक्ति नष्ट हो जाती है। बताया गया कि पराली का उचित उपयोग कर धन भी अर्जित किया जा सकता है। किसान पाठशाला में रबी सीजन में प्रथम दिवस का पाठ्यक्रम रबी दलहन / तिलहन में नवीन प्रजातियों की बुआई कब और कैसे करें। इसका अच्छा उत्पादन कैसे प्राप्त किया जा सकता है आदि के बारे में बताया गया। द्वितीय दिवस पाठ्यक्रम में मोटा अनाज मूल्य संबर्द्धन एवं विपणन, विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही पीएम प्रणाम योजना के बारे में किसानों को बताया गया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 264 किसानों की ईकेवाईसी कराई गई। संचारी रोग नियत्रंण अभियान का प्रचार- प्रसार किया गया।

बीएचयू की पहली महिला न्यूरो सर्जन डॉ. नीति के जज्बे को सलाम, घर वालों ने रखी थी ये शर्त

वाराणसी। डॉ. नीति बीएचयू की पहली महिला न्यूरो सर्जन हैं। विभाग में रेजिडेंट के चार पदों में तीन पद पर पुरुष डॉक्टर है जबकि अकेली महिला डॉक्टर के रुप में मरीजों की सेवा कर डॉ. नीति ने अलग पहचान बनाई है। नारी, तू नारायणी, इस जग की पालनहारिणी...जी हां बीएचयू की पहली महिला न्यूरो सर्जन डॉ. नीति इस जज्बे को सच कर रही हैं। झारखंड के कोडरमा की रहने वाले नीति ने जब न्यूरो सर्जरी को बतौर करियर चुना तो सभी ने कहा कि यह बेहद कठिन है, लेकिन मन में मरीजों की सेवा का जज्बा था जिसने यह राह आसान बना दी। डॉ. नीति बीएचयू की पहली महिला न्यूरो सर्जन हैं। विभाग में रेजिडेंट के चार पदों में तीन पद पर पुरुष डॉक्टर है जबकि अकेली महिला डॉक्टर के रुप में मरीजों की सेवा कर डॉ. नीति ने अलग पहचान बनाई है। बीएचयू ट्रॉमा सेंटर स्थित न्यूरो सर्जरी विभाग में सीनियर रेजिडेंट डॉ. नीति का कहना हे कि पहले प्रयास में ही नीट एसएस के माध्यम से होने वाली प्रवेश परीक्षा में भाग लिया। अखिल भारतीय स्तर पर होने वाली परीक्षा में पहले ही प्रयास में दाखिला हो गया। जब ज्वाइनिंग करने आई तो पता चला कि बीएचयू में इस कोर्स के लिए चार सीट है। तीन पर पुरुष है, जबकि मैं अकेली महिला डॉक्टर थी। इन सबको भूलकर मैंने मरीजों की सेवा का जो संकल्प लिया था, उसे पूरे मनोयोग के साथ पूरा कर रही हूं।

घर वालों ने रखी थी शर्त, नहीं हुआ चयन तो कर देंगे शादी

डॉ. नीति ने कहा कि 9 जनवरी 2023 को बीएचयू में ज्वाइन किया। 12वीं के बाद जब मैंने एमबीबीएस की तैयारी शुरू की तो उस समय घर वालों ने मेरे सामने शर्त रख दी थी कि अगर चयन नहीं हुआ तो मेरी शादी करवा देंगे। मैंने भी ठान लिया था कि अपने सपने को सच करना है। दिन रात की मेहनत का परिणाम रहा कि आज मेरा सपना सच हो गया है।

इमरजेंसी में आने वाले मरीजों की सेवा से मिलता है सुकून

डॉ. नीति मोदी को इमरजेंसी में आने वाले मरीजों की सेवा में बहुत सुकून मिलता है। उनका कहना है कि इमरजेंसी विशेषकर ट्रॉमा सेंटर में आने वाले मरीजों के इलाज में समय कम होता है, उनको बचाना बड़ी चुनौती होती है। इस वजह से ही उसने एमबीबीएस करने के बाद न्यूरो सर्जरी से पीजी करने का फैसला लिया। बीएचयू में ट्रॉमा सेंटर प्रभारी प्रो. सौरभ सिंह के साथ ही न्यूरो सर्जरी से डॉ. अनुराग साहू, एनीस्थीसिया से डॉ. कविता मीना, डॉ. राजेश मीना सहित हर कोई उसकी सराहना कर रहा है। डॉ. नीति के पिता वीरेंद्र मोदी क्रशर प्लांट में काम करते थे। माता उर्मिला देवी गृहिणी हैं। बड़ी बहन निक्की इंजीनियर है। भाई नीतेश ने एसएससी की परीक्षा पास कर कस्टम डिपार्टमेंट में हैं। छोटी बहन इस समय बीएससी कर रही है।

दिल्ली से किया एमबीबीएस

डॉ. नीति का कहना है कि दादाजी न्यूरो सर्जन बनने की प्रेरणा देते थे। 2010 में हाईस्कूल की परीक्षा पास करने के बाद 11-12वीं की पढ़ाई करने कोटा चली गई। इंटर के बाद से डॉक्टर बनने की तैयारी करनी थी। इसके लिए दिल्ली में लेडी हर्ट मेडिकल कॉलेज से 2012 में एमबीबीएस और दिल्ली के ही गुरु तेग बहादुर मेडिकल कॉलेज दिल्ली से ही पीजी किया। 2021 में पीजी पूरा होने के बाद शिमला स्थित मेडिकल कालेज से 2022 में एमसीएच न्यूरो सर्जरी के सीनियर रेजिडेंट के रुप में काम कर मरीजों की सेवा का अवसर मिला।

शौर्य यात्रा में बोले विहिप नेता

जनवरी में होगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा, पीएम मोदी को भेजा निमंत्रण

शाहजहाँपुर। विहिप के केंद्रीय सह मंत्री गोपाल ने बताया कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के भूतल का काम पूरा हो गया है। पहली मंजिल का काम जारी है।

जनवरी 2024 में मकर संक्रांति के बाद 20 से 24 तारीख के बीच रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। शाहजहांपुर में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल ब्रज प्रांत की ओर से शनिवार को शौर्य जागरण सभा व यात्रा का आयोजन किया गया। शहीद द्वार पर आयोजित कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के रूप में विहिप के केंद्रीय सह मंत्री गोपाल ने संबोधित किया। कहा कि अयोध्या में विवादित ढांचा गिरा तब ही राम मंदिर बन सका। उन्होंने कहा कि हमने समाज में संदेश दिया कि हम किसी को छेड़ेंगे नहीं, अगर किसी ने छेड़ा तो उसे छोड़ेंगे भी नहीं। उन्होंने कहा कि शौर्य यात्रा के आयोजन का उद्देश्य हिंदुओं को जाग्रत करने के साथ ही अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद दर्शन के लिए हिंदू समाज को निमंत्रण देना है।

जनवरी में होगी रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

विहिप नेता ने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन में करोड़ों लोगों ने हिस्सा लिया था। उन्होंने बताया कि मंदिर निर्माण के भूतल का काम पूरा हो गया है। पहली मंजिल का काम जारी है। जनवरी 2024 में मकर संक्रांति के बाद 20 से 24 तारीख के बीच रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक के सर संघचालक मोहन भागवत को निमंत्रण भेजा गया है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का निर्माण हो रहा है, रामराज्य का निर्माण भी करना है।

अंत में उन्होंने सभी को 26 जनवरी के बाद रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या आने का निमंत्रण दिया। इसके पहले विहिप के प्रांत मंत्री अनुज सिंह ने शौर्य यात्रा की प्रस्तावना पेश की। इसके बाद शौर्य यात्रा निकाली गई जोकि विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

संतकबीरनगर। अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट जैनुद्दीन अंसारी ने किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और दुष्कर्म करने के आरोपी की जमानत अर्जी ख़ारिज कर दी। विशेष लोक अभियोजक सत्य प्रकाश ने बताया कि महुली क्षेत्र की रहने वाली पीड़ित मां ने महुली थाने में तहरीर दी। कहा कि उसकी 15 वर्षीय बेटी को 17 जुलाई 2023 को शाम करीब पांच बजे आरोपी बहला-फुसलाकर भाग ले गया है। उसने काफी खोजबीन की लेकिन बेटी का पता नहीं चला। बेटी 23 जुलाई को दोपहर करीब एक बजे मोहल्ले की रहने वाली महिला के मोबाइल पर फोन कर बताया कि वह बहुत परेशान है। बेटी रो रही थी। घटना की सूचना देकर बेटी की जान बचाने की गुहार लगाई। महुली पुलिस ने केस दर्ज किया। विवेचक ने साक्ष्य के आधार पर आरोपी के विरुद्ध पाक्सो एक्ट तथा दुष्कर्म की धारा बढ़ाते हुए आरोप पत्र कोर्ट में प्रेषित किया। आरोपी ने अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट में अपना जमानत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया और कहा कि वह न्यायिक अभिरक्षा में निरुद्ध है। उसने किसी को बहलाया फुसलाया नहीं है और न ही भगाया है। आशंका के आधार पर झूठे मुकदमे में उसे फंसाया गया है। उसने जमानत देने की याचना की। पीड़ित मां ने जमानत प्रार्थना पत्र का विरोध किया तथा विशेष लोक अभियोजक फौजदारी ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी ने अवयस्क को बहला-फुसलाकर भगाया है, जो गंभीर अपराध है। पीड़ित किशोरी ने पुलिस और मजिस्ट्रेट को बयान दिया कि पहले वह आरोपी के साथ बस्ती चली गई थी, वहां मंदिर में उन दोनों ने शादी कर ली।

शाहजहांपुर में अरशद निभाएंगे परशुराम का किरदार, पैट्रिक दास बनेंगे दशरथ

शाहजहाँपुर। ओसीएफ मैदान पर वर्ष 1965 से रामलीला का मंचन शुरू हुआ। तब से लेकर आज तक रामलीला मंचन की पूरी व्यवस्था ओसीएफ फैक्टरी प्रबंधन की ओर से की जाती है। यह रामलीला गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल है। शाहजहांपुर में ओसीएफ रामलीला गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल है। इसमें पैट्रिक दास दशरथ तो अरशद परशुराम का किरदार निभाते हैं। ओसीएफ मैदान पर वर्ष 1965 से रामलीला का मंचन शुरू हुआ। तब से लेकर आज तक रामलीला मंचन की पूरी व्यवस्था ओसीएफ फैक्टरी प्रबंधन की ओर से की जाती है। ज्यादातर कलाकार भी ओसीएफ फैक्टरी में काम करने वाले कर्मचारी ही हैं। मंचन में करीब 120 कलाकार हिस्सा लेते हैं। इस साल भी 15 अक्तूबर से रामलीला का मंचन शुरू होगा। इसे लेकर लगातार पूर्वाभ्यास जारी है।

कनिष्ठ कार्य प्रबंधक पैट्रिक दास 32 वर्षों से कर रहे अभिनय

ईसाई धर्म से नाता रखने वाले पैट्रिक दास दशरथ और रावण के साधु स्वरूप का किरदार करीब 32 वर्षों से निभाते चले आ रहे हैं। वह ओसीएफ फैक्टरी में कनिष्ठ कार्य प्रबंधक के पद पर तैनात हैं। उन्होंने 1991 में विभीषण और मारीच का किरदार निभाया था। इसके साथ ही मेघनाद और लंकेश का किरदार भी निभा चुके हैं। वह बताते हैं कि 1991 में रामलीला मैदान में स्टॉल लगाया था, तभी मंचन देखकर खुद भी अभिनय करने का निर्णय लिया। बालकिशन के माध्यम से मंचन में शामिल हुए।

रावण की भूमिका निभाने वाले अंकित हैं निर्देशक

ओसीएफ फैक्टरी में टीएचएस अंकित सक्सेना 13 वर्षों से रावण का किरदार निभाते आ रहे हैं। इसके साथ ही वह भगवान शंकर की भूमिका में भी नजर आते हैं। अंकित बताते हैं कि वह 19 वर्ष से ओसीएफ रामलीला से जुड़े हुए हैं और 10 वर्ष से निर्देशन भी कर रहे हैं। कोशिश रहती है हर साल रामलीला का मंचन और बेहतर हो।

अरशद को रट गए हैं परशुराम के संवाद

मुस्लिम धर्म से ताल्लुक रखने वाले अरशद आजाद 26 वर्षों से ओसीएफ रामलीला में महर्षि परशुराम का किरदार निभा रहे हैं। इसके साथ ही वह मारीच और विभीषण की भूमिका भी करते हैं। एक निजी कंपनी में काम करने वाले अरशद वर्ष 1990 से थियेटर कर रहे हैं। वर्ष 1997 में पहली बार परशुराम की भूमिका निभाई थी। 12 साल विभीषण का रोल करते हो गए। अरशद ने बताया कि उन्होंने अजीजगंज रामलीला में पिछले साल रावण का रोल किया था। इस बार भी करेंगे।

टेलर मास्टर हैं राम बनने वाले रोहित

टेलर मास्टर रोहित सक्सेना ओसीएफ रामलीला में भगवान राम का किरदार निभाते हैं। उन्हें वर्ष 2014 में राम की भूमिका मिली थी। इससे पहले वह शत्रुघ्न और भरत का किरदार निभाते थे। रोहित बताते हैं कि उनके पिता नरेंद्र कुमार ओसीएफ फैक्टरी में कर्मचारी रहे हैं। वह सत्यनारायण जुगनू के माध्यम से रामलीला में शामिल हुए। वर्ष 2011 में राम का किरदार मिला था, लेकिन तैयारी पूरी न होने पर वर्ष 2014 में पहली बार राम बने।

निजी कंपनी में कर्मचारी देवेंद्र करते हैं लक्ष्मण का रोल

एक निजी कंपनी में कर्मचारी देवेंद्र पाल 2006 से लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हैं। वह बताते हैं कि जब से वह लक्ष्मण का किरदार कर रहे हैं, तब से राम का किरदार निभाने वाले पांच कलाकार बदल चुके हैं। यह किरदार उनके रग-रग में बस चुका है।

इसके साथ ही भगवान विष्णु भी बनते हैं। बताया कि वर्ष 1999 में पहली बार राजकुमार का रोल मिला था, फिर अक्षय कुमार और ऋषि-मुनियों का किरदार भी निभाया।

पण्डाल व अस्थाई ढ़ांचा बनाते समय अग्नि से सुरक्षा हेतु जारी की गई एडवाईज़री

बहराइच। मुख्य अग्निशमन अधिकारी बहराइच द्वारा पण्डाल अथवा अस्थाई ढ़ांचा बनाते समय अग्निसुरक्षा के दृष्टिगत भारती मानक ब्यूरो, आई.एस. 8758-1993 के अनुसार एडवाईज़री जारी करते हुए बताया कि किसी भी दशा में पण्डाल 3 मीटर से कम ऊँचाई का न लगाया जाये। पण्डाल बनाने में सिन्थेटिक सामग्री से बने कपड़े या रस्सी का प्रयोग न किया जाये। पण्डाल के चारों तरफ 4.5 मीटर खुला स्थान अवश्य रखें ताकि आकस्मिक स्थिति में लोगों सुरक्षित बाहर निकल सकें।.पण्डाल बिजली की लाइन के नीचे किसी भी दशा में न लगाया जाये। कोई भी पण्डाल रेलवे लाईन, बिजली के सब स्टेशन, चिमनी या भट्ठी से कम से कम 15 मीटर दूर लगाया जाये। बाहर निकलने का गेट 5 मीटर से कम चौड़ा न हो और अगर रास्ता मेहराबदान (आर्य) बनाया जाये तो भूमि तल से ऊँचाई 5 मीटर से कम नहीं होना चाहिए। सड़क से पण्डाल की दूरी 45 मीटर से अधिक किसी भी दशा में नहीं होनी चाहिए जिससे फायर सर्विस की मशीनें घटनास्थल तक पहुँच सकें। लोगों को सुझाव दिया गया कि बाहर निकलने का रास्ता गुफा की तरह कदापि नहीं होना चाहिए। बाहर निकलने के कम से कम दो रास्ते अवश्य होने चाहिए जिससे किसी आपातकाल में एक रास्ता अवरूद्ध हो जाने पर दूसरे रास्ते का प्रयोग कर लोगों को निकाला जा सके। जहां तक संभव हो सके दोनों रास्ते एक दूसरे के विपरीत दिशा में हो। बाहर निकलने के गेट इस प्रकार समुचित संख्या में बनाये जायें कि किसी भी दशा में पण्डाल के किसी भी स्थान से किसी व्यक्ति को बाहर निकलने हेतु 15 मीटर से अधिक दूरी न तय करनी पड़े।

कुर्सिया किनारे से 1.2 मीटर की जगह छोड़ी जाये एवं इसके बाद पुनः बारह कुर्सियां लगाई जा सकती हैं। कुर्सियों की 10 कतारों के बाद 1.5 मीटर की जगह छोड़ी ज़रूर छोड़ी जाय। यह भी सुझाव दिया गया है कि कुर्सियों को चार-चार के समूह में नीचे से बांध कर ज़मीन में लोहे की छड़ गाड़कर स्थिर कर दिया जाये जिससे भगदड़ के समय वह कुर्सियां अव्यवस्थित होकर बाहर निकलने के मार्गों को अवरूद्ध न कर दें। बिजली की व्यवस्था विद्युत कार्य के लाइसेन्सधारी ठेकेदारों से ही कराई जाये। तारों के जोड़ किसी भी दशा में खुले नहीं होने चाहिए। जहां तक सम्भव हो पोर्सलीन कनेक्टरों का प्रयोग करना चाहिए। ईमरजेन्सी लाइट की व्यवस्था भी होनी चाहिए। विद्युत का कोई भी सर्किट, बल्ब, ट्यूब लाइट आदि पण्डाल के किसी भी भाग से कम से कम 15 से.मी. दूर होना चाहिए।

आमजन को सुझाव दिया गया है कि हैलोजन लाइट का प्रयोग किसी भी दशा में पण्डाल या अस्थाई निर्माण में नही किया जाए चाहिए। पण्डाल के अन्दर किसी भी दशा में भट्ठी का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। अगर करना ही पड़े तो टीन शेड लगाकर किया जाये जो पण्डाल से अलग हो। पण्डाल अग्नि सुरक्षा हेतु 0.75 लीटर पानी प्रति वर्ग मीटर स्थान हेतु ड्रम या बाल्टियों में सुरक्षित रखा जाये व इसका प्रयोग अग्निशमन के अतिरिक्त किसी अन्य कार्य में कदापि न किया जाये। कुल पानी की आधी मात्रा पण्डाल के अन्दर व आधी पण्डाल के बाहर रखी जाये। कम से कम दो बाल्टी पानी प्रत्येक 50 वर्गमीटर जगह हेतु व फायर एक्सटिंग्यूशर 9 लीटर क्षमता का वाटर टाइप प्रत्येक 100 वर्ग मीटर स्थान हेतु अग्नि सुरक्षा हेतु उपलब्ध रखा जाये। विद्युत की आग से सुरक्षा हेतु सुझाव दिया गया है कि एक कार्बन डाईआक्साईड गैस एक्सटिंग्यूटर या ड्राई केमिकल पाउडर एक्सटिंग्यूशर स्विच गेयर, मेन मीटर और स्टेज के पास लगाया जाये। पण्डाल या अस्थाई निर्माण में जहां तक सम्भव हो आसानी से न जलने वाले पदार्थों का उपयोग किया जाये किन्तु अगर ज्वलनशील प्रकृति के सामनों का प्रयोग किया जाये तो उन्हें अग्नि निरोधक घोल में डुबोकर सुखा लिया जाये। इस अग्नि निरोधक घोल को पानी 35 भाग, बोरेक्स व बोरिक एसिड 01-01 भाग, एलम (फिटकरी) व अमोनियम कार्बोनेट 02-02 भाग तथा अमोनियम सल्फेट 04 भाग मिलाकर तैयार किया जा सकता है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने यह भी सुझाव दिया है कि बहुत बड़े पण्डाल व अस्थाई निर्माण के पूर्व अग्निशमन विभाग को सूचित कर उनसे सुरक्षात्मक सुझाव अवश्य प्राप्त किये जायें।

प्रेमजाल में फंसा कर शोषण का आरोप, कार्रवाई की मांग पर अड़ी युवती

संतकबीनगर। प्रेमजाल में फंसा कर शारीरिक शोषण करने के आरोपी युवक के खिलाफ युवती ने कार्रवाई की मांग की है। शुक्रवार को युवती अपने माता-पिता के साथ कोतवाली पहुंची। पुलिस पर 15 दिन से मामले को टालने का आरोप लगाया। आरोपी युवक भी थाने पहुंच गया और शादी के लिए सहमति जताई। लेकिन, युवती कार्रवाई की मांग पर अड़ी है। वैसे, कुछ लोग दोनों की शादी कराने की कोशिशों में जुटे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

आरोपी 21 वर्षीय युवक की क्षेत्र के एक गांव में रिश्तेदारी है। वह अक्सर अपने रिश्तेदार के घर आता-जाता था। रिश्तेदार के पड़ोस की रहने वाली सजाजीय 20 वर्षीय युवती से बातचीत करते-करते उसने मेल-जोल बढ़ा लिया। दोनों मोबाइल फोन पर बातचीत करते रहे और एक-दूसरे के काफी करीब आ गए। यह सिलसिला करीब सात वर्षों से चल रहा था। आरोपी युवक मुंबई में टाइल्स का काम करता है। जब भी वह घर आता था तो रिश्तेदार के घर जाने के बहाने प्रेमिका से मिलने पहुंच जाता था। दोनों चोरी-छिपे मिलते-जुलते थे। इस बात की जानकारी युवती के परिजनों को हुई तो मामला बिगड़ गया। इधर, प्रेमी की शादी उसके परिजन कहीं दूसरी जगह तय करने लगे तो युवती उसके घर पहुंच गई थी।

26 सितंबर को कोतवाली पहुंची पीड़ित युवती ने युवक पर हैवानियत का शिकार बनाने का आरोप लगाया। तब से वह कई बार कोतवाली आकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन पुलिस नजरदांज करती रही। शुक्रवार को युवती मां-बाप के साथ कोतवाली पहुंच कर कार्रवाई की जिद पर अड़ गई। वहीं, प्रेमी युवक ने युवती से संबंध होने की बात स्वीकार की और उससे शादी करने की सहमति भी जताई, लेकिन युवती कार्रवाई की रट लगा रही थी। महिला पुलिस कर्मी ने पीड़िता से घटना के बारे में पूछताछ कर जानकारी जुटाई।

कोतवाल रविंद्र सिंह ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में है। युवक और युवती में प्रेम संबंध था। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

त्रिगुट
मंगलवार 17 अक्टूबर 2023

कांग्रेस की बिसात में फंसती जा रही है, भाजपा

भारत जोड़ो यात्रा के बाद से कांग्रेस और राहुल गांधी का आक्रामक स्वरूप देखने को मिल रहा है। जब भारत जोड़ो यात्रा शुरू हुई थी। तब उन्हें पप्पू कहा जा रहा था। मीडिया में यह भी कहा जा रहा था, कि वह जल्द ही यात्रा बीच में छोड़कर वापस आ जाएंगे। लेकिन राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा एक टी-शर्ट से पूरी की। कन्याकुमारी से कश्मीर तक उन्होंने यात्रा की। उसके बाद उनके माथे से पप्पू का कलंक हट गया। एक नेता के रूप में राहुल गांधी की पहचान मीडिया और आम जनता के बीच बनी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने एक बड़ा हमला गांधी परिवार पर किया था। कांग्रेस ने इसका बखूबी जवाब दिया। दलित नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया।कांग्रेस ने एक तीर से दो शिकार कर लिए। भारतीय जनता पार्टी ने गांधी परिवार के ऊपर जो निशान साधा था। वह कोई काम नहीं आया। उल्टे कर्नाटक में इस दलित नेता के कारण भारतीय जनता पार्टी को करारी पराजय का सामना करना पड़ा। भाजपा के हमले से कांग्रेस में एक दलित नेता जरूर पैदा हो गया। जो राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। पिछले कुछ महीनो में कांग्रेस ने जिस तरह से लोक लुभावन घोषणाएं कर भारतीय जनता पार्टी को घेरने का काम किया है।उससे भी भारतीय जनता पार्टी, धीरे-धीरे कांग्रेस के बिछाए हुए जाल में फंसती हुई नजर आ रही है। केंद्र सरकार ने रसोई गैस के दाम बढ़ाए थे। कांग्रेस ने कर्नाटक चुनाव में 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने का वादा किया। कांग्रेस ने जिस तरह से कर्नाटक में लड़ाई लड़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और अमित शाह के होते हुए भी कर्नाटक विधानसभा चुनाव मे भाजपा की करारी पराजय हुई। केंद्र सरकार को 300 रुपये रसोई गैस के दाम घटाने मजबूर होना पड़ा। मध्य प्रदेश में कमलनाथ ने महिलाओं को 1500 रुपये देने का वचन दिया था। मध्य प्रदेश सरकार ने ताबड़तोड़ 1000 रुपये की योजना शुरू करके तथा हर महीने रुपये 250 बढाकर, नवंबर माह तक 1500 रुपए महिलाओं को देने का निर्णय लेना पड़ा। इस तरह के निर्णय का उल्लेख संपादकीय में इसलिए करना पड़ रहा है,कि जनता के पास एक संदेश भी जा रहा है। विपक्ष उनकी मांग को उठाता है, तो सरकार उनकी मांग को मान लेती है। विपक्ष यदि मजबूत नहीं होगा, तो सरकार उनकी बात नहीं मानेगी। ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर भी कांग्रेस ने लीड ली है।हिमाचल और कर्नाटक विधानसभा का चुनाव ओल्ड पेंशन स्कीम के कारण कांग्रेस ने जीत लिया। सरकारी कर्मचारियों में यह भरोसा बनने लगा कि यदि कांग्रेस की सरकार आई, तो ओल्ड पेंशन स्कीम लागू हो जाएगी। हाल ही में प्रियंका गांधी ने चुनावी सभा में स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को 1 से लेकर 12वीं तक के बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने और हर माह स्कॉलरशिप देने की घोषणा की है। इसका भी बड़ा असर आम जनता पड़ता हुआ दिख रहा है। 70 से 80 फ़ीसदी आबादी के बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं।सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को कोई फीस नहीं लगेगी। उल्टे उन्हें हर माह स्कॉलरशिप मिलेगी। इससे निम्न वर्ग, निम्न मध्यम आय वर्ग और मध्यम वर्ग के लोग प्रियंका गांधी की इस घोषणा से प्रभावित हुए हैं। प्रियंका गांधी ने जिस तरह से निशुल्क शिक्षा और स्कॉलरशिप का तीर छोड़ा है। वह ठीक निशाने पर लगा है। एक ही झटके में प्रियंका गांधी ने निम्न एवं मध्यम वर्ग की आशाओं को जगाने का काम किया है। जाति आरक्षण और महिलाओं को आरक्षण देने की मांग को लेकर राहुल गांधी जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी को चुनौती दे रहे हैं। उससे राहुल गांधी की एक नई छवि भी बन रही है। कांग्रेस जिस तरह से आक्रामक होकर आत्म विश्वास के साथ चुनाव मैदान में उतर रही है। कांग्रेस की सभाओं में भीड़ बडी संख्या में उमड रही है। उससे कांग्रेस उत्साहित हो रही है। वहीं भारतीय जनता पार्टी की चिंताएं बढ़ने लगी हैं। धूप छांव की तरह तेजी के साथ राजनीति के समीकरण बदल रहे हैं। जो सत्ता पक्ष और विपक्ष को समान रूप से प्रभावित कर रहे हैं।

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतर्स्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं। भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

अच्छी खबरों पर बुरी खबरों का साया

राकेश अचल

देश में अक्सर अच्छी खबरों को जगह नहीं मिलतीं । बुरी खबरें सुर्ख़ियों में रहतीं हैं। इसीलिए मै हमेशा से कहता हूँ कि अच्छी खबरों को बुरी खबरों की बुरी नजर से बचाइए। इजराइल-फिलिस्तीन के युद्ध औरभारत में पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों ने दो अच्छी खबरों को सुर्खी बनने से रोक दिया,हालाँकि अच्छी खबरें अपनी अच्छे की वजह से लोगों के दिलो-दिमाग पर छायी रहतीं हैं। पहली अच्छी खबर थी कि भारत ने क्रिकेट में पकिस्तान को आठवीं बार धुल चटकार विश्वकप हासिल कर लिया। दूसरी अच्छी खबर ये है की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिखी कविता इस बार पूरे गुजरात में गरबो /गीत के रूप में लोगों को नचाएगी।

देश को अक्सर शिकायत रहती है कि प्रधानमंत्री जी ने पहले प्रधानमंत्री की तरह डिस्कवरी आफ इंडिया जैसी कोई किताब नहीं लिखी। ऐसे लोगों को मै बताना चाहता हूँ कि भारत में किताब लिखना प्रधानमंत्री बनने की कोई अनिवार्य शर्त नहीं है । नेहरू जी को लिखना-पढ़ना आता था,भाता था सो उन्होंने किताब लिख दी। मोदी जी को लिखना-पढ़ना दोनों आता है लेकिन उनकी दिलचस्पी फालतू के कामों में नहीं है सो उन्होंने किताब नहीं लिखी । मोदी जी इतिहास लिखते हैं वो भी कागज पर नहीं बल्कि अपने देव् तुल्य पार्टी कार्यकर्ताओं के दिल पर। ये काम वे भली भांति कर रहे हैं ,और यही सब करते हुए उन्होंने कविता भी लिखी ,जो आज पूरे गुजरात में गूँज रही है। वैसे मोदी जी कविताएं नहीं लिख रहे तो क्या हुआ ? वे देश का भाग्य लिखने में व्यस्त हैं मोदी जी की विशेषताओं के बारे में उन्हें के गोदी मीडिया ने न्याय नहीं किया। उन्हें पढ़ा-लिखा बताने के बजाय विदूषक बताने की कोशिश की गयी। मै इसके बिलकुल खिलाफ हूँ। भारत की क्रिकेट टीम ने जैसे पाकिस्तान को हराकर आठवीं बार विश्वकप जीता है उसी तरह मोदी जी ने दो बार आम चुनाव जीता । जी-20 का कामयाब सम्मेलन कराकर दुनिया का दिल जीता। मोदी जी मेरी नजर में दिल जीतने वाले चीते हैं । उनका सम्मान किया जाना चाहिए। जो उनका सम्मान नहीं करते वे सब राष्ट्रद्रोही है

मोदी जी में देवीय शक्तियां ही नहीं देवीय प्रतिभाएं भी है। जैसे उन्होंने गरबा गीत वर्षों पहले लिखा थ। लेकिन अपनी इस प्रतिभा को वे छिपाये रहे । ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने वर्षों तक दुनिया से अपने विवाहित होने और बाद में रणछोड़ होने की खबर छिपाई थी । उन्हें छिपाने का बहुत शौक है वे अपनी डिग्रियों को भी वर्षों तक छिपाये रहे । ये तो बात जब अदालत तक पहुंची तब कहीं जाकर देश को पता चला मोदी जी के पास एन्टायर पॉलिटिक्स की डिग्री भी है। मोदी जी जितना छिपाना जानते हैं उतना ही उनका डंका बजाना भी जानते है। पुरे विश्व में आज भारत का डंका बज रहा है । अब आपको सुनाई नहीं देता तो कोई क्या करे ? मोदी जी को डंके के अलावा ताली,थाली,डमरू और शंख बजाना भी खूब आता है। नेहरू जी को किसी ने डंका ,शंख,डमरू,ताली,थाली बजाते या बजवाते देखा है । डंका बजाना मोदी जी की सौम्यता व्यक्तिगत प्रतिभा है लेकिन बजवाना उस्ताद होने का प्रमाण । मोदी जी इस लिहाज से उस्ताद हुए । मान गए उस्ताद ! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार 14 अक्टूबर को उनके सालों पहले लिखे गए एक गरबा को गायिका ध्वनि भानुशाली और तनिष्क बागची ने आवाज दी है। पीएम ने इसके लिए ध्वनि, तनिष्क और उनकी म्यूजिक की टीम का शुक्रिया अदा किया। साथ ही लिखा कि मैंने पिछले कुछ दिनों में एक नया गरबा लिखा है और इसे नवरात्रि के दौरान शेयर करूंगा।मोदी ने सोशल मीडिया मंच ङ्क पर एक पोस्ट में लिखा, वर्षों पहले मेरे लिखे एक गरबा की इस प्यारी संगीतमय प्रस्तुति के लिए ध्वनि भानुशाली, तनिष्क बागची और जेजस्ट म्यूजिक की टीम आपको धन्यवाद। इसने मेरी यादों को ताजा कर दिया।

मोदी जी के नाम में भी जादू है । उनके नाम पार बने स्टेडियम में भारत ने पाकिस्तान को हराकर क्रिकेट का विश्वकप जीता। यही मैच यदि फिरोज शाह कोटला मैदान में हुआ होता तो शायद ये जीत हासिल न होती। इस स्टेडियम में जैसे नारे लगे वैसे आपको कहीं सुनने को नहीं मिल सकते। मेरे ख्याल से जिस तरह से मोदी जी और उनकी सरकार ने नारियों की शक्ति की वंदना कानों बनाने के लिए संसद का विशेष सत्र आहूत किया था उसी तरह क्रिकेटरों की शक्ति का सम्मान करने के लिए संसद का विशेष सत्र आहूत किया जाये,भले ही क़ानून न बनाया जाये। क्योंकि पाकिस्तान को रोंदना ,विश्वकप जीतना भारतीय क्रिकेट टीम की कम भारत की और भारत के प्रधानमंत्री जी की निजी जीत है । हमारे प्रधानमंत्री जी यदि प्रधानमंत्री न बने होते तो आप तय मानिये कि वे देश के लिए खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर या गरबा राइटर होते।देश उनके ऊपर नाज करता ही। कर ही रहा है।

भारत के अनेक प्रधानमंत्री कलाप्रेमी रहे है। वीपी सिंह तस्वीरें बनाते थे, कविताएं लिखते थे, अटल बिहारी बाजपेयी जी को भी कविताएं लिखने का शौक था । उन्होंने अपना तखल्लुस कैदी कविराय रखा था। उनकी कविताएं भी मोदी जी के गरबे की तरह गायीं और सराही गयीं। कैदी कविराय जी के साथ मंच साझा करने का नसीब तो अपने राम को भी मिला था। डॉ मन मोहन सिंह में ये प्रकृति प्रदत्त प्रतिभा नहीं थी। पीवहि नरसिम्हा राव अनेक भाषाओँ के ज्ञाता थे किन्तु कविताएं उन्होंने भी नहीं लिखीं। कविता लिखना उतना आसान भी नहीं जितना की सुबह-सुबह सूरज का उगना । मोदी जी कविता लिखने का कठिन काम करते थे। मुमकिन है की जब उन्हें 18 घंटे काम करने की चौकीदारी से फुरसत मिले तो वे स्वयं कविताएं लिखने बैठ जाएँ। अब ये देश की जनता के ऊपर है की वो मोदी जी को अवकाश देती है या नहीं ?

मुझे कभी -कभी लगता है कि मोदी जी को इजराइल जाना चाहिए था। वे अब तक इजराइल क्यों नहीं गए जबकि इजराइल के पंत प्रधान मोदी जी के निजी मित्र हैं। वे संकट में है। उन्हें दुनिया के समर्थन की जरूरत है मोदी जी जब अपने मित्र डोनाल्ड ट्रैम्प के लिए मदद करने अमेरिका जा सकते हैं तो क्या इजराइल नहीं जा सकते ? जा सकते हैं। उन्हें जाना चाहिए ? इजराइल न जाकर उनका यश बढ़ेगा ही ,कम तो बिलकुल नहीं मोदी जी की उदारता है जो वे भारत में इजराइल के खिलाफ जुलूस निकालने दे रहे है। वे लोकतंत्र में यकीन रखते हैं लेकिन उनका यकीन मैदानों में ही फलता-फूलता नजर आ रहा है। मोदी जी को लोकतंत्र विरोधी कहने वाले नादान हैं।

ये है मोदी का लिखा गरबा

गाय तेनो गरबो ने झीले तेनो गारबो, गरबो गुजरात नी गरवी मिरात छे।

घूमे तेनो गरबो तो झूमे तेनो गरबो, गरबो गुजरात नी गरवी मिरात छे।

सूर्य चंद्र गरबो ने ट्रैक्टुओ पैन गरबो, गरबो गुजरात नी गरवी मिरात छे। तंदु डोलावे ने, मनादु जुमावतो सवने रे गमतो गरबो रेडियारी रातो मैं लगाय रेडियमनो रामतो ने भामतो गरबो... के घुमतो.. हे हया हा, हे हया हा. ओहू

दिवस पान गरबो ने रात पान गरबो

गरबो गुजरात नी गरवी मिरात छे। संस्कृति गरबो ने प्रकृति गरबो वंसदि छे गरबो, मोरपींच गरबो गरबो मति छे, गरबो सहमती वीरनो ए गरबो, अमीरनो ए गरबो।

काया पान गरबो ने जीव पान गरबो, गरबो जीवन नि हलवी निरात छे।

गरबो सती छे ने गरबो गति छे गरबो नारी नी फूल नी बिछात छे।

तंदु डोलावे ने, मनादु जुमावतो सवने रे गमतो गरबो रेडियारी रातो मैं लगाय रेडियमनो रामतो ने भामतो गरबो... के घुमतो.. गरबो तो सत छे ने गरबो अक्षत छे गरबो माताजिनु कंकु रदियात छ।

अव्व मा गरबो, स्वभाव मा गरबो भक्ति चे गरबो, हां शक्ति चे गरबो।

बॉलिवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट ने इस गरबा गीत के लिए क्रू मोदी की तारीफ करते हुए ङ्क पर लिखा- कितना सुंदर है, चाहे अटल जी की कविताएं हों या नरेंद्र मोदी जी के गाने और कहानियां कहने की बात हो। हमारे इन महान नायकों को कला में डूबे हुए देखकर खुशी होती है। नवरात्रि 2023 गरबा। सभी कलाकारों के लिए प्रेरणादायक।

आचार्य लक्ष्मीकांत मिश्र की पत्रकारिता के सरोकार

कुमार कृष्णन

अद्भुत जिजीविषा,संकल्प व प्रतिभा के धनी थे आचार्य लक्ष्मीकांत मिश्र। उनमें विचारों की भट्ठी सदा धधकती रही। वे एक विशेष प्रकार की आग को धारण किए हुए थे। समाज-राष्ट्र के प्रति उनका मन बेचैनियों से भरा था। उनके दिमाग़ में विचारों की आँधियाँ बहती थी। वे ऐसे पथ के पथिक थे, जहां पग-पग पर सवाल दर सवाल उठते थे। जबाब पाने के लिए। विचारधारा से ऐसी प्रतिबद्धता कि उसी में रचते-बसते-खपते हुए ज़िंदगी बिता दी। आमिल के शब्दों में कहें तो अगली सदी कहेगी कि उजाला रहे हो तुम। वे सामासिक संस्कृति के ग़ज़ब के पैरोकार थे। गंगा-जमुनी तहज़ीब के प्रबल हिमायती थे। जन सरोकार और सांस्कृतिक साझेदारी के पुरोधा रहे। आचार्य लक्ष्मीकांत मिश्र का नाम लेते ही स्मरण हो जाता है उनका व्यक्तित्व। स्वर में शालीनता, वाणी में मिठास और सादगी भरा जीवन यही उनके व्यक्तित्व की खासियत थी। जो बहुत कम लोगों में होती है। जीवन के लगभग 80 बसंत पार कर चुकने के बाद भी दूसरों के लिए प्रेरणास्त्रोत बने हुए थे। छात्र आंदोलन के बाद आपातकाल का दौर था। अधिकांश लोग भूमिगत होकर काम कर रहे थे और कुछ लोग मिसा और डीआईआर के तहत जेल में डाल दिये गये थे। ऐसे दौर में पत्रकारिता के धर्म का निर्वहन ज्यादा जोखिम का दौर था।राज्यसभा के सदस्य तथा बिहार विधान परिषद के सभापति प्रो.जाबिर हुसैन, सुप्रसिद्ध साहित्यकार आचार्य शिव पूजन सहाय के पुत्र मंगलमूर्ति, डीजे कॉलेज के प्राचार्य आचार्य कपिल, गांधीवादी नेता आचार्य राममूर्ति जैसे लोग सक्रिय थे और आंदोलन की बात को पहुंचाने का इनके सम्पादन में प्रकाशित समाचार पत्र 'अग्रसर' था। अनेक मुश्किलों के बाद भी पत्रकारिता के धर्म का निर्वहन करते रहे। मुंगेर प्रमंडल के शाम्हो दियारा में जन्में आचार्य मिश्र के सर से दो साल की उम्र में ही सर से पिता का साया उठ गया और जब होश संभाला तो विपन्नता ही विपन्नता थी। दियारा क्षेत्र में आवास होने के कारण कई बार विस्थापित होना पड़ा। अभाव भरी जिंदगी में गंगा यानी मां भागीरथी ने जीना सिखाया। महाकुंभ में घटी घटना ने इन्हें इतना उद्वेलित किया कि इन्होंने 'भवानी' नामक हस्तलिखित पत्रिका निकाली और महाकुंभ मेले में भगदड़ के बाद हुई मौत पर सम्पादकीय था। इस हादसे के बाद प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू इलाहाबाद पहुंचे थे और लगभग सौ से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। धीरे-धीरे लेखन से जुड़ाव हुआ तथा नवराष्ट्र में पत्रकार की हैसियत से बिहार के तात्कालीन मुख्यमंत्री भागवत झा आजाद, चन्द्रशेखर सिंह सरीखे लोगों ने भी काम किया। 60 के दशक के पूर्व से ही दैनिक आर्यावर्त से जुड़ गये। तब से उन्होंने कलम का दामन थामा तो जीवन भर थामे रहे। आर्यावर्त का प्रकाशन जब तक होता रहा तब तक उससे जुड़े रहे। उसके बाद जब बिहार से दैनिक 'आज' का प्रकाशन शुरू हुआ तो आज से जुड़कर पत्रकारिता की। पत्रकारिता के क्षेत्र में उनका एक लंबा अनुभव रहा। इस अवधि में उन्होंने न तो मान-सम्मान के साथ समझौता किया, न कलम के साथ सौदेबाजी की और न ही पत्रकारिता की गरिमा को गिरवी रखने का काम किया। पत्रकारिता के क्षेत्र में उन्होंने जो सम्मान और यश अर्जित किया वह अच्छे-अच्छे सम्पादकों को नसीब नहीं होता था। इसका मूल कारण यह था कि वे अहंकार विहीन थे। सादगी पसंद थे और पत्रकारिता का इस्तेमाल समाज कल्याण के लिए किया। पत्रकारिता के कार्यकाल में अनेक उतार-चढ़ाव आये। कितनों को अपने कलम की ताकत का अहसास कराया तो पत्रकारिता के माध्यम से अपने क्षेत्र के विकास के लिए आवाज बुलंद की। लक्ष्मीकांत मिश्र मुंगेर में उस दौर में पत्रकारिता कर रहे थे जब मुंगेर वृहत रूप में था। बेगूसराय, शेखपुरा, लखीसराय, खगड़िया, जमुई आदि मुंगेर जिले का हिस्सा हुआ करता था और इस क्षेत्र से एक से एक राजनेता हुए, साहित्यकार हुए। इस दौर में पत्रकारिता के कारण परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती, रामधारी सिंह दिनकर सरीखे लोगों के ब हुत करीब रहे तो समाजवादी नेता मधुलिमिये, कपिलदेव सिंह, राजो सिंह सहित अनेक लोग पत्रकारिता के कायल रहे। निर्भिकता के साथ सच को सच के रूप में रखा, यह उनकी खासियत थी। पत्रकारिता में खासकर मुफस्सिल के संवाददाताओं की स्थिति से वे खिन्न रहते थे। मुफस्सिल के संवाददाताओं की समस्याएं काफी जटिल थी। बिहार राज्य संवाददाता संघ का गठन कर मुफस्सिल संवाददाताओं को संगठित करने का काम किया। इस अभियान में उनके साथ जुड़े थे डा.ओम प्रकाश साह प्रियंवद, चांद मुसाफिर, मुकुटधारी अग्रवाल, रूद्रदत्त आर्य। इस संगठन के माध्यम से उन्होंने पूरे बिहार में पत्रकारों की एकता को कायम रखने में महती भूमिका अदा की। समय-समय पर इसके अधिवेशन होते रहे। इन अधिवेशनों में सूचना मंत्री बीएन गाडगिल, मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष शिवचन्द्र झा, पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति प्रभा शंकर मिश्र सरीखे अन्य गणमान्य लोग आये और उनके समक्ष मजबूती के साथ उनकी समस्याओं को रखा। आचार्य मिश्र न सिर्फ पत्रकारिता से जुड़े थे बल्कि सामाजिक सरोकारों से गहरा लगाव था। यही कारण था कि आजीवन जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन मुंगेर, पूर्वांचल संयुक्त सदाचार समिति, पूर्वांचल भारत सेवक समाज, ललित स्मृति मंच सहित अनेक संस्थाओं के अध्यक्ष भी थे। पूर्वांचल के साहित्यिक-सांस्कृतिक आयोजनों के तो ये धड़कन थे। इसके अलावा अनेक अधिकारी और राजनेता इन्हें अभिभावक का सम्मान देते थे। पत्रकारिता में भी इन्होंने सामाजिक सरोकार से जुड़े मसले को जिंदा रखा। इन मुद्दों पर उनकी बेबाक कलम चलती थी। पत्रकारिता के क्षेत्र में भले ही ये मुंगेर से जुड़े थे लेकिन दिनमान, दिनमान टाइम्स, जनसत्ता सहित अनेक अखबारों में इनके आलेख आते रहे। इनके आलेख राजनैतिक परिधि में नहीं रहे बल्कि अनेक बिन्दुओं, साहित्यिक सांस्कृतिक और सामाजिक सरोकार के जीवन पहलूओं पर प्रकाशित होते रहे। इनकी रचनाओं में यर्थाथ बोलता था। स्वामी सत्यानंद सरस्वती के साथ इन्होंने आध्यात्म से लेकर के मायानगरी तक का साक्षात्कार किया। जहां स्वामी सत्यानंद सरस्वती के जीवन और दर्शन को बहुत करीब से देखा, वहीं उनके साथ मुम्बई भी गये। मुम्बई में नरगिश, निरूपा राय, साधना, सुनील दत्त, लीला चिटनीश जैसी हस्तियों से मिले और उनके स्मरण तथा साक्षात्कार को उकेरा। पत्रकारिता के क्षेत्र में आ रहे परिवर्तनों से वे चिंतित थे, क्योंकि गरिमा के खिलाफ उठाये गये कदम को वे कतई बर्दाश्त नहीं करते थे। पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती के अनुसार— पांच वर्ष की उम्र से ही आचार्य लक्ष्मीकांत मिश्र से मेरा संपर्क रहा। व्यक्ति का विचार,संस्कार ही नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करता है। आचार्य लक्ष्मीकांत मिश्र ने मूल्यपरक पत्रकारिता की। मुंगेर के सामाजिक कार्यकर्ता राकेश कुमार मंडल के अनुसार पत्रकारिता जैसे गरिमावाले पेशे को कभी कलंकित नहीं होने दिया। शालीनता, सादगी और पेशे की गरिमा कायम रखने के कारण हर कोई श्रद्धा से नतमस्तक हो जाता था। मुंगेर में नाम लेकर पुकारने की किसी में हिम्मत तक नहीं थी। हर कोई उन्हें 'बाबा' कह कर पुकारता था। चाहे प्रशासनिक पदाधिकारी हो या केन्द्र या राज्य सरकार का मंत्री। मुंगेर एवं बिहार के कई घटनाओं के साक्षी थे। युवा पत्रकारों को फुर्सत के क्षणों में उन घटनाओं के किस्से, स्मरण तथा पत्रकारिता के अनुभव को सुनाते थे। उनका कहना था कि 'मैं जीवन की सांध्य बेला में हूं। आने वाला समय तुम्हारा है। अपनी विरासत को बचाये रखो'। अपने पत्रकारिता के अनुभवों को अपनी पुस्तक 'यादों का आईना' में उकेरा है।उनकी स्मृति में हर साल आचार्य लक्ष्मीकांत मिश्र राष्ट्रीय सम्मान सम्मान समारोह का आयोजन योग के परमाचार्य परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती के सानिध्य में होता है। कोविड के कारण आयोजन समिति ने 2020 और 2021में समारोह का आयोजन नहीं किया है।

समान भाषा उपशीर्षक से बच्चों की साक्षरता बढ़ती है

विजय गर्ग

ऑडियो विजुअल सामग्री में समान भाषा उपशीर्षक (एसएलएस) लागू करने से पढ़ने के कौशल को बढ़ावा मिलता है और पढ़ने के अभ्यास को बढ़ावा मिलता है, जिससे कार्यात्मक साक्षरता को बढ़ावा मिलता है। बच्चे एक्सपोज़र के माध्यम से आसानी से बोली जाने वाली भाषा सीख लेते हैं, लेकिन पढ़ना स्वाभाविक रूप से नहीं आता है। पढ़ना, बोलने और सुनने के कौशल से जटिल रूप से जुड़ा हुआ, एक सीखी गई क्षमता है। मौखिकता (मौखिक और गैर-मौखिक संचार) के बीच यह परस्पर क्रिया साक्षरता की नींव बनाती है। उदाहरण के लिए, कई भारतीय बच्चों के लिए, जब उन्हें स्कूल में अंग्रेजी पढ़ने का सामना करना पड़ता है, तो उनके घरों में अंग्रेजी मौखिकता की अनुपस्थिति एक चुनौती बन जाती है। यह पढ़ने की कठिनाइयों को प्रभावित करने वाले कारकों के बारे में सवाल उठाता है, चाहे यह पूरी तरह से शिक्षण विधियों के कारण हो। इस संदर्भ में, समान भाषा उपशीर्षक (एसएलएस) संभावित परिवर्तन के लिए एक आकर्षक अवसर के रूप में उभरता है। एसएलएस क्या है? समान भाषा उपशीर्षक, या एसएलएस, एक सरल अवधारणा है जो ऑडियो के समान भाषा में वीडियो उपशीर्षक को सरलता से जोड़ती है, जो सुनने और पढ़ने को सहजता से जोड़ती है। मूलतः, आप जो सुनते हैं वही पढ़ते हैं। कई अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि एसएलएस संघर्षरत पाठकों के लिए भी पढ़ने के कौशल को सहजता से बढ़ाता है, और स्वचालित पढ़ने के अभ्यास को बढ़ावा देता है, जिससे कार्यात्मक साक्षरता का मार्ग प्रशस्त होता है। यह समकालिक दृष्टिकोण कई विशिष्ट लाभ प्रदान करता है- ध्वन्यात्मक जागरूकता- ध्वन्यात्मक जागरूकता बोले गए शब्दों में व्यक्तिगत ध्वनियों (स्वनिम) को पहचानने और उनके साथ काम करने की क्षमता है। एसएलएस बच्चों को प्रदर्शित पाठ के साथ पढ़ने के लिए प्रेरित करके बोली जाने वाली और लिखित भाषा के बीच संबंध को मजबूत करता है, जो पढ़ने और शब्द डिकोडिंग के लिए एक मौलिक कौशल है। उदाहरण के लिए, जब कोई बच्चा बिल्ली सुनता है और स्क्रीन पर सी-ए-टी देखता है, तो यह सिंक्रनाइज़ अनुभव उनकी ध्वन्यात्मक जागरूकता को बढ़ाता है। शब्दावली विस्तार- शोध प्रारंभिक पढ़ने के गहरे प्रभाव को रेखांकित करता है। अपने बच्चे को रोजाना बच्चों की एक किताब पढ़ाना 5 साल की उम्र तक 1825 किताबें पढ़ने के बराबर है। एसएलएस बोले गए शब्दों को उनके लिखित समकक्षों के साथ जोड़कर इस क्षमता का उपयोग करता है, जो बच्चों की शब्दावली का विस्तार करने और शब्द पहचान को मजबूत करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण बन जाता है। उदाहरण के लिए, जब बच्चे अपना पसंदीदा एसएलएस-संवर्धित शो देखते हैं, तो वे एक साथ शब्द सुनते और देखते हैं, जिससे शब्द सीखना एक सुखद अनुभव में बदल जाता है। समझ- जैसे-जैसे बच्चे एसएलएस के साथ सक्रिय रूप से जुड़ते हैं, वे उच्चारण, स्वर और संदर्भ को डिकोड करते हैं, जिससे कहानी की उनकी समझ बढ़ती है। यह जुड़ाव समझ, प्रवाह और लय को बनाए रखते हुए पढ़ने की गति को तेज करता है। निरंतर अभ्यास और रुचि के साथ, उनकी पढ़ने की गति 200 शब्द प्रति मिनट पढ़ने वाले औसत व्यक्ति की तुलना में 500 शब्द प्रति मिनट तक पहुंच सकती है।

मल्टीसेंसरी लर्निंग- एसएलएस मल्टीसेंसरी लर्निंग की शक्ति का उपयोग करता है, साथ ही दृश्य और श्रवण इंद्रियों को भी जोड़ता है। यह दोहरा संवेदी अनुभव स्मृति प्रतिधारण और याददाश्त को बढ़ाता है, जिससे सीखना अधिक प्रभावी और आनंददायक हो जाता है, ठीक उसी तरह जब हम गाने के बोल सुनते और देखते हैं तो हमें गाने बेहतर तरीके से याद रहते हैं। स्वतंत्रता- एसएलएस बच्चों को सुनते समय पाठ का अनुसरण करने का अधिकार देता है, जिससे उनकी पढ़ने की क्षमताओं में स्वायत्तता और आत्मविश्वास की भावना पैदा होती है। यह स्वतंत्र पढ़ने की प्रथाओं को भी प्रोत्साहित करता है। भाषा सुदृढीकरण- जब आप शब्दों को संदर्भ में सुनते और देखते हैं तो नई भाषा सीखना आसान हो जाता है। उदाहरण के लिए, एक बच्चा जिसकी मूल भाषा मराठी है, एसएलएस-संवर्धित सामग्री के संपर्क में आने पर उसके लिए हिंदी सीखना आसान हो जाएगा।इस प्रकार, एसएलएस संदर्भ के माध्यम से उच्चारण और वाक्यविन्यास को सुदृढ़ करके एक मूल्यवान उपकरण के रूप में कार्य करता है। ऐसी दुनिया में जहां डिजिटल सामग्री सर्वोच्च है, भाषा उपशीर्षक युवा पाठकों को विकसित करने में एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में उभरती है। यह कहानी कहने के आनंद को पढ़ने की कला के साथ सहजता से एकीकृत करता है। जैसे ही हम इस अभिनव दृष्टिकोण को अपनाते हैं, हम न केवल अपने बच्चों की साक्षरता की क्षमता को उजागर करते हैं बल्कि उन्हें एक समय में एक शब्द सीखने और खोज की आजीवन यात्रा शुरू करने के लिए भी सशक्त बनाते हैं।

इजराइल-गाजा संघर्ष से जुड़ी एक बड़ी चिंता सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों के प्रसार की भी है

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के रॉयटर्स इंस्टीट्यूट की डिजिटल न्यूज रिपोर्ट-2023 में 46 देशों के लोगों से खबरें पढ़ने की उनकी आदतों के बारे में पूछा गया। 56 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे इंटरनेट पर मौजूद खबरों के संबंध में असली और फर्जी के बीच फर्क करने को लेकर चिंतित हैं। जैसे ही फलस्तीनी आतंकी समूह हमास के इजराइल पर जानलेवा हमला करने और इजराइल की बदला लेने की धमकी देने की खबरें समाचार नेटवर्क और सोशल मीडिया मंचों पर छाने लगीं, वैसे ही भ्रामक सूचनाओं और फर्जी वीडियो की बाढ़ भी आ गई। देखा जाये तो प्रौद्योगिकी की ताकत का दोहन करने वाले समाज में विश्वसनीय सूचना और झूठे दावों या जानबूझकर प्रसारित की गई भ्रामक वीडियो सामग्री के बीच फर्क करना मुश्किल होता जा रहा है। यह साफ है कि कथित तौर पर इजराइल-हमास संघर्ष से जुड़े कई वीडियो, सोशल मीडिया पोस्ट और तस्वीरें जानबूझकर भ्रम पैदा करने के लिए साझा की गई हैं। यह समस्या दिखाती है कि संघर्षों की रिपोर्टिंग कर रहे पत्रकारों के सत्यापन के प्रयास क्यों अहम हैं।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के रॉयटर्स इंस्टीट्यूट की डिजिटल न्यूज रिपोर्ट-2023 में 46 देशों के लोगों से खबरें पढ़ने की उनकी आदतों के बारे में पूछा गया। 56 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे इंटरनेट पर मौजूद खबरों के संबंध में असली और फर्जी के बीच फर्क करने को लेकर चिंतित हैं। इसके अलावा, यूक्रेन की सीमा से लगे स्लोवाकिया में किए एक सर्वेक्षण में शामिल तकरीबन आधे लोगों ने कहा कि उन्होंने पिछले सप्ताह यूक्रेन संघर्ष के बारे में भ्रामक सूचना देखी थी। साथ ही मीडिया में आई कई खबरों में कहा गया है कि ट्विटर (जिसे अब 'एक्स' के नाम से जाना जाता है) पर इजराइल-हमास संघर्ष को लेकर फर्जी पोस्ट बढ़े हैं। इस बीच, 'द गार्जियन' ने इजराइली निगरानी कंपनी सायाब्रा के आंकड़ों के हवाले से फर्जी पोस्ट के स्तर को दिखाया है। सायाब्रा ने दावा किया कि कई पोस्ट स्वचालित बोट (सॉफ्टवेयर) का इस्तेमाल कर फर्जी खातों से किए जा रहे हैं, जो ट्विटर, टिकटॉक और अन्य मंचों पर काफी सक्रिय हैं। सायाब्रा ने 20 लाख से अधिक तस्वीरें, पोस्ट और वीडियो खंगाले। उसने दावा किया कि 1,62,000 प्रोफाइल में से 25 प्रतिशत फर्जी थीं।

सत्यापन कैसे काम कर सकता है

पिछले कुछ वर्षों में कई पारंपरिक मीडिया संगठनों ने मजबूत फैक्ट-चेकिंग (तथ्य अन्वेषण) शाखाएं बनाई हैं, जो फर्जी खबरों और वीडियो की तुरंत पहचान कर रही हैं। इसका एक उदाहरण 'बीबीसी वेरिफाई' है। 'बीबीसी वेरिफाई' का लक्ष्य यह दिखाकर दर्शकों का भरोसा जीतना है कि उसके पत्रकार कैसे जानते हैं कि वे जो बता रहे हैं, वह सही एवं सटीक है। पत्रकारों की टीम सूचना, वीडियो और तस्वीरों की जांच एवं सत्यापन के लिए आधुनिक संपादन उपकरणों तथा तकनीक का इस्तेमाल करती है। 'बीबीसी वेरिफाई' इजराइल और गाजा के बारे में प्रसारित ऐसे वीडियो तथा सोशल मीडिया पोस्ट की पहचान कर रहा है, जो गलत या भ्रामक पाए गए हैं।

'एपी फैक्ट चेक' और रॉयटर्स ने भी ऑनलाइन भ्रामक सूचना के खिलाफ अभियान चलाया है। रॉयटर्स ने हाल ही में उस वीडियो की सच्चाई पता लगाई, जिसमें दिखाया गया था कि कैसे इजराइल या फलस्तीन मौत के फर्जी फुटेज बनाने की कोशिश कर रहे हैं। समाचार एजेंसी ने बताया कि यह वीडियो क्लिप 2012 में साझा की गई थी।

मैं मणिपुर बोल रहा हूं

श्रीगोपाल नारसन

सुनो,सुनो,सुनो
ध्यान लगाकर सुनो
मैं अपनी बदहाली की
कलई खोल रहा हूं
मैं मणिपुर बोल रहा हूं
कानून व्यवस्था ध्वस्त हुई
पुलिस वहां की पस्त हुई
सरकार अंधी-बहरी है
अराजकता वहां जारी है
नारी अपमान सरे आम हुआ
मानवता का कत्लेआम हुआ
रक्षक भी भक्षक हो गए
प्रहरी घर जाकर सो गए
वहशी हकीकत बोल रहा हूं
मैं मणिपुर बोल रहा हूं
मणिपुर पर राजा मौन है
राहत के नाम पर गौण है
ख्याली पुलाव वह पका रहा
घिडयाली आंसू बहा रहा
नारी अस्मिता की फिक्र नही
हिंसा,अमानवीयता रुकी नही
खतरे में वहां की नारी है
बेबसता उनकी लाचारी है
अहिंसा पर हिंसा भारी है
नही न्याय की कोई तैयारी है
जलते जज्बात खोल रहा हूं
मैं मणिपुर बोल रहा हूं
राजा अब तो कुछ बोलो
मणिपुर से रूबरू हो लो
हालात काबू में आ जाए
ऐसा कोई स्टेप ले लो
चुनाव से पहले करके दिखाओ
जनता को यूं न बहकाओ
वर्ना जनता सब जानती है
हकीकत वह पहचानती है
मैं यह सब सच बोल रहा हूं
मैं मणिपुर बोल रहा हूं।

नवरात्रि को कहा जाता है नौ शक्तियों के मिलन का पर्व

योगेश कुमार गोयल

शारदीय नवरात्रि की शुरुआत इस वर्ष 15 अक्तूबर से हुई है, जिनका समापन 23 अक्तूबर को होगा। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्रि पर्व की शुरूआत हो चुकी है। आदि शक्ति दुर्गा की पूजा के इस पावन पर्व का विशेष महत्व माना जाता है। नवरात्रि के ये नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत इस वर्ष 15 अक्तूबर से हुई है, जिनका समापन 23 अक्तूबर को होगा। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया। मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस

हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं। दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है। दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुई। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड्ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं। नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं।

नवरात्रि पर पाना चाहते हैं माता रानी का आशीर्वाद, तो जरूर करें इन 52 शक्तिपीठों के दर्शन

अनन्या मिश्रा

इस बार 15 अक्टूबर 2023 से शारदीय नवरात्रि की शुरूआत हो रही है। शारदीय नवरात्रि के चलते मां दुर्गा के 9 रूपों की पूजा की जाती है। हिन्दू धर्म में माता के शक्तिपीठ की पूजा का बहुत महत्व है। इन सभी शक्तिपीठों के पीछे एक पौराणिक कथा है। इस बार 15 अक्टूबर 2023 से शारदीय नवरात्रि की शुरूआत हो रही है। शारदीय नवरात्रि के चलते मां दुर्गा के 9 रूपों की पूजा की जाती है। माता रानी के भक्त मंदिरों में उनके दर्शन के लिए जाते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मां दुर्गा के 52 शक्तिपीठ मंदिरों के बारे में बताएंगे जोकि भारत के अलग-अलग राज्यों में स्थित हैं। हिन्दू धर्म में माता के शक्तिपीठ की पूजा का बहुत महत्व है। इन सभी शक्तिपीठों के पीछे एक पौराणिक कथा है। आइए जानते हैं इन 52 शक्तिपीठ मंदिरों के बारे में और इसकी पौराणिक कथाओं के बारे में।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब राजा दक्ष ने अपने महल में विराट यज्ञ का आयोजन किया था। तो इस यज्ञ में उन्होंने अपनी सबसे छोटी बेटी सती और दामाद भोलेनाथ को आमंत्रित नहीं किया। लेकिन फिर भी भोलेनाथ के कहने पर माता सती अपने पिता के यज्ञ कार्य में शामिल हुईं। सती को वहां पर देखकर राजा दक्ष क्रोधित हो गए और सती के सामने ही शिवशंकर का अपमान करने लगे। माता सती अपने पति का अपमान नहीं सह सकीं और उसी क्षण वहां जल रही पवित्र अग्निकुंड में कूद कर अपने प्राण त्याग दिए।

यह देखकर शिवशंकर बहुत क्रोधित हुए और माता सती के शव को लेकर तांडव करने लगे। उनके तांडव को शान्त करने का साहस किसी में भी न था। यह देखकर, भगवान शंकर के गुस्से को शांत करने के लिए विष्णु भगवान ने अपना सुदर्शन चक्र छोड़ दिया। उस चक्र से माता सती के शरीर के कई टुकड़े हो गए और जमीन पर गिर गए। माता सती के शरीर के अंग जहां-जहां भी गिरे उन स्थानों पर शक्तिपीठ बन गए। आइए जानते हैं माता सती के शक्तिपीठ मंदिर कहां-कहां पर स्थित हैं।

माता के 52 शक्तिपीठ

1. मणिकर्णिका घाट

मणिकर्णिका का अर्थ है कान के झुमके। इस स्थान पर माता सती के कान के झुमके गिरे थे। यह स्थान उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित है।

2. माता ललिता देवी शक्तिपीठ

इस स्थान पर माता सती के हाथ की अंगुली गिरी थी। माता ललिता देवी शक्तिपीठ प्रयागराज में स्थित है।

3. रामगिरी शक्ति पीठ

इस स्थान पर माता सती का दायां स्तन गिरा था। यह उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में स्थित है।

4.कात्यायनी शक्तिपीठ

इस स्थान पर माता सती के बाल के गुच्छ और चूड़ामणि गिरे थे। यह स्थान वृंदावन में स्थित है।

5. देवी पाटन मंदिर

देवी पाटन मंदिर बलरामपुर में स्थित है। इस स्थान पर माता सती का बायां स्कंध गिरा था।

6. हरसिद्धि देवी शक्तिपीठ

यह स्थान मध्य प्रदेश में स्थित है। यहां पर माता सती की कोहनी गिरी थी।

7. शोणदेव नर्मता शक्तिपीठ

यह स्थान मध्यप्रदेश के अमरकंटक में है। यहां पर माता सती का दांया नितंब गिरा था।

8. नैना देवी मंदिर

यहां पर देवी सती की आंख गिरी थी। यह स्थान हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में शिवालिक पर्वत पर स्थित है।

9. ज्वाला जी शक्तिपीठ

इस स्थान पर माता सती की जीभ गिरी थी। यह स्थान हिमाचल के कांगड़ा में स्थित है।

10. त्रिपुरमालिनी माता शक्तिपीठ

इस स्थान पर माता का बायां स्तन गिरा था। पंजाब के जालंधर में है स्थित है।

11. पहलगाम शक्तिपीठ

इस स्थान पर माता सती का गला गिरा था। यह शक्तीपीठ कश्मीर में स्थित है।

12. सावित्री शक्तिपीठ

यह स्थान हरियाणा के कुरुक्षेत्र में है। इस स्थान पर माता के पैर की एड़ी गिरी थी।

13. मणिबंध शक्तिपीठ

इस स्थान पर माता सती की दो पहुंचियां गिरी थीं। मणिबंध शक्तिपीठ अजमेर के पुष्कर में स्थित है।

14.बिरात शक्तिपीठ

इस स्थान पर माता सती के बाएं पैर की उंगलियां गिरी थीं। बिरात शक्तिपीठ राजस्थान में स्थित है।

15. अंबाजी शक्तिपीठ मंदिर

अंबाजी शक्तिपीठ मंदिर गुजरात में है। यहां माता सती का हृदय गिरा था।

16. चंद्रभागा शक्तिपीठ

चंद्रभागा शक्तिपीठ गुजरात के जूनागढ़ में स्थित है। इस स्थान पर देवी सती का आमाशय गिरा था।

17. भ्रामरी शक्तिपीठ

भ्रामरी शक्तिपीठ का यह मंदिर महाराष्ट्र में स्थित है। इस जगह पर माता की ठोड़ी गिरी थी।

18. माताबाढ़ी पर्वत शिखर शक्तिपीठ

यह मंदिर त्रिपुरा में है। इस स्थान पर माता का दायां पैर गिरा था।

19. कपालिनी शक्तिपीठ

यह मंदिर बंगाल में है। यहां माता सती की बायीं एड़ी गिरी थी।

20. देवी कुमारी शक्तिपीठ

यह स्थान बंगाल के हुगली में है। यहां पर माता सती का दायां कंधा गिरा था।

21. विमला शक्तिपीठ

विमला शक्तिपीठ बंगाल के मुर्शीदाबाद में है। यहां पर देवी सती का मुकुट गिरा था।

22. त्रिस्रोता भ्रामरी शक्तिपीठ

यह शक्तिपीठ बंगाल के जलपाइगुड़ी में है। यहां पर माता सती का बायां पैर गिरा था।

23. बहुला देवी शक्तिपीठ

यह पश्चिम बंगाल के वर्धमान में स्थित है। इस मंदिर में माता का बायां हाथ गिरा था।

24. मंगल चंडिका माता शक्तिपीठ

यह शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल केउज्जयिनी में स्थित है। यहां पर माता सती की दायीं कलाई गिरी थी।

25. महिषमर्दिनी शक्तिपीठ

महिषमर्दिनी शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल के वक्रेश्वर में स्थित है। इस स्थान पर देवी सती का भ्रूमध्य गिरा था।

26. नलहाटी शक्तिपीठ

नलहाटी शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल के बीरभूम के नलहाटी में स्थित है। यहां माता सती के पैर की हड्डी गिरी थी।

27. इन्द्राक्षी शक्तिपीठ

इन्द्राक्षी शक्तिपीठ श्रीलंका के जाफना नल्लूर में है। इस जगह पर देवी सती की पायल गिरी थी।

28. गुहेश्वरी शक्तिपीठ

गुहेश्वरी शक्तिपीठ नेपाल में पशुपतिनाथ मंदिर से कुछ दूरी पर स्थित है। इस स्थान पर मां सती के दोनों घुटने गिरे थे।

29. आद्या शक्तिपीठ

आद्या शक्तिपीठ नेपाल में गंडक नदी के पास में है। ऐसा कहा जाता है कि यहां माता सती का बायां गाल गिरा था।

30.दंतकाली शक्तिपीठ

दंतकाली शक्तिपीठ नेपाल के बिजयापुर गांव में है। इस जगह पर माता सती के दांत गिरे थे।

31. मनसा शक्तिपीठ

मनसा शक्तिपीठ तिब्बत में मानसरोवर नदी के पास में स्थित है। यहां पर माता सती की दाईं हथेली गिरी थी।

32.मिथिला शक्तिपीठ

मिथिला शक्तिपीठ भारत-नेपाल सीमा पर स्थित है। इस स्थान पर माता सती का बायां कंधा गिरा था।

33. हिंगुला शक्तिपीठ

हिंगुला शक्तिपीठ पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित है। इस जगह पर माता सती का सिर गिरा था।

34. फुल्लारा देवी शक्तिपीठ

माता सती का यह मंदिर पश्चिम बंगाल के अट्टहास में स्थित है। यहां पर माता सती के होंठ गिरे थे।

35. नंदीपुर शक्तिपीठ

नंदीपुर शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल में है। इस स्थान पर माता सती का हार गिरा था।

इसके अलावा माता सती के 17 शक्तिपीठ और भी हैं। जिनके नाम मां भद्रकाली देवीकूप मंदिर, चट्टल भवानी शक्तिपीठ, सुगंधा शक्तिपीठ, जयंती शक्तिपीठ, श्रीशैल महालक्ष्मी, यशोरेश्वरी माता शक्तिपीठ, युगाधा शक्तिपीठ, कलिका देवी शक्तिपीठ, कांची देवगर्भ शक्तिपीठ, भद्रकाली शक्तिपीठ, शुचि शक्तिपीठ, सर्वशैल रामहेंद्री शक्तिपीठ, कामाख्या शक्तपीठ, श्रीशैलम शक्तिपीठ और कर्नाट शक्तिपीठ आदि हैं।

श्रीरामचरितमानस बाल काण्ड अध्याय-1 की मुख्य बातें

सुखी भारती

गोस्वामी जी ने मंगलाचरण में जो सर्वप्रथम श्रीगणेश जी की वंदना की है, वे श्रीगणेश जी बुद्धि व विवेक के देवता माने जाते हैं। आप शब्दों पर ध्यान देंगे तो पायेंगे, कि हमने कहा, कि श्रीगणेशजी बुद्धि व विवेक के देवता हैं। बुद्धि तो ठीक है, लेकिन यह 'विवेक' किसे कहा गया है। आसमाँ दूर से दिखने में भले ही अर्थहीन-सा लगे। शायद बुद्धि कहे, कि नीले से दिखने वाले इस आसमाँ के पास आखिर है ही क्या? खाली-खाली-सा ही तो है। लेकिन जिन्होंने इस आसमाँ के शिखरों को छूने के सार्थक प्रयास किये हैं, उन्होंने ही बताया है, कि यह वही आसमाँ है, जिसमें हजारों लाखों गैलेक्सीयां हैं। अनंत विशालता की गोद में विश्राम कर रहे सूर्य, चाँद व अनंत पृथवीयाँ हैं। अथाह रहस्यों की ऐसी अनकही कहानियाँ हैं, जिन्हें आज तक किसी दादी ने किसी को सुनाया ही नहीं। अनंत कथाओं की अनंत गाथायों में छुपा है, अनंत ज्ञान का, अनंत स्त्रोत।

ठीक इसी प्रकार से जब हम भगवान श्रीराम जी की पावन गाथाओं के रसपान की बात करते हैं, तो सहज ही ध्यान इंगित हो उठता है, 'श्रीरामचरित मानस' की ओर। दिखने में यह सनातन पुनीत ग्रंथ एक पुस्तक ही प्रतीत हो सकता है। लेकिन यह महान पावन ग्रंथ निश्चित ही आसमाँ जैसी अद्भुत व दिव्य विशेषताओं से लबालब है। इसमें न केवल भगवान श्रीराम जी की अमृतमयी जीवंत दिव्य लीलायें तो हैं ही, साथ में 'मेरे-तेरे' जैसे साधारण जीवों पर किए उच्च कोटि के भी शोध हैं। जो हमें मानव जीवन के कठिन पथ पर, पग-पग पर हमें राह दिखाते हैं। यूँ कहें, कि श्रीरामचरित मानस वह अक्षयपात्र है, जिसमें संसार के महान से महान रत्न तो हैं ही, साथ में वे रत्न कभी न समाप्त होने वाले तथा सदैव सदमार्ग पर ले जाने वाले व सुखदायक भी हैं। आज से हम इसी महान ग्रंथ को 'बाल काण्ड' से प्रसाद रूप में ग्रहण करने का शुभारम्भ करने जा रहे हैं।

जिसका श्रीगणेश होता है श्रीगणेश जी एवं माँ सरस्वती जी की पावन वंदना से-

'वर्णानामर्थसंघनां रसानां छनदसामपि।
मंगलानां च कर्त्तारौ वन्दे वाणीविनायकौ।।'

अर्थात अक्षरों, अर्थ समूहों, रसों, छन्दों और मंगलों को करने वाली सरस्वतीजी और गणेशजी की मैं वंदना करता हूँ।

उसके पश्चात मैं ज्ञानपमय, नित्य, शंकर रूपी गुरु की मैं वंदना करता हूँ, जिनके आश्रित होने से ही टेढ़ा चन्द्रमा भी सर्वत्र वन्दित होता है-

'बन्दे बोधमय नित्यं गुरुं शंकररुपिणम।
यमाश्रितो हि वक्रोऽपि चन्द्रः सर्वत्र वन्द्यते।।'

इसके पश्चात गोस्वामी तुलसीदास जी कवियों में श्रेष्ठ महर्षि वाल्मीकि जी एवं भक्त शिरोमणि श्रीहनुमान जी की वंदना करते हैं। तद्पश्चात माता सीता जी एवं समस्त गुणों व कलायों के धाम श्रीराम जी की वंदना करते हैं।

गोस्वामी जी ने मंगलाचरण में जो सर्वप्रथम श्रीगणेश जी की वंदना की है, वे श्रीगणेश जी बुद्धि व विवेक के देवता माने जाते हैं। आप शब्दों पर ध्यान देंगे तो पायेंगे, कि हमने कहा, कि श्रीगणेशजी बुद्धि व विवेक के देवता हैं। बुद्धि तो ठीक है, लेकिन यह 'विवेक' किसे कहा गया है। कारण कि बुद्धि तो परमात्मा ने सभी जीवों को दी है। नन्हें से नन्हें कीट में भी बुद्धि का प्रवाह पाया जाता है। लेकिन क्या मात्र बुद्धि का मिल जाना ही समस्त सुखों का आधार हो जाता है। जी नहीं! कारण कि बुद्धि जब तक अपने विशुद्ध सामान्य रूप में है, तो जीव इससे अपने सामान्य दैनिक कार्य अच्छे से कर सकता है। लेकिन अगर बुद्धि अपने सामान्य स्तर से नीचे गिर गई, तो निश्चित ही यह पतन का कारण बन जाती है। बुद्धि का यह गिरना ही 'कुबुद्धि' का होना कहलाता है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रक-डंपर में टक्कर, ट्रक चालक घायल, चार घंटे जाम

उन्नाव। हरदोई-उन्नाव मार्ग पर चकलवंशी पेट्रोल पंप के पास शनिवार सुबह करीब चार बजे ट्रक और डंपर में आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में ट्रक का चालक घायल हो गया। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर भाग गया। इससे उसे हटवाने में पुलिस को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दोनों तरफ करीब दस किमी लंबा जाम लग गया। हाइड्रा की मदद से पुलिस ने दोनों वाहनों को किया तब, चार घंटे बाद वाहनों का आवागमन शुरू हो पाया। बरेली जिले के भोजपुरा थानाक्षेत्र के इटौआ केदारनाथ निवास कमरुद्दीन का पुत्र शकील (27) ट्रक चालक है। वह गांव के ही क्लीनर सलमान पुत्र शौकत के साथ बाजपुर से ट्रक में गिट्टी लादकर कौशांबी जा रहा था। हरदोई-उन्नाव मार्ग पर शनिवार भोर पहर करीब चार बजे चकलवंशी पेट्रोल पम्प के पास उन्नाव की ओर से आ रहे डंपर से उसकी टक्कर हो गई। हादसे में ट्रक छतिग्रस्त हो गया और चालक का पैर फंस गया। क्लीनर को भी मामूली चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से चालक को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों का आवागमन ठप हो गया। पुलिस ने सड़क किनारे खड़े पेड़ की डाल कटवा कर एक छोर से वाहनों को पास कराया गया। पुलिस ने दो केनों की मदद से ट्रक और डंपर को सड़क से हटवा कर आवागमन शुरू कराया। शनिवार सुबह करीब नौ बजे यातायात सामान्य हो पाया।

दो किसानों के घर में तीन लाख की चोरी

उन्नाव। किसानों के दो घरों को चोरों ने निशाना बनाया। दीवार फांदकर घर के अंदर दाखिल हुए चोरों ने तीन लाख कीमत का माल पार कर दिया। पीड़ितों की तहरीर पर पुलिस जांच कर रही है। बांगरमऊ कोतवाली के गांव सुल्तानपुर निवासी आजाद खेती कर परिवार का पालन पोषण करता था। वह परिजनों के साथ दूसरे कमरे में सो रहा था। शुक्रवार रात दीवार फांदकर घर में दाखिल हुए चोरों ने कमरे में रखा बक्सा खोलकर उसमें रखा सोने और चांदी का करीब डेढ़ लाख का सामान, चार हजार की नगदी सहित अन्य सामान पार कर दिया और मेन दरवाजे को खोलकर निकल गए। रात करीब दो बजे आजाद की बेटी सुबूही पानी पीने के लिए उठी तो उसने दरवाजा खुला देखा। रात में ही डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस ने जांच की। कोतवाल ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सुल्तानपुर में चोरी हुई है। जांच चल रही है। हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के अहमदपुर वादे गांव निवासी कन्हैयालाल खेती करते हैं। शुक्रवार रात दीवार फांदकर घर के अंदर चोर दाखिल हो गए। चोरों ने कमरे में रखे बक्से और अलमारी में रखा एक लाख कीमत का सामान और बीस हजार रुपये की नगदी ले गए। पीड़ित ने पुलिस को बताया। कोतवाल राजेश्वर त्रिपाठी ने बताया कि जांच की जा रही है।

बीपीएचयू की जांच करने गई टीम को बिल्डिंग पर लटका मिला ताला

संभल। बीपीएचयू की जांच करने गई टीम को बिल्डिंग पर ताला लटका मिला। इसके चलते टीम भवन की बाहरी जांच कर वापस लौट आई। वहीं टीम की ओर से कार्यदाई संस्था को पत्र जारी कर जांच के लिए अगली तिथि पर तलब किया है। बहजोई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में निर्माणाधीन ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट की बिल्डिंग में अनियमितता की जांच को लेकर भौतिक सत्यापन करने के लिए सीडीओ कमलेश सचान की ओर से टीम का गठन किया गया था। इसको लेकर बीपीएचयू के निर्माण में मानक व गुणवत्ता की हकीकत जानने को टीम में शामिल अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत आशीष कुमार सिंह समेत परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण ज्ञान सिंह तथा सहायक अभियंता कमलकांत शर्मा को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। शुक्रवार को दोपहर एएमए समेत पीडी व एई बीपीएचयू की जांच के लिए सीएचसी पहुंचे और बिल्डिंग की जांच शुरू कर दी। बाद में यूनिट की जांच उस समय अधूरी रह गई, जबकि जांच टीम को बिल्डिंग के द्वार पर ताला लटका मिला। जांच अधिकारियों में एएमए व पीडी ने बताया कि बिल्डिंग की बाहरी जांच तो कर ली गई है, लेकिन बिल्डिंग के द्वार पर ताला मिलने के कारण अंदर बने कक्षों व हॉल आदि की जांच नहीं हो सकी। इसको लेकर कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि से दूरभाष पर बात कर सोमवार को बुलाया गया है। सोमवार को कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि की मौजूदगी में बिल्डिंग के अंदर जांच पड़ताल कर आख्या अधिकारियों को सौंप दी जाएगी।

महिलाओं को जागरूक करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में कराई जाए बैठक-डीएम

संभल। महिलाओं को जागरूक करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में बैठक कराई जाए। यह बात डीएम मनीष बंसल ने कही। वह शुक्रवार को शाम कलक्ट्रेट सभागार में हुई कानून व्यवस्था की बैठक में प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। डीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के प्रति अति संवेदनशील है। इसको लेकर किसी भी थाना क्षेत्र में महिलाओं के साथ छेड़खानी की घटना न होने पाए। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति फेज-4 अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं को लेकर संवाद करते हुए महिलाओं को जागरूक किया जाए। इसके अलावा पटाखों की बिक्री को लेकर स्थान व लाइसेंस आदि को भी चेक किया जाए। एसपी कुलदीप सिंह गुनावत ने कहा कि मिशन शक्ति के तहत शनिवार को सुबह आठ बजे रिजर्व पुलिस लाइन परिसर से रैली निकाली जाएगी। रैली बहजोई व चंदौसी का भ्रमण करेगी। इसमें महिला जागरूकता को लेकर प्रचार सामग्री का वितरण किया जाएगा। रैली का समापन कलक्ट्रेट परिसर में होगा। एसपी ने कहा कि नवरात्र को लेकर दुर्गा पंडाल समेत सभी मंदिरों पर पुलिस की तैनाती की जाए। साथ ही सभी पुलिस अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहें। इस बीच सीडीओ कमलेश सचान समेत एडीएम प्रदीप वर्मा व एएसपी श्रीशचंद्र तथा प्रशासन व पुलिस समेत विभागीय अधिकारी रहे।

सड़क हादसे में महिला की हुई मौत, रात भर शव को रौंदते रहे वाहन

शाहजहांपुर। थाना क्षेत्र में मानसिक मंदित महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई। शव रातभर हाईवे पर पड़ा रहा और वहां से गुजरने वाले वाहन शव को रौंदते रहे। महिला की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है। एक ग्रामीण ने शुक्रवार सुबह कांट-जलालाबाद हाईवे पर रामपुर मोड़ के पास महिला का शव पड़ा देखा। उसके पैर काफी कुचले हुए थे। सूचना पर कांट पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि महिला कहीं बाहर से यहां आ गई थी। उसकी मानसिक हालत भी ठीक नहीं थी। वह सड़क पर घूमती रहती थी और लोगों से मांगकर पेट भरती थी। बताया जा रहा है कि रात में किसी समय किसी वाहन की टक्कर से उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी जयशंकर सिंह ने बताया कि आसपास के लोगों के मुताबिक, महिला यहां-वहां घूमती रहती थी। उसकी शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

बिजनौर में एक युवक ने बड़े भाई को मार डाला, शामली में तीन युवक यमुना नदी में डूबे

सहारनपुर। सहारनपुर में कोतवाली सदर बाजार क्षेत्र में जिला अस्पताल पुल के नीचे रेलवे ट्रैक पर कोतवाली सदर बाजार में तैनात उप निरीक्षक योगेंद्र शर्मा ने आत्महत्या की कोशिश की। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बचा लिया। हालांकि ट्रेन की चपेट में आने से उनके हाथ की हड्डी टूट गई। जिला अस्पताल से उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि दरोगा मानसिक तनाव में रहते हैं, लेकिन आत्महत्या के कारण पुलिस को नहीं पता लग पा रहे हैं।

दिव्यांग बच्चों की शिक्षा में मदद करेगा एलेक्सा डिवाइस

संतकबीरनगर। दिव्यांग बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए शुक्रवार को जूनियर हाईस्कूल खलीलाबाद और मॉडल प्राथमिक विद्यालय खलीलाबाद में एलेक्सा डिवाइस वितरित किया गया। सांसद प्रवीण निषाद ने दिव्यांग बच्चों के लिए सरकार की ओर से संचालित योजनाओं के बारे में बताया। सांसद प्रवीण निषाद ने दोनों स्कूलों को एलेक्सा डिवाइस वितरित किया। कहा कि इलेक्ट्रानिक उपकरणों के अधिकतम प्रयोग से हम दिव्यांग बच्चों की शिक्षा को बेहतर बना सकते हैं। सभी को शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयं सेवी संगठनों के माध्यम से पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इससे दिव्यांग बच्चों के साथ सामान्य बच्चों को भी लाभान्वित किया जाएगा। बीएसए अमित कुमार सिंह ने बताया कि डीसी समेकित शिक्षा के साथ 24 विशेष अध्यापकों की टीम कार्यरत है, जो विभिन्न दिव्यांग बच्चे के लिए विशेषज्ञ के रूप में कार्य करती हैं। समस्त परिषदीय विद्यालयों में दिव्यांग बच्चों की नोडल टीचर के माध्यम से शिक्षा दिलाई जा रही है। जिन विद्यालयों में तकनीकी रूप से सहयोग की आवश्यकता होती है, वहां स्पेशल एजुकेटर समर्थ रूप के माध्यम से सहयोग प्रदान करते हैं। जिला समन्वयक समेकित शिक्षा रजनीश बैद्यनाथ में कहा कि इस वर्ष 13 विद्यालयों को एलेक्सा डिवाइस उपलब्ध कराया जाना है। इस अवसर पर आनंद त्रिपाठी, सतविंदर पाल, प्रधानाध्यापिका विजय लक्ष्मी, अनुराधा, व्यायाम शिक्षक इंद्रेश पांडेय, अर्चना त्रिपाठी, विश्वनाथ विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती- 260 बच्चों ने पेंटिंग और विज्ञान के 72 मॉडल बनाकर मिसाइल मैन को किया याद

वाराणसी। चित्रकला प्रतियोगिता में किसी ने एपीजे अब्दुल कलाम तो किसी ने चंद्रयान-3, किसी ने आदित्य एल-1 का चित्र बनाया। ज्यादातर छात्रों ने एपीजे अब्दुल कलाम के चित्र बनाकर उन्हें याद किया। एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती (15 अक्तूबर) के उपलक्ष्य में शनिवार को अमर उजाला की ओर से हैप्पी मॉडल स्कूल कुरहुआं में विज्ञान व चित्रकला प्रदर्शनी लगाई गई। स्कूल की पांच शाखाओं कुरहुआं, सिगरा, पहड़िया, रामकटोरा, डीआईजी कॉलोनी के 260 बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। बच्चों ने कुल 72 मॉडल बनाए। मुख्य अतिथि और जज आईआईटी बीएचयू के फिजिक्स विभाग के प्रोफेसर डॉ. प्रभाकर सिंह और इम्प्लॉयर स्मृति सिंह रहीं।

प्रतियोगिता में बच्चों ने विज्ञान से जुड़े एक से बढ़कर एक मॉडल प्रस्तुत किए। प्रोफेसर डॉ. प्रभाकर सिंह और स्मृति सिंह ने हैप्पी मॉडल स्कूल रामकटोरा के अनंत, फातिमा, अंशु, आयुष और रौनक के बनाए गए एयर प्यूरीफायर मॉडल को पहला स्थान दिया।

हैप्पी मॉडल स्कूल डीआईजी कॉलोनी के मानस, कृष्णा, इशिता, सैयद, मीशु के हाइड्रोलिक ब्रिज को दूसरा स्थान मिला। तीसरा स्थान सिगरा की अग्निशा को मिला। जिसने आदित्य एल-1 और चंद्रयान-3 का मॉडल प्रस्तुत किया। चौथा स्थान इलेक्ट्रिक व्हीकल को मिला। जिसे सिगरा ब्रांच की प्रियांशी ने बनाया था। सिगरा ब्रांच की अनुष्का कुमारी के फायर सेफ्टी मॉडल को पांचवां स्थान मिला। इस दौरान प्रवीश कुमार सिंह, विनोद पांडेय, अनिर्वाण भट्टाचार्य मौजूद रहे।

चित्रकला प्रतियोगिता में किसी ने एपीजे अब्दुल कलाम तो किसी ने चंद्रयान-3, किसी ने आदित्य एल-1 का चित्र बनाया। ज्यादातर छात्रों ने एपीजे अब्दुल कलाम के चित्र बनाकर उन्हें याद किया। दो वर्गों की प्रतियोगिता में ग्रुप ए में कक्षा 6 से 8 और दूसरे ग्रुप बी में कक्षा 9 से 12 तक के बच्चों ने हिस्सा लिया।

ग्रुप ए में पहला स्थान निखिल प्रजापति दूसरा स्थान यशस्वी और तीसरा स्थान कार्तिक सिंह को मिला। ग्रुप बी में अंशिका को प्रथम, आयुष कुमार को दूसरा और शुभांगी गुप्ता को तीसरा स्थान मिला। वाराणसी के शिवपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अहिरान चमांव शिवपुर में हिंद केसरी पहलवान की स्मृति में हर वर्ष की भांति पितृ विसर्जन पर विशाल दंगल का आयोजन हुआ। 75 हजार रुपये की इनामी कुश्ती की शुरुआत राष्ट्रीय पहलवान बनवारी पहलवान एवं अंतर्राष्ट्रीय पहलवान रामजी पहलवान ने की। आयोजन में कई प्रदेशों से आए पहलवानों ने कुश्ती के दांव-पेंच दिखाए।

मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के खेल राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय खेलों में महत्वपूर्ण खेल दंगल है। कुश्ती करने से युवा शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार के द्वारा लगातार इसी तरीके की प्रतियोगिता कराने का पूरा प्रयत्न किया जा रहा है। जिससे विद्यार्थियों में खेल के प्रति जागरूकता बढ़े। इस दौरान विधायक डॉ. सुनील पटेल, पूर्व एमएलसी डॉ. शिवनाथ यादव, निदेशक रक्षा मंत्रालय डॉ. हर्षवर्धन सिंह, जिला पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य रामधारी यादव आदि मौजूद रहे।

लग्जरी कार से हो अंग्रेजी शराब की तस्करी, ड्राई स्टेट बिहार पहुंचाने की थी तैयारी, एक गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी के बरेका गेट के पास से मंडुवाडीह थाने की पुलिस ने एक कार से बिहार ले जाई जा रही अंग्रेजी शराब की 383 बोतल बरामद की। शराब की कीमत तीन लाख 25 हजार रुपये है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बिहार में शराब बंदी है। बड़े वाहनों से शराब की खेप ले जाने पर पकड़े जाने का डर रहता है। बिहार में शराब पर बैन के बावजूद तस्कर उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों से शराब की तस्करी बिहार में करते हैं। ऐसे में यूपी पुलिस लगातार इसपर बड़ी और प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में वाराणसी कमिश्नरेट की पुलिस ने लग्जरी कार से बिहार ले जाए जा रही लाखों की शराब पकड़ने में सफलता हासिल की है। वाराणसी से बिहार की राजधानी पटना जा रही इस शराब के साथ एक तस्कर भी गिरफ्तार हुआ है। बरेका गेट के पास से मंडुवाडीह थाने की पुलिस ने एक कार से बिहार ले जाई जा रही अंग्रेजी शराब की 383 बोतल बरामद की। कार और शराब के साथ गिरफ्तार आरोपी की पहचान पटना के दीघा थाना के कुर्जी बालू निवासी अमित कुमार के रूप में हुई। मंडुवाडीह थानाध्यक्ष विमल कुमार मिश्रा ने बताया कि थाने की क्राइम टीम को सूचना मिली थी कि शहर के ठेकों से शराब की बोतलें खरीद कर बिहार ले जाकर ऊंचे दाम पर बेचने का काम कुछ लोग करते हैं। सूचना के आधार पर क्राइम टीम ने बरेका गेट के पास से एक कार से शराब बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

कार से बरामद हुई शराब की कीमत तीन लाख 25 हजार रुपये है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बिहार में शराब बंदी है। बड़े वाहनों से शराब की खेप ले जाने पर पकड़े जाने का डर रहता है। कार से शराब ले जाने पर पुलिस ध्यान नहीं देती है। बिहार में प्रिंट रेट से 250 से 300 रुपये तक ज्यादा कीमत में एक बोतल आसानी से बिक जाती है।

लाल चूनर ओढ़कर पधारो मोरी मैय्या

उन्नाव। शारदीय नवरात्रों को लेकर घरों व मंदिरों में देर शाम तक साफ-सफाई होती रही। कई देवी मंदिरों में रंगरोगन भी किया गया। उपवास, पल और पूजन सामग्री की खरीदारी होने से बाजारों में भीड़ रही। मंदिरों के बाहर फूलों व नारियलों की दुकानें सज गईं। इसके साथ ही लोगों ने माता की अगवानी के लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। शारदीय नवरात्र प्रारंभ हो रहे हैं। शनिवार को शहर के बड़े दुर्गा मंदिर, पौराणिक कल्याणी मंदिर, आवास विकास स्थित दुर्गा मंदिर, कालेज रोड स्थित गायत्री मंदिर, बाईपास स्थित अन्नपूर्णा धाम सहित अन्य मंदिरों में माता के पूजन को लेकर पुजारियों व अन्य भक्तों ने मिलकर साफ-सफाई की। देरशाम तक परिसर की धुलाई व मूर्ति को चमकाने का सिलसिला चलता रहा। यही नहीं मंदिरों का रंगरोगन किया गया। घरों में भी भक्तों ने साफ सफाई की। घरों में भक्त कलश स्थापना कर माता का पूजन करते हैं।

इसलिए लोग बाजारों में पूजन सामग्री खरीदते देखे गए। महंगाई के चलते लोगों को फल-फूल, चुनरी, नारियल, सिंदूर, चूड़ी आदि जरूरत की भी वस्तु खरीदने में कुछ ज्यादा ही पैसा खर्च करना पड़ा। मां दुर्गा एवं कुशहरी देवी मंदिर की साज सज्जा एवं रंग रोगन को अंतिम रुप दिया गया। मंदिरों में कमेटी के लोग व्यवस्था चाक चौबंद करने में लगे रहे। मंदिरों के आसपास व आने जाने वाले रास्तों को भी चमाचम किया गया। चूने का छिड़काव भी किया गया। इसके अलावा फूलों व नारियल वालों ने भी अपनी दुकानें सजा लीं।

शहर को सेफ सिटी बनाने के लिए तैयार करें कार्ययोजना -डीएम

संतकबीरनगर। डीएम महेंद्र सिंह तंवर व एसपी सत्यजीत गुप्ता की संयुक्त अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें खलीलाबाद शहर को सुरक्षा की दृष्टिकोण से सेफ सिटी के रूप में विकसित किए जाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। बैठक में डीएम ने एनएचएआई के प्रतिनिधि से सर्विस रोड की मरम्मत कराने एवं पथ प्रकाश व्यवस्था को ठीक कराए जाने के संबंध में जानकारी मांगी। समुचित जवाब न दे पाने के कारण डीएम ने नाराजगी जताते हुए इस दिशा में विलंब कार्रवाई करने तथा अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी से समन्वय स्थापित कर कार्य कराने के निर्देश दिए। डीएम ने बैठक के दौरान ही परियोजना निदेशक एनएचएआई से इस संबंध में मोबाइल पर वार्ता भी की। डीएम ने खलीलाबाद सिटी के सुंदरीकरण, मेंहदावल बाईपास सहित अन्य व्यस्तम चौराहों का आवश्यकतानुसार चौड़ीकरण एवं लेफ्ट हैंड फ्री टर्न की सुविधा, शहर में पर्याप्त स्ट्रीट लाइटें एवं सड़कों पर आवश्यकतानुसार स्पीड ब्रेकर बनवाए जाने, वर्तमान में शहर की स्ट्रीट लाइटें लगाते हुए पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था के संबंध में एसडीएम सदर व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को सड़कों, चौराहों के स्पाट को चिह्नित करवाते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

बैठक में 14 अक्तूबर से शुरू होने वाले मिशन शक्ति अभियान के साथ जिला प्रशासन ने खलीलाबाद को सेफ सिटी बनाने का संकल्प लिया। डीएम ने अवगत कराया गया कि सांसद प्रवीण निषाद से महत्वपूर्ण स्थानों, सड़कों, चौराहों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने के लिए 50 लाख रुपये की धनराशि प्राप्त हो गई है। उन्होंने इसके लिए शहर में लोकेशन को चिह्नित करने के लिए नगर पालिका व यातायात पुलिस को निर्देशित किया। सुरक्षा की दृष्टिकोण से सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए रास्ते में पड़ने वाले स्कूलों, संस्थानों, प्रतिष्ठानों का भी सहयोग लिया जाएगा। कलक्ट्रेट में सीसीटीवी कैमरे का सेंट्रल कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। साथ में कंप्यूटर लैब, वर्क स्टेशन बनाए जाने की भी योजना है। उन्होंने एसडीएम सदर को निर्देशित किया कि सभी 25 वार्डों का सर्वे करा लिया जाए कि कितनी स्ट्रीट लाइटें और किस क्षमता की लगाई जानी है, जिससे समुचित पथ प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। शहर में पुरुष, महिला शौचालय बनाए जाने के संबंध में स्थानों को चिह्नित कर कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद को सेफ सिटी के रूप में विकसित करने में सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों एवं विभागीय कार्यों का निष्ठापूर्वक एवं आपसी समन्वयता के साथ कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने मिशन शक्ति सेफ सिटी के अंतर्गत जागरुकता एवं जानकारी के दृष्टिगत कोटेशन की वाल राइटिंग कराए जाने की भी आवश्यकता पर बल दिया। पुलिस अधीक्षक ने एनएचएआई को निर्देशित किया कि फोरलेन पर अवैध कट तत्काल बंद कराए जाएं और एनएचएआई की ओर से एंबुलेंस की व्यवस्था की जाए। बैठक में एसडीएम सदर शैलेश दूबे, एसडीएम धनघटा उत्कर्ष श्रीवास्तव, एसडीएम मेंहदावल अरुण वर्मा, एआरटीओ प्रियम्बंदा सिंह, सीओ यातायात केशवनाथ, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी आरके पांडेय आदि उपस्थित रहे।

फंदे से लटका मिला शव

उन्नाव। एसओ अवधेश कुमार ने बताया कि मृतक के पिता ने आत्महत्या करने की तहरीर दी है। शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। जांच कर अग्रिम कार्रवाई होगी। उन्नाव जिले के नवाबगंज में युवक का शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिला, परिजनों ने पुलिस को बताया कि शराब पीने को लेकर पिता ने डांटा था। परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के आशाखेड़ा गांव निवासी शिवप्रसाद रैदास का बेटा विकास (19) मजदूरी करता था। शराब का लती होने से कमाई उड़ा देता था। शनिवार रात भी वह शराब पीकर घर पहुंचा और परिजनों से झगड़ा करने लगा। इस पर पिता ने उसे डांट दिया, नाराज होकर वह कमरे में चला गया। रात करीब 9=30 बजे मां गीता उसे खाना देने गई तो शव फंदे से लटका देख बदहवास हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की। रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मृतक विकास चार भाई बहनों में तीसरे नंबर का था।

निष्पक्ष निर्वाचन के लिए मतदाता सूची का त्रुटिरहित होना जरूरी

अमेठी। आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन को देखते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए 27 अक्टूबर से 9 दिसंबर तक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान संचालित होगा। अभियान की तैयारी को लेकर डीएम ने शनिवार को अफसरों के साथ बैठक की। समस्त अर्ह मतदाताओं के नाम सूची में शामिल करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर में शनिवार को डीएम राकेश कुमार मिश्र ने सभी एसडीएम, तहसीलदारों, बीडीओ, लेखपाल/सुपरवाइजरों एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। डीएम ने कहा कि निष्पक्ष निर्वाचन के लिए मतदाता सूची का स्वच्छ एवं त्रुटिरहित होना नितांत आवश्यक है। मतदाता सूची त्रुटिरहित होगी तो निर्वाचन के दौरान बूथों पर कोई समस्या नहीं आएगी। मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने के लिए 27 अक्टूबर से विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान संचालित होगा।

अभियान के दौरान बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र में उपस्थित रहकर मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य करेंगे। बताया कि 04, 05, 25 व 26 नवंबर तथा 02 व 03 दिसंबर को विशेष अभियान की तिथियां निर्धारित की हैं। इन तिथियां में बीएलओ अपने संबंधित मतदेय स्थल पर मतदाता सूची एवं पर्याप्त फार्मों के साथ उपस्थित रहकर पुनरीक्षण का कार्य करेंगे। लेखपाल अपने-अपने क्षेत्र में यह सुनिश्चित करेंगे कि संबंधित बीएलओ अपना काम स्वयं करें, उनके स्थान पर कोई अनाधिकृत व्यक्ति कार्य नहीं करें। मतदाताओं से फार्म पर उनके मोबाइल नंबर व आधार की सूचना अवश्य ली जाए। बैठक में सीडीओ सान्या छाबड़ा, एडीएम अर्पित गुप्ता, डीआईओएस रीता सिंह, बीएसए अधिकारी संजय तिवारी व डीपीआरओ श्रीकांत यादव समेत सभी अन्य संबंधित अफसर व कर्मी मौजूद रहे।

जुमे की नमाज पर मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात

सहारनपुर। फलस्तीन और इजराइल के बीच जारी जंग को लेकर जुमा की नमाज के बाद किसी प्रकार के विरोध प्रदर्शन की संभावना के मद्देनजर नगर की प्रमुख मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा। एसपी देहात सागर जैन नगर में कैंप किए रहे। खुफिया विभाग की और से यह इनपुट दिया गया था की फलस्तीन-इजराइल के मध्य जारी युद्ध को लेकर जुमा की नमाज के बाद विरोध प्रदर्शन हो सकता है। जिसके चलते एसपी देहात सागर जैन, एसडीएम अंकुर वर्मा और सीओ अशोक सिसौदिया ने पुलिस टीम के साथ नगर में गश्त किया, साथ ही खानकाह पुलिस चौकी पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाई रखी। वहीं, प्रसिद्ध मस्जिद रशीदिया, दारुल उलूम चौक, जामा मस्जिद, किला मस्जिद सहित प्रमुख मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया था। इंस्पेक्टर सूबे सिंह फोर्स के साथ गश्त करते रहे। जुमा की नमाज के बाद लोग शांतिपूर्वक घरों को गए तब जाकर अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

बिना टिकट पकड़े 606 यात्री, 2.13 लाख का जुर्माना वसूला

अलीगढ़। रेलवे के अभियान में बिना टिकट यात्रा कर रहे 606 यात्री पकड़े गए। जिनसे बतौर जुर्माने के रूप में 2.13 लाख रुपये वसूला गया। रेलवे अफसरों के अनुसार ट्रेनों में चेकिंग के चलते चोला स्टेशन पर ही शुक्रवार को अन्य दिनों की तुलना में 58 फीसदी ज्यादा राजस्व मिला। यात्री संख्या में 44 फीसदी बढ़ोत्तरी हुई है।

दिल्ली-कानपुर रूट पर चलने वाली पैसेंजर ट्रेनों में बड़ी संख्या में यात्री बिना टिकट सफर कर रहे हैं। इसका खुलासा शनिवार को चोला स्टेशन पर हुई चेकिंग के दौरान हुआ। जिसमें 606 यात्री बिना टिकट पकड़े गए। जिनसे 2.13 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। बिना टिकट यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और वे दूसरे स्टेशनों पर उतरकर टिकड खरीदते नजर आए। रेल मंडल प्रबंधक प्रयागराज हिमांशु बोडानी, वरिष्ठ वाणिज्यक अधिकारी शशिभूषण एवं हिमांशु शुक्ला के निर्देश पर यह अभियान चलाया गया। अभियान में बिना टिकट यात्रा कर रहे 606 यात्री पकड़े गए। जिनसे बतौर जुर्माने के रूप में 2.13 लाख रुपये वसूला गया। रेलवे अफसरों के अनुसार ट्रेनों में चेकिंग के चलते चोला स्टेशन पर ही शुक्रवार को अन्य दिनों की तुलना में 58 फीसदी ज्यादा राजस्व मिला। यात्री संख्या में 44 फीसदी बढ़ोत्तरी हुई है। उप मुख्य यातायात प्रबंधक टूंडला अमित सुदर्शन के नेतृत्व में मुख्य वाणिज्यक निरीक्षक संजय शुक्ला, हनुमान मीणा, सीआईटी रामअवतार मीणा, जीत सिंह, रजनीश शर्मा आदि की टीम चोला स्टेशन पर पहुंच गई। जहां ईएमयू पैसेंजर ट्रेन, महानंदा, नार्थ ईस्ट, महाबोधि एक्सप्रेस आदि में चेकिंग की गई। टीम में डॉली वर्मा, रेखा, जीत सिंह, खेमकरन आदि शामिल थे।

बंद कराया गया स्कूल दोबारा संचालित मिलने पर बीएसए ने दिए रिपोर्ट के आदेश

संभल। बीएसए की ओर से स्कूल बंद कराते हुए नोटिस जारी करने के बावजूद प्रबंधक की ओर से तय समय तक जवाब नहीं दिया गया। वहीं बिना अनुमति के स्कूल दोबारा खोल लिया गया। इसको लेकर बीईओ की ओर से जानकारी मिलने पर बीएसए चंद्रशेखर ने पूरे मामले में विभागीय कार्रवाई करते हुए प्रबंधक के खिलाफ रिपोर्ट कराए जाने की बात कही है।बीएसए ने बताया कि जिले में बिना मान्यता के संचालित स्कूलों को बंद कराकर कार्रवाई करने के अभियान को लेकर 11 सितंबर को डीआईओएस वेदराम कौशल की ओर से विकासखंड पंवासा के गांव नगलिया बल्लू में संचालित सरस्वती विद्या मंदिर में स्थलीय जांच की गई थी। जांच के दौरान डीआइओएस को स्कूल में बेसिक की मान्यता पर इंटर तक की कक्षाएं संचालित मिली थीं। उन्होंने बताया कि इसके बाद डीआईओएस की ओर से मिले पत्र के बाद 14 सितंबर को बीईओ पंवासा को स्कूल की जांच कराए जाने को लेकर पत्र जारी किया गया। इसके बाद बीईओ ने स्कूल पहुंचकर जांच की, तो स्कूल के पास बेसिक की मान्यता थी और कक्षाएं इंटर तक की संचालित मिलीं। इस पर बीईओ की आख्या के आधार पर 30 सितंबर को स्कूल प्रबंधक को 21 बिंदुओं पर नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब उपलब्ध कराने को कहा गया था। साथ ही बीईओ की ओर से स्कूल भी बंद करा दिया गया था। अब 14 अक्तूबर को जानकारी मिली कि प्रबंधक की ओर से बंद स्कूल फिर से संचालित किया जा रहा है। इसको लेकर पूरे मामले में जांच पड़ताल करते हुए स्कूल प्रबंधक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करते हुए रिपोर्ट के आदेश दिए गए हैं।

विवाहिता की अस्पताल में मौत, दहेज हत्या का आरोप

संभल। गणेश कॉलोनी निवासी विवाहिता प्राची (30) को मुरादाबाद के निजी अस्पताल में मृत घोषित कर दिया। मायके वाले शव को लेकर चंदौसी कोतवाली पहुंचे और ससुराल वालों के खिलाफ दहेज हत्या का आरोप लगाया। पति सहित चार लोगों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। जिला बदायूं के थाना दिलीप नगर गांव रसूलपुर कला निवासी सुनील शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने अपनी बहन प्राची की शादी 12 साल पहले चंदौसी के गणेश कॉलोनी निवासी अमन शर्मा के साथ की थी। पति, ससुर, सास, देवर उसकी पिटाई करते थे। उसके शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। कई बहन ने उसे व परिवार लोगों को उनकी हरकतों से अवगत कराया था। कई उन्हें ससुराल वालों को समझाया भी था। इस मामले 13 सितंबर को उसके पास किसी व्यक्ति की कॉल आई।

साहब पति कर चुका दूसरी शादी, अब तीसरी की दे रहा धमकी, पुलिस को दुख बताते फूट-फूटकर रोने लगी महिला

संभल। गुन्नौर कोतवाली निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि पति उसके साथ मारपीट और अभद्रता करता है। बीते दिवस उसने घर का सामान भी तोड़ दिया था। गुन्नौर कोतवाली निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देकर पति पर मारपीट व दूसरी शादी करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि उसका पति रोजाना उसे प्रताड़ित करता है। घर से निकालकर तीसरी शादी करने की धमकी देता है। तहरीर में कार्रवाई की मांग की गई है। गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र के बबराला कस्बा निवासी महिला पति की प्रताड़ना से परेशान होकर कोतवाली पहुंची। पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके पति ने उसकी बगैर मर्जी के दूसरी शादी कर ली है। वह आए दिन उसके साथ मारपीट करता है। आरोप है कि शुक्रवार को पति ने घर में रखा सामान तोड़ दिया। मारपीट में वह चोटिल हो गई। आरोप है कि उसका पति दूसरी शादी कर चुका है और तीसरी शादी करने की धमकी देता है। इतना ही नहीं महिला के खाने पीने पर भी बंदिश लगा दी है। पीड़िता की एक 14 वर्षीय बेटी व 12 वर्षीय बेटा है। पीड़िता ने पति के प्रताड़ना के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

युवक को तीन युवकों ने पीटा, वीडियो वायरल

रजपुरा थाना क्षेत्र के कस्बा गवां में युवक की तीन युवकों ने जमकर पिटाई की। इसका किसी ने वीडियो बना लिया। बाद में सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस वीडियो के वायरल होने के बाद भी पुलिस सक्रिय नहीं हुई। तहरीर मिलने का इंतजार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को एक गांव निवासी युवक धान बेचने के लिए आया था।

इस दौरान उसके साथ तीन अन्य युवक भी थे। वह भी धान बेचने के लिए आए थे। ग्रामीणों की मानें तो शराब पीने के बाद एक युवक की तीनों युवकों ने पिटाई शुरू कर दी। करीब पांच मिनट तक एक युवक की तीनों युवक पिटाई करते रहे। ग्रामीणों ने भी बचाने का प्रयास नहीं किया। 29 सेकेंड का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह मारपीट क्यों की गई यह किसी को जानकारी नहीं है। थाना प्रभारी ने बताया कि कोई तहरीर नहीं मिली है।

दिल्ली रूट से हटाकर लोकल रूटों पर दौड़ेगी रोडवेज की बीएस-4 बसें

सहारनपुर। एक नवंबर के बाद बीएस-4 की रोडवेज बसें दिल्ली नहीं भेजी जाएंगी। ऐसे में सहारनपुर से दिल्ली जाने वाली बीएस-4 की बसों को अब रोडवेज अन्य रूटों पर चलाने की तैयारी कर रहा है। रोडवेज अधिकारियों की मानें तो डिमांड के अनुसार लोकल से लेकर लंबे रूट पर बसों का संचालन किया जाएगा। इसके अलावा जिन-जिन रूटों पर बसों की कमी है, उन रूटों पर भी इन बसों को चलाया जाएगा। सहारनपुर से बीएस-6 की बसें ही दिल्ली जाएंगी। सहारनपुर डिपो से दिल्ली के लिए छह बसें बीएस-4 की और 14 बसें बीएस-6 की शामिल हैं। 12 बसों को दिल्ली तक चलाया जा रहा है। 10 बसों को मेरठ और दो बसों को शामली से दिल्ली जा रही। इनके अलावा बीएस-6 की दो बसें ऐसी हैं, जो लखनऊ रूट की हैं। वहीं, बीएस-4 की छह बसों को दो दिन के बाद दिल्ली रूट से हटा लिया जाएगा। सहारनपुर डिपो इन बसों को देहरादून, हरिद्वार रूट पर चला सकता है। इनके अलावा जिन रूटों पर बसें कम चल रही है, उन पर भी इन बसों को दौड़ाया जाएगा। छुटमलपुर डिपो की बात करें तो इसमें आठ बसें बीएस-6 की हैं, जबकि 13 बीएस-4 की संचालित हो रही। यह संख्या दिल्ली रूट की हैं। डिपो ने बीएस-4 की बसों का संचालन कौशांबी तक कर दिया है। अगर जरूरत पड़ी है तो लोकल रूट भी चलाया जा सकता है। ऐसे में लोकल रूट पर बसों की संख्या बढ़ने से लोगों को खासी राहत मिलेगी। अगले महीने रीजन को मिल सकती है बीएस-6 की 33 बसें

अच्छी बात यह है कि अगले महीने दीपावली के आसपास सहारनपुर परिवहन निगम परिक्षेत्र को मुख्यालय से बीएस-6 की 33 बसें मिल सकती हैं। प्रभारी क्षेत्रीय प्रबंधक गौरव पांडेय ने बताया कि बीएस-6 की बसें लगभग बनकर तैयार हो गई हैं। अधिकांश बसों को दिल्ली तक चलाया जाएगा, ताकि लोगों को दिल्ली जाने में कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।

एक नवंबर से बीएस-4 की बसें दिल्ली तक नहीं जाएगी। इसको लेकर तैयारी की जा रही हैं। हमारे पास दिल्ली रूट पर छह बसें बीएस-4 की हैं, जबकि 14 बसें बीएस-6 की शामिल हैं। इनमें दो बसें लखनऊ रूट पर चलती हैं। 12 बसों को दिल्ली तक चलाया जा रहा है। बीएस-4 की बसों को दिल्ली रूट से हटाकर लोकल रूटों पर चलाया जाएगा।

- जोगेंद्र सिंह, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, परिवहन निगम

संभल में काले कारोबार का अंदेशा!= सबसे बड़े ट्रैक्टर पार्ट्स बाजार में छापा, पुलिस जांच में जुटी

संभल। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े ट्रैक्टर पार्ट्स बाजार में पुलिस की कार्रवाई हुई है। जहां से एक हजार से ज्यादा ट्रैक्टर के हजारों पार्ट्स बरामद हुए हैं। संभल के नखासा थाना क्षेत्र के रायसत्ती खेड़ा में पुलिस ने कार्रवाई की और एएसपी का नेतृत्व रहा। एएसपी और एसपी ने पल पल की जानकारी ली। नखासा थाना क्षेत्र के रायसत्ती खेड़ा में कबाड़ के 12 गोदामों पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। छापेमारी के दौरान करीब एक हजार ट्रैक्टर के हजारों पार्टस बरामद हुए हैं। इस कार्रवाई का नेतृत्व अपर पुलिस अधीक्षक ने कई थानों की पुलिस और पीएसी के साथ किया। कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तमाम किसान ट्रैक्टर पार्ट्स लेने के लिए संभल आते हैं। क्योंकि जो पार्ट्स मेरठ में नहीं मिलता वह संभल में उपलब्ध रहता है। पार्ट्स और जनरेटर का सबसे बड़ा कारोबार संभल मेभ्होता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि चोरी के ट्रैक्टर खपाए जाने की सूचना पर कार्रवाई की गई है। पुलिस पूछताछ में हिरासत में लिए गए लोगों ने बताया कि ट्रैक्टर खरीदे जाते हैं। इसके बाद इन्हें काटकर पार्ट्स को अलग-अलग कर दिया जाता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े इस बाजार में कार्रवाई से तमाम उन लोगों में खलबली मची हुई है जो इस कारोबार से जुड़े हैं। पुलिस के अधिकारियों को अंदेशा है कि इस काले कारोबार से बड़ा गिरोह पकड़ा जाएगा। इतनी बड़ी संख्या में ट्रैक्टर कहां से आए और पार्ट्स कहां कहां सप्लाई किए गए। इन सभी बिंदुओं पर छानबीन की जाएगी।

कॉल डिटेल से चला पता, वारदात के दिन चार बार आरोपी ने राम प्रकाश से की थी बातचीत

संतकबीरनगर। बेलहर। क्षेत्र के कुशहरा गांव के रहने वाले राम प्रकाश की हत्या का आरोपी सोनू मिश्रा घटना के दिन मोबाइल फोन से चार बार राम प्रकाश से बातचीत की थी। यह जानकारी पुलिस को काल डिटेल से पता चली है। वैसे, आरोपी सोनू मिश्रा जेल जा चुका है। इधर, पीड़ित परिवार अभी घटना से ऊबर नहीं पा रहा है। चार दिनों से पीड़ित के घर का चूल्हा नहीं जला है। पड़ोसियों के रहमोकरम पर मासूम बच्चों का पेट भर रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर गांव में पुलिस कर्मी तैनात हैं। विवेचक सीओ अंबरीष भदौरिया के मुताबिक, कॉल डिटेल निकलवाया गया है। उससे पता चला है कि सोमवार की शाम आरोपी सोनू मिश्रा और रामप्रकाश के बीच चार बार मोबाइल फोन से बातचीत हुई है। इसके साथ ही जिस मार्ग से होकर आरोपी और राम प्रकाश गए हैं। उन जगहों पर लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। इससे पता चलेगा कि आरोपी राम प्रकाश को लेकर कहां-कहां गया था। इसके अलावा राम प्रकाश के एटीएम कार्ड से कितना पैसा निकाला है, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। घटना से जुड़े साक्ष्य का संकलन कर कोर्ट में प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं, दूसरी तरफ पीड़ित पत्नी उर्मिला सदमे में हैं। मासूम बेटी काव्या अपनी मां से बार-बार पूछ रही है कि पापा कहां चले गए और कब आएंगे। मां ने रोते हुए बताया कि बेटी पापा अब कभी लौट कर नहीं आएंगे। पत्नी उर्मिला ने बताया कि उसका परिवार भूमिहीन है। रहने के लिए घर तक नहीं है। कई बार राशन कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन करवाया गया, लेकिन ब्लॉक से लेकर तहसील तक अधिकारियों ने बताया कि अभी नया राशन कार्ड नहीं बन रहा है। जब बनेगा तब नया राशन कार्ड बनवा दिया जाएगा। परिवार के एक मात्र कमाऊ सदस्य की हत्या हो गई। चार दिनों ने घर का चूल्हा नहीं जला है। पडोसियों की रहमोकरम पर मासूम बच्चों का पेट भर रहा है। मजदूरी ही एक मात्र गृहस्थी चलाने का सहारा बचा है। पड़ोस की महिलाएं पीड़ित उर्मिला को सांत्वना दे रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

बालिका से छेड़खानी, उलाहना देने गई मां को धमकाया

सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के एक गांव में सात वर्षीय बालिका से छेड़खानी का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने शनिवार को केस दर्जकर छानबीन शुरू कर दी है। क्षेत्र के एक गांव निवासी बालिका की मां ने बताया कि शुक्रवार को बेटी चौराहे पर बाजार करने गई थी। रास्ते में सड़क के किनारे ग्राम चेतियवा निवासी मो. हुसेन उर्फ जाफर अली अपने मुर्गी फार्म पर था। वह बेटी को पकड़कर छेड़खानी करने लगा और पैसे देने की भी बात कही। पकड़ ढीली देखकर बालिका उसे दांत से काटते हुए भागकर घर पहुंच गई। जब उसकी मां मो. हुसेन के पास शिकायत लेकर पहुंची तो उसने उसे जातिसूचक गाली देकर व धमकाकर भगा दिया। शनिवार को पीड़ित बालिका की मां ने घटना से संबंधित तहरीर पुलिस को दी है। इसपर मुकामी थाने की पुलिस ने छेड़खानी करने एससी-एसटी एक्ट तथा पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्जकर छानबीन शुरू कर दी है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक बलजीत कुमार राव ने कहा कि आरोपी की तलाश की जा रही है। शीघ्र ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अवैध कब्जे की जमीन पर चली जेसीबी

सिद्धार्थनगर। शिवनगर थाना डिड्ई क्षेत्र के छितौनी गांव में रामसुधि मिश्र व सत्य प्रकाश मिश्र के बीच रास्ते का विवाद चल रहा था। इसका मुकदमा भी न्यायालय में लंबित है। शनिवार शाम को तहसील प्रशासन तथा स्थानीय पुलिस बल के सहयोग से गड्ढे के जमीन पर हुए राम सुधि के कब्जे को हटाया गया। इस जमीन को रामसुधि ने पाट कर कब्जा किया उसी जमीन को एसडीएम के आदेश पर जेसीबी से खोदाई कर पुनः गड्ढे का रूप दिया गया। इस मौके पर हलका लेखपाल सहित पुलिस व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

41 हजार भारतीय रुपये के साथ एक पकड़ा गया

सिद्धार्थनगर। एसएसबी 43वीं वाहिनी सीमा चौकी खुनुवां के जवानों ने शनिवार को चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम अनिल सोनी पुत्र प्रेम सोनी निवासी न्यू सुंदरनगर लुहारा लुधियाना पंजाब बताया। उसके कब्जे से 41 हजार रुपये भारतीय मुद्रा बरामद की। पूछताछ में उसने रुपये के संबंध में कागजात नहीं दिखा सका। इसलिए लिखा-पढ़ी करके कस्टम को सुपुर्द कर दिया गया।

घटना स्थल से 100 मीटर दूर कुंड में मिली रिया की लाश

सिद्धार्थनगर। मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव में बूढ़ी राप्ती नदी में शुक्रवार को डूबी आठ वर्षीय बच्ची की घटना स्थल से 100 मीटर दूर लाश मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के बाद से परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। क्षेत्र के रतनपुर गांव निवासी रामसुभग की आठ वर्षीय पुत्री रिया को उसकी मां ने नदी में चल रही नाव में एकत्र पानी से नहाने के लिए भेजा था। उसके शरीर में दाने निकल रहे थे। इस गांव के लोगों में मान्यता है कि शरीर में अगर दाना निकला है तो नदी में चल रही नाव में एकत्र पानी से नहाने से शरीर ठीक हो जाता है। नाव में नहाने के लिए ही बच्ची घर से निकली थी। काफी देर तक वह घर नहीं आई तो घर वालों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। जब वह गांव से गुजरने वाली बूढ़ी राप्ती नदी के किनारे गए तो खड़ी नाव में लोटा मिला। जो वह अपने साथ ले गई थी। डूब जाने की आशंका में गोताखोर तलाश कर रहे थे। शनिवार को लगभग 34 घंटे बाद नाव से लगभग 100 मीटर दूर कुंड में उसकी लाश मिली। लाश मिलते ही परिवार के लोग चीखने लगे। पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में एसओ मिश्रौलिया अरविंद कुमार गुप्ता ने बताया कि शव मिल गया है। पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

चोरों के गिरोह का पर्दाफाश, तीन बदमाश दबोचे

सीतापुर। पुलिस के लिए चुनौती बने चोरों के एक गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। शनिवार को पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर मानपुर थाना क्षेत्र में अगस्त माह में हुई चोरियों का खुलासा किया है। सात अगस्त की रात चोर शुक्लापुर कदिया गांव निवासी अवधेश के घर से 79 हजार रुपये, जेवरात व नगद, सोने चांदी के जेवर, 7 बोरी सरसों उठा ले गए थे। वहीं 14 अगस्त की रात रघुवीरपुर गांव के मजरा मरसंडा में दो घरों में चोरी की थी। जिसमें पीड़ित सुनील यादव के घर से 40 हजार रुपये, सोने-चांदी के जेवर और दिग्विजय के घर से पांच हजार रुपये, जेवर व बर्तन चोरी हो गए थे। पुलिस ने तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से 20 हजार 150 रुपये और चोरी का सामान बरामद किया है। एसपी चक्रेश मिश्रा ने बताया कि विभिन्न चोरी की वारदातों में नामजद थाना थानगांव के जंगल टपरी गांव निवासी छोटकऊ, बाराबंकी जिले के महमूदपुर खाला थाना क्षेत्र के भीखमपुर गांव के मूल निवासी व हाल पता थाना सदरपुर शिवपुर देवरिया निवासी विशाल और सकरन थाना क्षेत्र के महरिया गांव निवासी नरेश को गिरफ्तार किया गया है। तीनों ही चोरी की घटनाओं में वांछित थे। तीनों शातिर किस्म के अपराधी हैं। इन पर लूट, चोरी, नकबजनी, अवैध शस्त्र संग कई मुकदमे पंजीकृत हैं। छोटकऊ पर 7 मुकदमे, नरेश पर 11 और विशाल पर 2 मुकदमे दर्ज हैं। सभी को जेल भेज दिया गया है।

बिना नंबर प्लेट के चल रहे 12 भारी वाहन सीज

सोनभद्र। थाना क्षेत्र में बिना नंबर के चल रहे भारी वाहनों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाकर कार्रवाई की। इस दौरान नगर के विभिन्न क्षेत्रों में चेकिंग करते हुए बिना नंबर प्लेट के मिले 12 वाहनों को सीज किया गया। वहीं दस का चालान काटा। एसओ विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में चले अभियान से वाहन स्वामियों में खलबली मची रही। एसओ ने बताया कि एसपी डॉ. यशवीर सिंह व एएसपी कालू सिंह के निर्देशन में आगे भी यह अभियान चलता रहेगा।

खेल रहे बालक का अपहरण, घंटे भर बाद परिचित के घर मिला

सोनभद्र। घर के बाहर खेल रहे आठ वर्षीय बालक के दिनदहाड़े अपहरण की खबर से नगर में खलबली मच गई। तत्काल पुलिस भी हरकत में आई। करीब घंटे भर बाद बालक सात किमी दूर गुलालझरिया में एक परिचित के घर मिला। इसके बाद सभी ने राहत की सांस ली। पुलिस ने पूछताछ के बाद बालक को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बालक के मुताबिक वह सुबह घर के बाहर खेल रहा था। इस बीच उसके पास पहुंचे दो आदमी में से एक ने उसे टॉफी खाने के लिए दिया। इसी बीच दूसरे ने उसके मुंह पर कपड़ा सुंघा दिया। इसके बाद उसे कुछ नहीं पता। उसे जब होश आया तो वह एक झाड़ी में पड़ा था। वहां से निकल कर वह एक परिचित के घर पहुंचा और उसे आपबीती बताई। परिचित ने उसके पिता को मोबाइल के जरिए बालक के घर होने की जानकारी दी तो स्वजन घर ले आए। कोतवाल नागेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि अपहरण की बात गलत है। बालक से पूछताछ की जा रही है। वह ऐसा क्यों कह रहा है, इसकी छानबीन भी की जा रही है।

चप्पल बेच रहे फेरी वाले पर हमला कर मोबाइल व नकदी छीनी, चार नकाबपोशों ने की वारदात

सोनीपत। चार नकाबपोश युवकों ने वारदात को अंजाम दिया है। एक को पीड़ित ने पहचान लिया है। मारपीट के साथ ही गले पर नुकीले हथियार से हमला किया है। हरियाणा के सोनीपत के रोई क्षेत्र में नेशनल हाईवे-44 पर मुरथल के पास चप्पल बेच रहे फेरी वाले पर हमला कर चार नकाबपोश बदमाशों ने मोबाइल व 700 रुपये लूट लिये। हमलावरों ने उनके गले पर नुकीले हथियार से हमला कर दिया। इस दौरान एक आरोपी के चेहरे से कपड़ा हट गया तो फेरी वाले ने उसे पहचान लिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने लूट का मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोट मोहल्ला की गली नंबर-12 निवासी सुरेश कुमार ने मुरथल थाना पुलिस को बताया कि वह फेरी लगाकर हाईवे के ढाबों के सामने चप्पल बेचते हैं। वह रात को करीब 11 बजे ढाबे के पास चप्पल बेचने को जा रहे थे। इसी दौरान चार नकाबपोश युवक उनके पास आए। उन्होंने आते ही उसे पीटना शुरू कर दिया। इसी दौरान एक युवक ने उनके गले पर नुकीले हथियार से हमला कर दिया।

16,879 को नहीं मिली पेंशन की पहली किस्त

सीतापुर। समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित बुजुर्ग पेंशन योजना में बुजुर्गों को राहत नहीं मिल रही है। वह पेंशन के लिए भटक रहे हैं। समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। वर्तमान वित्तीय साल में 16,879 बुजुर्गों को पहली किस्त नहीं मिल सकी है। उनकी समस्याएं बढ़ गई हैं। जिले में वर्तमान में बुजुर्ग पेंशन लाभार्थियों की संख्या 56,126 है। 39,247 लाभार्थियों को ही पेंशन की पहली किस्त मिल सकी है। शेष 16,879 लाभार्थी पेंशन की किस्त से वंचित हैं। उप निदेशक समाज कल्याण लखनऊ मंडल अचिंत मणि बाजपेई ने गंभीरता से लिया है।

टंकी की मोटर फुंकी, पानी को तरसे पांच हजार लोग

अमेठी। गौरीगंज नगर पालिका परिषद के बरनाटीकर वार्ड में शनिवार को पानी की टंकी का मोटर फुंकने से तीन वार्डों में पानी की आपूर्ति ठप हो गई है। इससे करीब पांच हजार लोग पेयजल के संकट से परेशान रहे। स्थानीय नागरिकों ने समस्या का समाधान कराने की मांग की है। बरनाटीकर वार्ड में खारा पानी होने की वजह से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

पहले लोग बड़े-बड़े केन व बाल्टियों में पानी भरकर दूर स्थानों से लाकर उपयोग करते थे। वहां के निवासियों की समस्या को देखते हुए 90 के दशक में तत्कालीन विधायक तेजभान सिंह ने वार्ड में पानी की टंकी का निर्माण कराकर पानी की सप्लाई शुरू कराई थी। जिससे वार्ड चार, सात व 11 के करीब पांच हजार की आबादी को पानी की सप्लाई दी जाती है। शुक्रवार की दोपहर में पानी की टंकी का मोटर फुंक गया। इससे वार्ड चार, सात व 11 में पेयजल आपूर्ति ठप हो गई है। जिससे यहां के लोगों को बूंद-बूंद पीने के पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों से शिकायत की भी गई। लेकिन, किसी ने कोई सुधि नहीं ली।

बार बार फुंक रही मोटर

इसे विभागीय लापरवाही कहें या फिर वार्ड के निवासियों की किस्मत। बात कुछ भी हो, लेकिन बार बार मोटर फुंकने से वार्ड के लोग खासे परेशान हैं। शिकायत करते करते लोग ऊब चुके हैं। आए दिन मोटर फुंकने से लोग आजिज आ गए हैं। लोगों ने व्यवस्था में सुधार की मांग किया है। वार्ड के लोगों ने बयां किया दर्द दिक्कत और बढ़ जाएगी

राजेश सिंह मुन्ना ने बताया कि बार-बार मोटर फुंकने से दिक्कत होती है। नवरात्र पर्व शुरू हो गया है। पानी की सप्लाई बाधित होने से दिक्कत और भी बढ़ जाएगी। अधिकारियों से शिकायत की गई, पर कोई सुनने वाला नहीं है। दूर स्थानों से लाना पड़ता पानी

लाल बाबू ने बताया कि यहां खारा पानी होने से पीने व खाना बनाने के लिए दूर स्थानों से पानी लाना पड़ता है। विभाग की लापरवाही से आए दिन कोई न कोई खामी बनी रहती है। जिससे पानी का संकट बना रहता है।

कोई सुनने वाला नहीं

रवींद्र ने बताया कि विभाग के कर्मचारी व अधिकारी शिकायतों के बाद भी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लेते हैं। शिकायत करने जाओ तो बहाना बताकर वापस कर दिया जाता है। ऐसे में कोई सुनने वाला नहीं है।

शॉर्ट सर्किट से किराने की दुकान में लगी आग

वाराणसी। पचावर चौराहा के पास स्थित एक किराने की दुकान में शनिवार की रात शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गई। आग में दुकान में रखा करीब दो लाख रुपये कीमत का सामान आदि जलकर राख हो गया। ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया जा सका। घटना के संबंध में पीड़ित की ओर से थाने में तहरीर दी गई है। थाना क्षेत्र के गांव रामनगर निवासी राम खिलाड़ी पचावर चौराहा पर किराना की दुकान किए हुए हैं। दुकान से होने वाली आमदनी से वह परिवार का भरण पोषण करता आ रहा है। शनिवार की रात 11 बजे राम खिलाड़ी दुकान बंद करने के बाद घर चला गया था। रात सूचना मिली कि दुकान में आग लग गई है। जानकारी होने के बाद वह दुकान पर पहुंचा और आसपास के लोगों की मदद से आग पर काबू किया।

केएमपी पर हादसे में जान गंवाने वाले चार श्रमिकों के शवों का हुआ पोस्टमार्टम

सोनीपत। कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस-वे पर गांव पिपली के पास खड़ी महेंद्रा पिकअप गाड़ी से कैंटर की टक्कर के चलते जान गंवाने वाले चार श्रमिकों के शवों का शनिवार को पोस्टमार्टम कराया गया। परिजन सभी के शवों को एक ही वाहन में लेकर उत्तर प्रदेश रवाना हो गए। वहीं पुलिस ने मामले में आरोपी कैंटर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। झज्जर के गांव रैया निवासी रोहित ने खरखौदा थाना पुलिस को बताया कि उनके दोस्त विजय कुमार (38) अपनी ट्रैवल्स एजेंसी चलाते थे। वह अपनी पिकअप गाड़ी लेकर 11 अक्तूबर को उत्तर प्रदेश गए थे। वहां से वह धान काटने के लिए 30 मजदूरों को लेकर वह झज्जर के लिए चले थे। शुक्रवार सुबह करीब छह बजे केएमपी पर गांव पिपली के पास श्रमिक लघुशंका के लिए उतरे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कैंटर ने गाड़ी को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी थी, जिससे गाड़ी रेलिंग तोड़कर सड़क किनारे जाकर पलट गई थी। हादसे में उत्तर प्रदेश के जिला हरदोई के गांव अकोरा निवासी परमेश्वर (40) व बृजेश (22), जिला पीलीभीत के गांव पतजिया निवासी सर्वेश (28), लखीमपुर खीरी के मुर्तजा अली नगर निवासी भानू (25) व उनके दोस्त झज्जर के गांव रैया निवासी विजय की मौत हो गई थी। वहीं 25 अन्य घायल हो गए थे। पुलिस ने चालक चरखी दादरी के गांव मकड़ानी निवासी श्रीभगवान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने विजय के शव का पोस्टमार्टम करा दिया था। शनिवार को पुलिस ने परमेश्वर, बृजेश, सर्वेश व भानू के शवों का पोस्टमार्टम कराया गया।

दूसरी शादी रुकवाई तो पत्नी को घर से निकाला

मैनपुरी। एक महिला ने दूसरी शादी करने जा रहे पति की शादी रुकवा दी। इस बात से गुस्साए पति ने पत्नी को घर से बाहर निकाल दिया। जनपद इटावा की रहने वाली पीड़िता ने कुर्रा थाने में तहरीर देकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। जनपद इटावा के गांव भिड़रुआ निवासी आशा देवी ने कुर्रा थाने में तहरीर दी है। पुलिस को बताया कि वह विवाहित है और उसके दो बच्चे हैं। पति आए दिन उस से झगड़ा करता है।

वह एत्मादपुर आगरा की रहने वाली एक युवती से कोर्ट मैरिज करने जा रहा था। जब उसे जानकारी हुई तो प्रयागराज पहुंच कर उसने पुलिस की मदद से शादी को रुकवा दिया। इस से नाराज पति ने घर आने के बाद उसे पीटकर घर से बाहर निकाल दिया। सास ने उसके दोनों बच्चे भी अपने पास रोक लिए हैं। अब वह अपने मायके में रहने को मजबूर है। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू कर दी है।

बिजली के तार चोर गिरोह का पुलिस ने किया खुलासा

उन्नाव। सोहरामऊ पुलिस ने बिजली के तार कटिंग करने वाले गैंग का खुलासा किया है। इसमें चार लोगों को गिरफ्तार करने के साथ ही 60 किलो बिजली का तार और एक लोडर बरामद किया है। चार दिन पहले सरायंजोगा निवासी युवक की पोल से गिरकर मौत होने की घटना में जांच के दौरान पुलिस को गिरोह का पता चला। गिरोह के एक सदस्य की तलाश जारी है। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के सरायंजोगा निवासी अर्जुन (38) का शव 11 अक्तूबर को उसके गांव से 12 किमी दूर गोमापुर गांव के जंगल में मिला था। मृतक की पत्नी शीला ने पुलिस को बताया था कि पति अर्जुन रोजाना कुछ साथियों के साथ देर शाम को काम पर जाने की बात कहकर निकलते थे और देर रात को लौट आते थे। पुलिस को उनके नाम भी बताए। पुलिस ने सर्विलांस की मदद ली तो हकीकत सामने आई। सरायंजोगा गांव निवासी काछु को उठाकर पूछताछ की तो उसने बताया कि मृतक अर्जुन और सोहरामऊ कस्बा निवासी राजा, चंद्रपाल और शहर के कांशीराम कालोनी निवासी जितेंद्र कश्यप के साथ मिलकर बिजली के तार चोरी की घटना को अंजाम देते थे। बताया कि घटना वाले दिन भी पांचों के साथ अर्जुन लखनऊ डिवीजन से बाया मोहनलालगंज बिछाई जा रही एचटी लाइन के तार काटने के लिए गोमापुर की गोशाला के पास टावर पर चढ़ा था। लेकिन नियंत्रण खो देने से वह टावर से तीस फिट की ऊंचाई से गिर गया। उसकी मौत होने पर शव को झाड़ी में छिपाकर भाग गए थे। एसओ अवधेश कुमार के अनुसार पकड़े गए चोरों ने तीन अक्तूबर को भी बिलौरा गांव के पास से भी बिजली लाइन का तार चोरी कबूली है। चोरों की निशानदेही पर पुलिस ने जहां शव मिलने वाले स्थान से कुछ दूर टॉवर के पास से तार कटिंग के औजार और 60 किलो तार व एक लोडर बरामद किया है।

आयुष्मान कार्ड धारकों को नहीं मिल रहा मुफ्त इलाज

अमेठी। मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल में आयुष्मान कार्ड धारकों का निशुल्क इलाज नहीं हो पा रहा है। मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आयुष्मान भारत के टीएमएस पोर्टल पर कोड सस्पेंड होने से यह हालत उपजे हैं। अस्पताल का लाइसेंस बहाल होने के बाद अस्पताल प्रशासन ने जिले के स्वास्थ्य महकमे में इस संबंध में पत्राचार किया है। मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस दिव्या की मौत के मामले में 18 सितंबर को निलंबित कर दिया गया था। अस्पताल का लाइसेंस निलंबित होने के बाद स्थानीय प्रशासन की ओर से आयुष्मान भारत योजना के संबंध में शासन को पत्र भेजा था। इसके बाद आयुष्मान भारत के टीएमएस पोर्टल पर अस्पताल का कोड भी सस्पेंड कर दिया गया था। उच्च न्यायालय की ओर से अस्पताल का लाइसेंस बहाल करने को लेकर पक्ष में निर्णय दिया तो अस्पताल का संचालन शुरू हो गया। आयुष्मान भारत के तहत टीएमएस पोर्टल पर अस्पताल का सस्पेंड कोड शुरू नहीं हो पाया है। आयुष्मान योजना के लाभार्थी मरीजों का निशुल्क उपचार नहीं हो पा रहा है। अस्पताल में इलाज कर रहे जायस निवासी महेश मौर्य ने बताया कि उनके भाई काशी मौर्य की तबीयत खराब है। कई जगह दिखाने के बाद उन्हें यहां लेकर आए हैं।

आयुष्मान कार्ड बना हुआ है लेकिन अस्पताल के लोग बता रहे हैं पोर्टल पर कुछ नहीं आने के चलते कार्ड से इलाज संभव नहीं है। अमेठी के मरीज शिवनाथ के भाई पवन प्रसाद ने बताया कि शिव नाथ की तबीयत खराब है। अस्पताल में भर्ती कराया है लेकिन आयुष्मान कार्ड से इलाज नहीं हो पा रहा है। पिंडोरिया निवासी मरीज रजिया बानो के भाई मोहम्मद निजाम ने बताया कि बहन की तबीयत खराब है। जिसे भर्ती कराया है लेकिन आयुष्मान कार्ड धारक होने के बावजूद कार्ड पर इलाज नहीं हो रहा है। निजाम ने कहा कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा बताया गया कि कार्ड से इलाज संभव नहीं है क्योंकि पोर्टल पर शो नहीं हो पा रहा है। अस्पताल के आयुष्मान भारत को देख रहे अनिल शुक्ला ने बताया कि अस्पताल संचालन के बाद अभी आयुष्मान भारत के तहत आयुष्मान कार्ड सेवा नहीं शुरू हो पाई है। सीएमओ और आयुष्मान भारत से संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजा गया है। कहा कि जब तक पोर्टल शुरू नहीं हो पाएगा, तब तक आयुष्मान कार्ड पर मरीजों का निशुल्क इलाज संभव नहीं हो सकता। डॉ. अनूप तिवारी ने बताया कि जब अस्पताल का लाइसेंस निलंबित हुआ था तो आयुष्मान भारत के संबंध में भी शासन को सूचना भेजी गई थी। टीएमएस पोर्टल पर भी कोड सस्पेंड हो गया था। कहा कि अस्पताल प्रबंधन से पत्र मिला है। सीएमओ डॉक्टर अंशुमान सिंह ने बताया कि आयुष्मान भारत के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को पत्र भेजा गया है। जल्द ही पोर्टल शुरू हो जाएगा।

वाहन की टक्कर से साइकिल सवार श्रमिक की मौत

उन्नाव। कांथा-महनौरा मार्ग पर सुबेदारखेड़ा गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार श्रमिक की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के हिनौरा निवासी राजेंद्र (22) असोहा के कांथा निवासी नाना बुधई के साथ रहता था। वह रोजाना साइकिल से लखनऊ मजदूरी करने जाता था। शुक्रवार रात करीब 10 बजे वह मजदूरी कर घर जा रहा था। कांथा-सोहरामऊ मार्ग पर सुबेदारखेड़ा गांव के पास अज्ञात वाहन ने साइकिल में टक्कर मार दी। इससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। ग्रामीणों ने एंबुलेंस से स्वास्थ्य केंद्र भेजा। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। राजेंद्र की माँ से मां निर्मला और बहन लक्ष्मी बेहाल हैं। एसओ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। अभी परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दम दिखाएंगे 55 खिलाड़ी

झांसी। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के 34 वां प्रांतीय खेलकूद समारोह का समापन शनिवार को महाराजा अग्रसेन सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हुआ। यहां विभिन्न प्रतियोगिताओं में 55 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अब इन खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का मौका मिलेगा। समापन समारोह का शुभारंभ डॉ. विवेक मिश्रा, प्रदीप सरावगी, संतोष गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए प्रदीप सरावगी ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा बाहर आती है। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक दिया गया। लंबी कूद में कन्नौज के रितांश, त्रिकूद में बांदा के लक्ष्मी प्रसाद, ऊंची कूद में दिबियापुर के रिशु, अंशिका और प्रियांशी सचान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। गोला फेंक में झांसी की राधिका और हमीरपुर के मोहित अव्वल रहे। 100 मीटर रेस में कन्नौज के नवनीत सिसोदिया, 50 मीटर रेस में कन्नौज की लक्ष्मी और कृष्णा अव्वल रहे। 3000 मीटर में झांसी के विकास कुमार और प्राची राजपूत प्रथम रहीं। भाला फेंक में झांसी की मधुस्मिता, जालौन के रामनिलन, कानपुर की स्नेहा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 200 मीटर में कन्नौज के विशाल यादव, झांसी की राशि यादव, फतेहपुर की काजल कुमारी, झांसी के आकाश तिवारी प्रथम रहे। 400 मीटर में झांसी के स्वदेश और संध्या राजपूत प्रथम रहीं। समापन सत्र में ओंकारनाथ, अजय सिंह, शिवकरण, देवी दयाल त्रिपाठी, राकेश, प्रभाकर त्रिपाठी समेत कई शिक्षक-शिक्षिकाएं और सत्यम राजपूत, कनिका गुप्ता, उजाला अहिरवार, अंश तिवारी समेत कई विद्यार्थी उपस्थित रहे।

1324 परिषदीय स्कूलों में टैबलेट वितरण शुरू

अमेठी। जिले के परिषदीय स्कूलों में कार्यरत 2431 शिक्षकों को टैबलेट देने के लिए ब्लॉकवार आपूर्ति की जा चुकी है। बीईओ को चयनित विद्यालयों के शिक्षकों को टैबलेट आवंटित कर कंप्यूटर पर आईएमआई नंबर समेत डाटा कर वितरण करने में जुटे हैं। शनिवार को सिंहपुर ब्लॉक संसाधन केंद्र में 104 विद्यालयों के 190 शिक्षकों का वितरित किया गया। शेष बचे 89 टैबलेट सोमवार को वितरित किए जाएंगे। बाजारशुकुल बीआरसी में शनिवार को 182 टैबलेट वितरित किया गया। बीएसए संजय कुमार तिवारी ने बताया कि शिक्षकों को टैबलेट वितरित किया जा रहा है। इससे शिक्षण कार्य बेहतर होगा।

माता वैष्णो देवी दर्शन कराएगी स्पेशल ट्रेन

अमेठी। नवरात्र में माता वैष्णो देवी दर्शन करने के लिए यात्रियों को सहूलियत मिलेगी। 18 व 22 को वाराणसी से, वहीं 16 व 20 को श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा से रवाना होगी। इस ट्रेन में आरक्षित सीटों की बुकिंग शुरू हो गई है। हालांकि इसका ठहराव जिले में नहीं है। इस ट्रेन से यात्रा करने के लिए लोगों को सुल्तानपुर स्टेशन जाना पड़ेगा। लखनऊ-सुल्तानपुर-वाराणसी रेल ट्रैक पर अमेठी स्टेशन होकर जम्मूतवी के बीच संचालित ट्रेनों में इन दिनों सीट फुल चल रही है। नवरात्र में वैष्णो के दर्शन करने वाले यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने स्पेशल ट्रेन संचालित करने का निर्णय लिया है। स्पेशल ट्रेन 18 व 22 अक्तूबर वाराणसी से सुबह 6:20 बजे रवाना होकर सुल्तानपुर होते हुए लखनऊ पहुंचेगी। लखनऊ से रवाना होने के बाद ट्रेन शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, युमनानगर, अंबाला कैंट, लुधियाना, जलंधर कैंट, पठानकोट, जम्मूतवी, ऊधमपुर होते हुए श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा पहुंचेगी। 16 व 20 अक्तूबर की रात 11:20 बजे श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा से रवाना होकर लखनऊ, सुल्तानपुर होते हुए वाराणसी पहुंचेगी। ट्रेन में एसी प्रथम श्रेणी का एक कोच, एसी द्वितीय श्रेणी के दो, एसी तृतीय श्रेणी के छह, स्लीपर के चार, व सामान्य श्रेणी के चार व पावर कार तथा एसएलआर का एक कोच होगा। इस ट्रेन के लिए यात्रियों को सुल्तानपुर रेलवे स्टेशन जाना पड़ेगा।

दर्शन में मिलेगी सहूलियत

दर्शन में लोगों को सुविधा हो इसके लिए वाराणसी-श्री माता वैष्णो देवी स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है।

1840 तक हुजूर तहसील के नाम से जाना जाता था अलीगढ़ को

अलीगढ़। राज्य सरकार ने एक शासनादेश के जरिए प्रदेश के सभी जिलों के लिए नया जिला गजेटियर तैयार करने का आदेश दिया है। उसके लिए कमेटियों का गठन किया जा रहा है। अलीगढ़ का अंतिम गजेटियर 1909 में तैयार किया गया था। लगभग 400 पेजों की इस पुस्तक में लगभग 114 साल पुराने अलीगढ़ के भूगोल, नदियों, प्रशासनिक व्यवस्था, सिंचाई व ड्रेनेज सिस्टम, पुलिस व्यवस्था आदि के बारे में विस्तार से वर्णन है। इस संबंध में अतीत का अलीगढ़ नाम से एक समाचार श्रृंखला शुरू की जा रही है। उम्मीद है कि पुराने अलीगढ़ के बारे में जानकारी पाठकों को रुचिकर लगेगी। कृपया अपनी राय से हमें अवगत कराएं। राज्य सरकार ने एक शासनादेश के जरिए प्रदेश के सभी जिलों के लिए नया जिला गजेटियर तैयार करने का आदेश दिया है। उसके लिए कमेटियों का गठन किया जा रहा है। अलीगढ़ का अंतिम गजेटियर 1909 में तैयार किया गया था।

लगभग 400 पेजों की इस पुस्तक में लगभग 114 साल पुराने अलीगढ़ के भूगोल, नदियों, प्रशासनिक व्यवस्था, सिंचाई व ड्रेनेज सिस्टम, पुलिस व्यवस्था आदि के बारे में विस्तार से वर्णन है। इस संबंध में अतीत का अलीगढ़ नाम से एक समाचार श्रृंखला शुरू की जा रही है। उम्मीद है कि पुराने अलीगढ़ के बारे में जानकारी पाठकों को रुचिकर लगेगी। कृपया अपनी राय से हमें अवगत कराएं।

लगभग डेढ़सौ साल पुराना उपसंभाग अलीगढ़ कोल, बरौली और मोरथल से मिलकर बना था। उस वक्त अलीगढ़ तहसील 355.64 वर्ग मील या 227606 एकड़ में फैला हुआ था। 1840 तक अलीगढ़ को आम बोलचाल में हुजूर तहसील कहा जाता था। इसे बाद में कोल तहसील का नाम दिया गया, क्योंकि अलीगढ़ का ज्यादातर हिस्सा कोल परगना का था। 1909 में तैयार किए गए आखिरी गजेटियर की मानें तो अलीगढ़ में झीलों और जलस्रोतों की भरमार थी। जाहिर है कि ये झीलें और जलस्रोत वक्त की गर्दिश में खो गए। अलीगढ़ मूलतः एक खेतिहर इलाका था। 1870 के बंदोबस्त के बाद 1906-07 तक इसका 69 फीसदी यानि कि 157052 एकड़ सिंचित था। इसमें से भी 31.14 फीसदी जमीन पर दोहरी फसल हुआ करती थी। बारिश पर्याप्त नहीं थी। 42.75 फीसदी इलाका नहरों की सिंचाई पर निर्भर करता था। ये नहरें गंगा, गंग नहर और गंगा की छोटी-छोटी सहायक नदियों से निकाली गई थीं। रबी की फसल पर जोर ज्यादा था। गेहूं के अलावा चना और जौ रबी की मुख्य फसलों में शामिल थी। खरीफ की फसल के साथ कपास और अरहर भी ठीकठाक मात्रा में उगाई जाती थी। लेकिन समय के साथ कपास और अरहर की जगह ज्वार और बाजरा ने ले ली थी। ज्वार 24.91 और बाजरा 11.06 फीसदी रकबे में उगाया जाने लगा था। 1868 में 3.85 पैसे था प्रति हेक्टेयर कृषि भूमि का किराया

पाठकों के लिए यह जानकारी रोचक लगेगी कि कुल कृषि योग्य भूमि में सिर्फ 18.37 लोग ही खुदकाश्त थे अर्थात खुद खेती करते थे। खेतिहर भूमि का एक बड़ा हिस्सा (28 फीसदी) सिकमी अर्थात किराये पर था। 1868 तक प्रति हेक्टेयर किराया 3.56 रुपये से लेकर 3.85 रुपये तक था। 1888 में प्रति हेक्टेयर कृषि भूमि के किराए में भारी वृद्धि की गई थी। यह 10 रुपये प्रति हेक्टेयर सालाना तक पहुंच गई थी।

जमींदारी का जमाना

दो साल पहले से जमींदारी का जमाना चला आ रहा था। हुजूर (अलीगढ़) तहसील के पुराने कागजात बताते हैं कि तहसील 358 मौजों में बंटी हुई थी। इसे 973 महला में विभाजित किया गया था। तहसील में 256 एकल जमींदार थे। 354 जमींदारियां संयुक्त स्वामित्व के अधीन थीं। 136 पट्टीदारी और 106 भाईचारा के अधीन थीं। बरौली इलाके में बजगढ़ी की क्षत्रिय राजपूत रानी खुशहाल कुंवर और राव रघुराज सिंह की जमींदारी तीन महला और 22 गांवों तक फैली हुई थी। उत्तरी कोल क्षेत्र मोरथल और कई गांवों की जमींदारी मुसलमानों बरगूजरों के पास थी। इनमें पहासू और तालिब नगर के नवाब शामिल थे।

पिंडरवाल के सैयद जफर अली खान समेत पठानों, सैयदों की भी जमींदारियां हुआ करती थीं। कुल 37.06 फीसदी भूमि का मालिकाना हक राजपूतों के पास था। इसका बड़ा हिस्सा जादौन, चौहान और बरगूजर लोगों के पास था। जमींदारी का वैश्य बिरादरी के पास 11.53, ब्राह्मणों के पास 9.72, कायस्थों के पास 8.21, जाटों के पास 5.63 और 3.67 फीसदी लोधों के पास हुआ करता था। समय के साथ विभिन्न बिरादरियों के मालिकाना हकों में काफी तब्दीली दर्ज की गई।

शहर में 50 हजार कुत्ते, अब तक हुई 1500 की, अगले पांच साल से ज्यादा वक्त तक चलेगी नसबंदी

अलीगढ़। नगर निगम के पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश कहते हैं कि किसी भी शहर की कुल आबादी की लगभग तीन फीसदी संख्या में कुत्ते होते हैं। अलीगढ़ की आबादी अगर लगभग 15 लाख मान ली जाए तो कुत्तों की संख्या लगभग 45 से 50 हजार हो सकती है। ऐसे में नसबंदी का काम पूरा करने में लगभग पांच या छह वर्ष तक का समय लग सकता है। अलीगढ़ शहर में कुत्तों की आबादी 50 हजार तक हो चुकी है। इसी वर्ष दो लोगों की कुत्तों के काटने से मौत हो चुकी है। वहीं, बीते नौ महीने में लगभग 85 हजार से अधिक रैबीज इंजेक्शन लगवाए जा चुके हैं। ऐसे में कुत्तों के खौफ से निजात के लिए लंबा इंतजार करना होगा। तेजी से बढ़ती हुई इस आबादी को थामने के लिए नगर निगम ने इनकी नसबंदी का अभियान चलाया है। जिसको पूरा करने में लगभग पांच से छह वर्ष लंबा वक्त लग जाएगा। 700 कुत्तों की नसबंदी हर महीने करने का लक्ष्य रखा गया है।

इससे पहले वर्ष 2017-18 में तकरीबन 2650 कुत्तों की नसबंदी कराई गई थी। इसके बावजूद इनकी संख्या इतनी कैसे बढ़ गई, इसका जवाब किसी के पास नहीं है। शहर में दूसरी बार इनकी नसबंदी हो रही है। नर कुत्ते की नसबंदी में लगभग 10 मिनट और मादा में 20 मिनट का समय लगता है। इसके बाद सामान्य होने में इनको तीन से चार दिन का समय लगता है। अब तक लगभग 1500 कुत्तों की नसबंदी हुई है, जिसमें तकरीबन 900 नर और 600 मादा हैं। 20 से 25 कुत्तों को रोजाना पकड़ा जा रहा है। जिनको क्वार्सी चौराहे से अनूपशहर रोड की ओर बने नगर निगम के एनीमल बर्थ कंट्रोल सेंटर में रखा जा रहा है। एक कुत्ते की नसबंदी का खर्च तकरीबन 918 रुपये आ रहा है। मैसर्स दक्ष फाउंडेशन को इसका ठेका मिला है, जो खैर के बामनी गांव की संस्था है। नगर निगम के पास नौ बड़े पिंजड़े हैं, जिसमें एक साथ 6 कुत्ते रखे जा सकते हैं। वहीं नौ ऐसे पिंजड़े हैं, जिसमें एक कुत्ते को रखा जा सकता है। इस तरह से कुल 15 पिंजड़े हैं।

50 इलाकों से पकड़े गए कुत्ते

टनटनपाड़ा, बनियापाड़ा, उस्मानपाड़ा, जयगंज, वार्ड नंबर 85 और 87, सासनीगेट, बदामनगर, जीवनगढ़, केलानगर, इकरा कॉलोनी, अवंतिका फेज वन, राधिका एन्क्लेव, मेडिकल कॉलोनी, अब्दुल्ला गर्ल्स कॉलेज, एएमयू सर्किल, फ्रेंड्स कॉलोनी, मैरिस रोड, आयकर भवन के पास। इसी तरह लगभग 50 मोहल्लों से कुत्तों को पकड़ कर उनकी नसबंदी की गई है।

कुल आबादी का तीन फीसदी होते हैं कुत्ते

नगर निगम के पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश कहते हैं कि किसी भी शहर की कुल आबादी की लगभग तीन फीसदी संख्या में कुत्ते होते हैं। अलीगढ़ की आबादी अगर लगभग 15 लाख मान ली जाए तो कुत्तों की संख्या लगभग 45 से 50 हजार हो सकती है। ऐसे में नसबंदी का काम पूरा करने में लगभग पांच या छह वर्ष तक का समय लग सकता है।

यह भी जानें

वर्ष 2017-18 में 2650 कुत्तों की नसबंदी हुई थी, यह दूसरा मौका

50,000 से अधिक कुत्ते शहर में होने का अनुमान

85,000 हजार रैबीज इंजेक्शन इस वर्ष अब तक लगे

1500 कुत्तों को अब तक नसबंदी के लिए पकड़ा गया

918 रुपये प्रति कुत्ता आ रहा नसबंदी का खर्च

नर में 10 तो मादा में लगता है 20 मिनट का समय

साहब..पुश्तैनी जमीन पर नहीं बनने दे रहे हैं मकान

अमेठी। भूमि विवाद से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण करने के लिए शनिवार को सभी थानों में समाधान दिवस आयोजित हुआ। मुंशीगंज में एएसपी हरेंद्र कुमार ने तो अन्य थानों में सीओ व थाना प्रभारी के साथ तहसीलदार, नायब तहसीलदार व अन्य अफसर मौजूद रहे। दिवस में अधिकांश शिकायतें भूमि विवाद, अवैध कब्जे, केस दर्ज नहीं होने से जुड़ी रहीं।

सुनवाई के बाद भूमि विवाद व अवैध अतिक्रमण की शिकायत निस्तारित करने के लिए संयुक्त टीमें मौके पर रवाना की गई शनिवार की सुबह 11:03 बजे गौरीगंज थाने में तहसीलदार आशीष सिंह सुनवाई कर रहे थे। तभी पुरे बिस्वा मजरे फाजिल गांव निवासी शिवशंकर तिवारी रोते हुए पेश हुए। कहा कि साहब, आबादी में उसका पुश्तैनी कच्चा मकान है। बारिश में कच्चे मकान की दीवार गिर गई है। जब वह पक्की दीवार बनवा रहा है तो गांव के कुछ लोग बनाने नहीं दे रहे हैं। मारपीट करना चाह रहा है। सुनवाई के बाद तहसीलदार ने संयुक्त टीम गठित कर पूरे प्रकरण को निस्तारित करने के साथ रिपोर्ट देने को कहा।

अलग-अलग स्थानों पर फंदे से लटके चार युवकों के शव

उन्नाव। अलग-अलग थानाक्षेत्रों में चार युवकों के शव फंदे से लटके मिले। तीन मृतकों के परिजनों ने मानसिक बीमार होने की तहरीर दी है। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में मृतक के परिजनों ने हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया है।

सदर कोतवाली के कुर्मियनखेड़ा गांव निवासी दीपक पटेल (21) का शव घर के अंदर कमरे में फंदे से लटका मिला। सौतेली मां उसपर गंदी नजर रखने और परेशान करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत करने गई। जानकारी हुई तो दीपक ने घर के कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। कोतवाल अश्वनी मिश्र ने बताया कि अभी कोई और तहरीर नहीं मिली है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी। पुरवा कोतवाली के अभुपा गांव निवासी किसान रमेशचंद्र के पुत्र लक्ष्मीचंद्र उर्फ राहुल (25) का शव घर से 200 मीटर दूर आम के पेड़ में फंदे से लटका मिला। बड़े भाई उमेशचंद्र ने बताया कि लक्ष्मीचंद्र महाराष्ट्र के नासिक में शटरिंग का का काम करता था। गुरुवार को उसने फोन कर घर आने की बात कही थी। शुक्रवार सुबह करीब चार बजे वह घर भी पहुंच गया। सुबह वह गांव स्थित कुटी मंदिर जाने की बात कहकर गया था। इसके बाद घर नहीं लौटा। उमेशचंद्र के मुताबिक लक्ष्मीचंद्र को दो साल पहले मुंबई में मानसिक दिक्कत हुई थी। उसका इलाज भी चल रहा था। कोतवाल सुरेश सिंह ने बताया कि परिजनों ने मानसिक बीमार होने की बात कही है। मोबाइल के पास नहीं मिला है। जांच की जा रही है। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव हादीदादपुर में युवक का शव गांव के बाहर नीम के पेड़ पर गमछे से लटका मिला। मृतक के बड़े भाई उमेश कुमार ने बताया कि राजकुमार की पत्नी विमला छह अक्तूबर को सुबह अचानक लापता हो गई थी। इससे वह मानसिक तनाव में था। आरोप है कि इसी तनाव में उसने खुदकुशी कर दी। कोतवाल ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों ने हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया है।

बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के गांव अवस्थीखेड़ा निवासी राजकुमार यादव (25) का शव पड़ोसी गांव गढ़ा के पास आम की बाग में गमछे से पेड़ के फंदे पर लटका मिला। मृतक के बड़े भाई राजेश ने बताया कि शुक्रवार रात खाना खाने के बाद वह दोस्त से मिलने जाने की बात कह निकला था।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में की गई पीस समिति की बैठक

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकरनगर,जिलाधिकारी अविनाश सिंह व पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार सिन्हा द्वारा आगामी त्यौहार शारदीय नवरात्र, दशहरा, दीपावली,गोवर्धन पूजा को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत थाना कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में जनपद के समस्त थाना अंतर्गत सर्वसमुदाय के धर्मगुरुओं, सम्भ्रांत/गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया ।बैठक में प्रतिभाग करने वाले लोगों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना गया व उनसे सुझाव भी मांगे गये । उपस्थित लोगों से त्यौहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाए जाने की अपील की गई साथ ही सड़क बाधित कर कोई धार्मिक आयोजन न करने हेतु हिदायत दी गयी ।महोदय द्वारा गोष्ठी में आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत सरकार द्वारा जारी किये गये गाइडलाइन व कोविड गाइड लाइन का पालन करते हुए सभी लोग आपस में मिलजुल कर आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ अपना अपना त्योहार मनाएं । असामाजिक व अराजकता फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।यदि किसी व्यक्ति के संज्ञान में ऐसा कोई मामला आता है तो तुरंत सम्बंधित थाना पुलिस को अवगत कराएं, जिससे कि कोई अप्रिय घटना घटित न होने पाए ।सोशल मीडिया पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है जो भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट, भ्रामक व अफवाह पोस्ट करेगा उसके विरुद्ध कठोरतम विधिक कार्यवाही की जाएगी ।बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि विद्युत की ढीली तार को सही कराते हुए टूटे खंभों को बदला जाए।नगर पालिका में साफ सफाई, फॉगिंग, एंटीलार्वा छिड़काव हेतु अधिशाषी अधिकारी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में साफ सफाई, फॉगिंग, एंटीलार्वा छिड़काव हेतु डीपीआरओ को निर्देश दिया गया।साथ ही साथ यह भी निर्देश दिया गया नवरात्रि के समय रोड पर मीट, मछली की दुकान लगाना वर्जित किया गया है।पंडाल में सीसीटीवी कैमरा 200 लीटर पानी का ड्रम, बाल्टी, चार बोरी बालू सहित सुरक्षा के अन्य मानक की व्यवस्था हर पंडाल पर रखा जाए।स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि एंबुलेंस की व्यवस्था 24 घंटे रहे।

गोष्ठी/बैठक के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अंबेडकरनगर श्री संजय राय, समस्त उपजिलाधिकारीगण, समस्त क्षेत्राधिकारीगण, जिला सूचना अधिकारी, समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण व अन्य अधिकारी/कर्मचारी, विधुत विभाग के अधिकारी/कर्मचारीगण एवं जनपद के समस्त थाना क्षेत्र के सर्वसमुदाय के धर्मगुरु, सम्भ्रांत/गणमान्य व्यक्ति आदि मौजूद रहे ।

ब्लड मैन आकाश गुप्त ने झारखंड की राजधानी रांची में किया

पांच राज्यों में अभी तक 46 बार कर चुके है रक्तदान

त्रिगुट संवाददाता

अयोध्या। ब्लड मैन आकाश गुप्ता ने झारखंड की राजधानी रांची के रिम्स मेडिकल कालेज में अपना 46 वा रक्तदान कर महादानी बनें। वें समूचे देश में रक्त संबध स्थपित करने की मुहिम छेड़ रखी है और देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ब्लड डोनेट करने का अनोखा संकल्प भी लिया है। इसके पूर्व इन्होंने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार राज्यों में भी रक्तदान कर चूके है और रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृट योगदान के लिए करीब दस राज्यों में सम्मानित भी हो चुके है। देश भर के युवाओं के यूथ आइकन बन चुके आकाश गुप्त ने बताया कि लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना व उन्हे ब्लड मुहैया कराना ही मेरे जीवन का उद्देश है और सेवा भावना की प्रेरणा हमें अपने पिता स्व कृष्णा लाल गुप्त से विरासत में मिला हुआ है, जिनकी हत्या आतंकवादियों के द्वारा 12 अप्रैल 1991 को पंजाब में कर दिया गया था।ज्ञातव्य हो ब्लड मैन आकाश गुप्त अयोध्या जिले के पूरा बाजार कस्बे के निवासी है और इनका मूल नाम शीतला प्रसाद गुप्ता है और वें राम कृष्ण सेवा फाउन्डेशन व मेजर घ्यान चंद खेल उत्थान समिति के संस्थापक/अध्यक्ष है और इसके बैनर तले अभी तक 111 रक्तदान शिविर का आयोजन कर करीब साढ़े पांच हजार मरीजों को ब्लड भी मुहैया करा चुके है और कोरोना काल में उत्तर प्रदेश में सार्वाधिक रक्तदान कराने का रिकार्ड भी उक्त संस्था के नाम से दर्ज है।

उच्च शिक्षित आकाश गुप्त का मूल नाम शीतला प्रसाद गुप्ता है और जिले के पूरा बाजार कस्बे के निवासी है। वें मौजूदा समय में बिहार के सारण जिले में शारीरिक शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं

प्रजापतिपुरम् के बालाजी मन्दिर पर हुआ संकीर्तन

मातारानी के गुणगान से मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

गोण्डा। शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन प्रजापति पुरम् जानकीनगर में स्थित बालाजी मन्दिर के प्रांगण के महिला संकीर्तन का आयोजन किया गया।

संकीर्तन में मां अम्बे तेरा द्वारा बड़ा प्यारा लगे... जैसे कई देवी गीत एवं भजनों का श्रोताओं ने आनन्द उठाया। गायन एवं सगीत से प्रसन्न होने वाली शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल एवं बांए हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा जाता है।

नवरात्रि में आदिशक्ति दुर्गा मां के पूजन का विशेष महत्व माना जाता है। नवरात्रि के ये नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरुपों की उपासना के लिए निर्धारित है और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। संकीर्तन में प्रजापति पुरम जानकीनगर सहित आसपास के श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम की आयोजक पुष्पा द्विवेदी ने मातारानी से अपने मोहल्लेवासियों सहित पूरे जनपद के लोगों पर अपनी कृपा बनाये रखने की मांग की। कार्यक्रम में आनन्द द्विवेदी, यश द्विवेदी, ममता आचार्या, पिंकी तिवारी, रिचा गुप्ता, किरन त्रिपाठी, अंजू श्रीवास्तव सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

समाजसेवी मनीष मिश्रा ने थानाध्यक्ष मोतीगंज को बुकें भेंट कर किया स्वागत अभिनंदन

जनक राम वर्मा

अलावल देवरिया (गोंडा)। समाजसेवी मनीष मिश्रा ने थानाध्यक्ष मोतीगंज को बुके भेंट कर किया स्वागत अभिनंदन। जनपद गोंडा के थाना मोतीगंज का थानाध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद थानाध्यक्ष प्रतिभा सिंह को सोमवार को थाना परिसर में पहुंचकर समाज सेवी मनीष मिश्रा एवं पंकज मिश्रा ने थानाध्यक्ष को बुके भेंट कर किया स्वागत एवं अभिनंदन।

आपको बताते चलें कि मोतीगंज थाना का स्थापना सन 1982 में हुआ था इससे पहले मोतीगंज क्षेत्र का कुछ हिस्सा देहात कोतवाली गोंडा में आता था और कुछ हिस्सा मनकापुर कोतवाली क्षेत्र में आता था दोनों का कुछ-कुछ हिस्सा काट कर मोतीगंज थाना बनाया गया था। थाना बनने के बाद से अभी तक मोतीगंज थाना में 30 थानाध्यक्ष की नियुक्ति हो चुकी थी। लेकिन पहली बार है कि मोतीगंज थाने का कार्यभार महिला थानाध्यक्ष प्रतिभा सिंह को सौपा गया है। प्रतिभा सिंह ने कार्यभार संभालते ही कहा कि पीड़ित की मदद करना हमारा पहला कर्तव्य है।

सन 1982 से लेकर सन 2023 तक मोतीगंज थाने में 30 थानाध्यक्ष की अब तक नियुक्ति हुई लेकिन यह पहली बार है कि मोतीगंज थाना का कार्यभार महिला थानाध्यक्ष प्रतिभा सिंह को सौपा गया है जो क्षेत्र में एक चर्चा का विषय है। आपको यह भी बता दें कि मोतीगंज थानाक्षेत्र तीन विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। मनकापुर,गोंडा, मेहनौन विधानसभा क्षेत्र के बीच में पड़ता है और इस थाने पर अभी तक 30 थानाध्यक्ष रह चुके हैं। यह पहला अवसर है कि जब पुलिस अधीक्षक गोंडा अंकित मित्तल द्वारा महिला उप निरीक्षक प्रतिभा सिंह को मोतीगंज थाने का थानाध्यक्ष बनाया गया।

इनके कार्यभार संभालने के बाद क्षेत्र के समाजसेवी मनीष मिश्रा एवं पंकज मिश्रा ने बुकें देकर थानाध्यक्ष प्रतिभा सिंह का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

अटल भवन में मंत्री ने कार्यकर्ताओं के साथ लोकसभा जीतने की रणनीति बनाई

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर_ आगामी लोक सभा चुनाव में अंबेडकर नगर लोक सभा सीट को जीतने की रणनीति तैयार करने में अन्य दलों से भाजपा आगे बढ़ कर कार्य कर रही है। जिसके सम्बंध में लोक सभा प्रवास योजना की बैठकें लगातार जारी है। लोक सभा प्रवास योजना की प्रवास प्रभारी ग्राम विकास, समग्र ग्राम विकास एवम ग्रामीण अभियंत्रण विभाग राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय अटल भवन में भाजपा जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी की अध्यक्षता में भाजपा जिला पदाधिकारी, मोर्चा पदाधिकारी, लोक सभा प्रवास योजना पदाधिकारी गण के साथ बैठक कर रणनीति बनाई।

मुख्य अतिथि राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय, डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी और बाबा साहब डाक्टर भीम राव अम्बेडकर जी के गरीबों की कल्याण के सपनों को भाजपा की केंद्र सरकार के मुखिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी पूरा कर रहेहैं। कहा कि विश्वकर्मा सम्मान योजना के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे कामगारों को प्रशिक्षण और सब्सिडी पर भाजपा सरकार द्वारा धन उपलब्ध कराया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़कर महिला आरक्षण का अधिनियम पारित कर उन्हें सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

मिशन वात्सल्य योजना से बच्चों के भरण पोषण, शिक्षा, चिकित्सा आदि की व्यवस्था हेतु प्रदान किया जायेगा आर्थिक सहायता

बलरामपुर। जिलाधिकारी श्री अरविन्द सिंह के दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन में मिशन वात्सल्य योजना से बच्चों को सुरक्षा दी जा रही है। इस योजना के तहत कार्यालय विकास खण्ड पचपेड़वा में ब्लॉक स्तरीय बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। खण्ड विकास अधिकारी पचपेड़वा मनोज कुमार वर्मा ने कहा कि सभी लोग मिलकर केन्द्र एवं राज्य सरकार की संचालित योजनाओं का लाभ दिलाएं। बच्चों के जीवन को संवारने वाली योजनाओं के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। जिला बाल संरक्षण इकाई के विधि सह परिवीक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार द्विवेदी ने बताया कि मिशन वात्सल्य योजना बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण पर कार्य करती है। किशोर, बेटी के जन्म से लेकर स्नातक व डिप्लोमा स्तर तक की पढ़ाई में प्रदेश सरकार मदद कर रही है। उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के तहत जोखिम में आने वाले ऐसे बच्चे 01 मार्च, 2020 के बाद अपने माता-पिता दोनों अथवा माता या पिता में से किसी एक अथवा अभिभावक को खो दिया है। इन बच्चों के भरण पोषण, शिक्षा, चिकित्सा आदि की व्यवस्था हेतु आर्थिक सहायता प्रदान किया जायेगा। कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत जनपद में वंचित/पात्र बालिकाओं के चिन्हांकन के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। इस दौरान ब्लाक प्रमुख मनोज कुमार तिवारी, सदस्य घनश्याम वर्मा, संजीव कुमार, सीडीपीओ रेनू यादव, चिकित्सा अधीक्षक डा0 अनिल पाण्डेय, सदस्य चन्दन श्रीवास्तव, सा0 कार्यकर्ता सुनील कुमार व अन्य लोग मौजूद रहे।

संवेदनशील जगहों पर लगाया जाए विशेष सुरक्षा व्यवस्था,जिला अधिकारी ने की धर्म गुरुओं के साथ बैठक

अंबेडकरनगर ।जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार सिन्हा की उपस्थिति में शारदीय नवरात्री/ विजयादशमी (दशहरा) त्योहार के दृष्टिगत शांति -सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं जन उपयोगी सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। इस वर्ष शारदीय नवरात्रि दुर्गा पूजा का पर्व दिनांक 15 अक्टूबर 2023 को प्रारंभ होकर दिनांक 24 अक्टूबर 2023 को विजयदशमी / दशहरा का पर्व मनाया जाएगा। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया कि कोई भी पंडाल विद्युत तार तथा ट्रांसफारमर के नीचे नही लगाया जाए। मूर्ति का विसर्जन नदी के किनारे गढ्ढा खोदवाकर किया जाए। नवरात्रि एवं विजयादशमी /दशहरा के शांतिपूर्ण संपादन हेतु संवेदनशील स्थलों पर समुचित सुरक्षा व्यवस्था तथा विशेष सतर्कता अवश्य होनी चाहिए ऐसे स्थलों जहां पर अधिक संख्या में लोग एकत्र होते हैं वहां पर विशेष सतर्कता तथा ऐसे स्थानों पर संभावित घटनाओं का पूर्वानुमान लगाया जाना व किसी घटना के घटित होने पर तत्परता से प्रभावी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा दुर्गा पूजा में लगाए गए अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ जिम्मेदारी का निर्वहन किया जाए अन्यथा की स्थिती में लापरवाही करने वाले अधिकारी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।जिलाधिकारी महोदय द्वारा नगर पालिका में साफ सफाई, फॉगिंग, एंटीलार्वा छिड़काव हेतु अधिशाषी अधिकारी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में साफ सफाई, फॉगिंग, एंटीलार्वा छिड़काव हेतु डीपीआरओ को निर्देश दिया गया। साथ ही साथ यह भी निर्देश दिया गया की नवरात्रि के समय रोड पर मीट, मछली की दुकान लगाना वर्जित किया गया है। पंडाल में सीसीटीवी कैमरा 200 लीटर पानी का ड्रम, बाल्टी, चार बोरी बालू सहित सुरक्षा के अन्य मानक की व्यवस्था हर पंडाल पर रखा जाए। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि चिकित्सीय सेवा एव एंबुलेंस की व्यवस्था 24 घंटे रहे ।बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त उप जिलाधिकारी,समस्त क्षेत्राधिकारी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी तथा विभिन्न धर्मों के धर्म गुरु,दुर्गा पूजा समिति के लोग मौके पर उपस्थित रहे।

एनटीपीसी टांडा में श्री रामलीला का मंचन हुआ प्रारंभ

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकरनगर,टांडा विद्युतगृह के आवासीय परिसर स्थित रामलीला मैदान में रामलीला का शुभारंभ 15 अक्टूबर 2023 की शाम धूमधाम से किया गया। 1985 में आरंभ हुए रामलीला की 39वीं वर्षगॉठ को बड़े ही धूम-धाम से मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख श्री बी.सी.पलेइ एवं विशिष्ट अतिथि गरिमा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती आरती पलेइ ने दीप प्रज्वलन कर श्री रामलीला मंचन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक गण एवं गरिमा महिला मंडल सदस्याए तथा बहुसंख्या में कर्मचारीगण एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री पलेइ ने कहा की हम सभी भाग्यशाली है कि हमे भगवान श्रीराम के जन्मस्थली अयोध्या के नजदीक कार्य करने का अवसर मिला। साथ ही उन्होने कहा कि मर्यादापूर्ण जीवन जीते हुए भगवान श्री राम ने सागर पर सेतु बना कर अपने विजयपथ का आधार बनाया था। अन्याय और अत्याचार की सोने की लंका को अंत में जलना ही पड़ा। उन्होने श्री रामलीला मंचन समिति एवं कलाकारों की प्रशंसा करते हुए कहा की आपने श्री राम लीला मंच को अपने अभिनय से एकदम जीवंत बना दिया है, मै आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हुॅ। एनटीपीसी टांडा में आयोजित इन सफल कार्यक्रमों से परस्पर भाईचारा, प्रेम व सद्भाव का व्यापक संदेश आमजनों में प्रसारित हो रहा है। श्री रामलीला मंचन के अंतर्गत श्री रामलीला मंचन की मनोहारी दृश्यों की प्रस्तुति मंजे हुए कलाकारों द्वारा की जा रही है। रामलीला के शुभारंभ के अवसर पर इंद्र दरबार, नारद मोह, रावण, कुम्भकरण एवं विभीषण का ब्रह्मा से वरदान प्राप्त करना, रावण कुबेर युद्ध आदि का मंचन हुआ।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में एनटीपीसी कर्मी व ग्रामीणजन उपस्थित रहे। दस दिन के दौरान प्रत्येक संध्या में रामलीला के अन्य कथाओ का मंचन होगा। 24 अक्टूबर को विजयदशमी के अवसर पर रावण वध, रात्रि में भरत मिलाप, राम राजगद्दी एवं नाटक ''सत्यवादी हरिशचंद'' के साथ रामलीला का समापन होगा। इस अवसर पर आवासीय परिसर स्थित रामलीला मैदान में भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा जिसमें भारी संख्या में आसपास के लोगों के शामिल होने की संभावना है।

थाना प्रभारी निरीक्षक ने पत्रकारों के साथ किया बैठक

सुशील श्रीवास्तव

सादुल्लाह नगर (बलरामपुर)। आगामी दुर्गा पूजा त्योहार के दृष्टिगत थाना सादुल्ला नगर क्षेत्र के समस्त पत्रकार बंधुओ के साथ प्रभारी निरीक्षक सादुल्ला नगर बृजानंद सिंह ने बैठक किया। मीटिंग के दौरान पत्रकार बंधुओ से किसी भी प्रकार के अफवाहों पर बिना पुष्टि किए प्रसारित न किए जाने एवं लाभप्रद सूचनाओं के तत्परता से आदान-प्रदान किए जाने हेतु अपील की गई।

इस पर उपस्थित सभी पत्रकार बंधुओ द्वारा आगामी त्यौहार के दृष्टिगत शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार संपन्न कराए जाने हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान किए जाने हेतु आस्वस्थ किया।

कार्यालय, जिलाधिकारी, गोण्डा

संख्याः-860/जि0आ0अ0/वि0प्र0अभियान-40/अपील/23-24/गोण्डा दिनांकः 14 अक्टूबर 2023

अवैध/जहरीली शराब से सावधान-यह जानलेवा है।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अवैध स्थानों व अड्डों से खरीदी गयी शराब में मिथाइल अल्कोहल मिश्रित शराब हो सकती है, जो घातक विष है और इसकी थोड़ी सी भी मात्रा पीने से व्यक्ति अन्धा हो सकता है एवं उसकी जान भी जा सकती है। अपनी एवं अपने परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी भी दशा में अवैध स्थानों व अड्डों से खरीद कर शराब का सेवन न करें। यह भी सूचित किया जाता है कि रेस्टोरेन्ट, होटल, विवाह स्थल या समारोह स्थल पर बिना लाइसेन्स लिए मदिरा परोसा जाना आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत अपराध है। यदि आपके आस-पास अवैध शराब के निर्माण या बिक्री की सूचना प्राप्त होती है, तो निम्नलिखित दूरभाष नम्बरों पर इसकी सूचना दें। आपकी पहचान गुप्त रखी जायेगी।

जिला आबकारी अधिकारी, गोण्डा	मो0-9454465642
आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-1 सदर	मो0-9454466239
आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-2 मनकापुर	मो0-9454466240
आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-3 तरबगंज	मो0-8787030141
आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-4, करनैलगंज	मो0-9621147566

आबकारी विभाग के टोल फ्री नम्बर 14405 व 9454466019 पर भी सूचना दी जा सकती है।

(अतुल कुमार श्रीवास्तव)
जिला आबकारी अधिकारी
गोण्डा

(नेहा शर्मा)
जिलाधिकारी
गोण्डा

दीपोत्सव में 51 घाटों पर 14 गुणे 14 में 12 हजार 500 ब्लाक में दीप प्रज्वलित होंगे

विवि के सहायक कुलसचिव मो0 सहील की निगरानी में अयोध्या के घाटों की मार्किंग में लाई गई तेजी

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा दीपोत्सव की तैयारियों को लेकर अयोध्या के 51 घाटों के चिन्हित स्थलों पर मार्किंग के कार्यो में तेजी लाई गई। सोमवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के कुशल मार्गदर्शन में सहायक कुलसचिव मोहम्मद सहील ने विश्वविद्यालय के कर्मियों के साथ राम की पैड़ी पर दीए सजाने के चिन्हित स्थलों पर मार्किंग कराई। 51 घाटों पर 21 लाख से अधिक दीपों को प्रज्वलित किया जायेगा। इसके लिए घाटों पर 14 गुणे 14 के 12 हजार 500 ब्लाक बनाये जायेंगे जिनमें 24 लाख दीए बिछाये जायेंगे। विश्वविद्यालय आवासीय परिसर, सम्बद्ध महाविद्यालयों, इण्टर कालेजों, स्वयंसेवी संस्थाओं के 25 हजार वालंटियर्स सातवीं बार के दीपोत्सव में छठवीं बार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज करेंगे। दीपोत्सव को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंशानुरूप विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 गोयल ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसके लिए 21 समितियां बनाई गई। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य, आचार्य, सह आचार्य एवं सदस्यों को जिम्मेदारी दी गई है। इसमें विश्वविद्यालय के आला अधिकारियों व नोडल अधिकारी द्वारा समीक्षा की जा रही है।

अविवि के दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 संत शरण मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव मोहम्मद सहील द्वारा घाटों के मार्किंग कार्य को अंतिम रूप दिया जा रहा है। एक सप्ताह में चिन्हित स्थलों पर मार्किंग का कार्य पूरा कर लिया जायेगा। दीपोत्सव में विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए 08 नवम्बर से घाटों पर दीए पहुॅचने शुरू हो जायेंगे। वालंटियर्स को दीए जलाने में कोई असुविधा न हो इसका भी मार्किंग करते समय ध्यान दिया जा रहा है।

किसान जागरूकता रैली को राज्य मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

अंबेडकर नगर। कृषि विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम योजनान्तर्गत जनपद स्तरीय प्रदर्शन (जागरूकता रैली) एवं कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कृषि विभाग द्वारा श्री अन्न की महत्ता के विषय में जनपद के कृषकों को जागरूक किया गया एवं जनपद स्तरीय जागरूकता रैली कलेक्ट्रेट से होकर तिरंगा चौराहा, शहजादपुर तक निकाली गयी। जागरूकता रैली को मा0 राज्य मंत्री, ग्राम विकास, उ0प्र0, श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम) द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में मा0 सदस्य विधान परिषद, अयोध्या-अम्बेडकर नगर डॉ0 हरिओम पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष महोदय श्री श्याम सुन्दर वर्मा उर्फ साधु वर्मा, जिलाध्यक्ष भा0ज0पा0 श्री त्रयम्बक त्रिपाठी, पूर्व जिलाध्यक्ष भ0ज0पा0 डॉ0 मिथिलेश त्रिपाठी, जिलाधिकारी महोदय, अपर जिलाधिकारी महोदय, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी, टाण्डा, कृषि विज्ञान केन्द्र, पाँती के समन्वयक डॉ रामजीत, कृषि विभाग के क्षेत्रस्य कर्मचारी व जनपद के कृषक बन्धु उपस्थित रहे। जागरूकता रैली के उपरान्त कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें वैज्ञानिकों द्वारा जनपद के कृषकों को श्री अन्न के उत्पादन तकनीक, श्री अन्न की उपयोगिता एवं उसके लाभ के विषय में विस्तृत जानकारी दी गयी। उपस्थित कृषकों को उप कृषि निदेशक द्वारा बताया गया कि. श्री अन्न के उपयोग से विभिन्न प्रकार के कार्बोहाइड्रेट, विटामिन्स प्राप्त होते हैं तथा शुगर जैसी बीमारी से निजात प्राप्त होता है।

RNI No. 46071/85
स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक **टी.रजा रिज़वी** ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।
गोण्डा कार्यालय
फोन/फैक्स-05262-230683
मो0- 09415120085
लखनऊ कार्यालय-
फोन- 0522-4028445
मो0- 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com